arihant

सामान्य ज्ञान 2022

₹145

मनोहर पाण्डे

सामान्य ज्ञान

2022

मनोहर पाण्डे

arihant

अरिहन्त पब्लिकेशन्स (इण्डिया) लिमिटेड

arihant

अरिहन्त पब्लिकेशन्स (इण्डिया) लिमिटेड

सर्वाधिकार सुरक्षित

卐 **© प्रकाशक**

इस पुस्तक के किसी भी अंश का पुनरुत्पादन या किसी प्रणाली के सहारे पुनर्प्राप्ति का प्रयास अथवा किसी भी तकनीकी तरीके—इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या वेब माध्यम से प्रकाशक की अनुमति के बिना वितरण नहीं किया जा सकता है। 'अरिहन्त' ने अपने प्रयास से इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्रोतों से प्राप्त किया है। पुस्तक में प्रकाशित किसी भी सूचना की सत्यता के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए प्रकाशक, सम्पादक, लेखक अथवा मुद्रक जिम्मेदार नहीं हैं।

सभी प्रतिवाद का न्यायिक क्षेत्र 'मेरठ' होगा।

卐 **रजि. कार्यालय**
'रामछाया' 4577/15, अग्रवाल रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली- 110002
फोन: 011-47630600, 43518550

मुख्य कार्यालय
कालिन्दी, टी०पी० नगर, मेरठ (यूपी)– 250002
फोन: 0121-7156203, 7156204

卐 **शाखा कार्यालय**
आगरा, अहमदाबाद, बरेली, बंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, झाँसी, कोलकाता, लखनऊ, नागपुर तथा पुणे

卐 **ISBN** 978-93-25295-55-1

卐 **मूल्य** ₹ 145.00

PO No : TXT-XX-XXXXXXX-X-XX

PUBLISHED BY ARIHANT PUBLICATIONS (INDIA) LTD.

'अरिहन्त' की पुस्तकों के बारे में अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट **www.arihantbooks.com** पर लॉग इन करें या **info@arihantbooks.com** पर सम्पर्क करें।

Follow us on...

विषय–सूची

➲ *समसामयिकी* **5-32**

भारत का इतिहास 1-96

– **प्राचीन भारत**
ऐतिहासिक स्रोत *(1)*, प्राक् इतिहास *(4)*, हड़प्पा सभ्यता *(5)*, वैदिक काल *(8)*, उत्तर वैदिक काल *(11)*, वैदिक साहित्य *(13)*, जैन धर्म *(15)*, बौद्ध धर्म *(17)*, महाजनपद काल *(19)*, मगध साम्राज्य *(19)*, मौर्य साम्राज्य *(21)*, मौर्योत्तर काल *(24)*, गुप्त साम्राज्य *(28)*, गुप्तोत्तर काल *(32)*, पूर्वमध्यकालः कश्मीर के राजवंश *(33)*, दक्षिण भारतीय राज्य *(36)*

– **मध्यकालीन भारत**
भारत पर मुस्लिम आक्रमण *(38)*, खिलजी वंश *(40)*, तुगलक वंश *(41)*, सैयद वंश *(42)*, लोदी वंश *(43)*, प्रान्तीय राज्य *(44)*, धार्मिक आन्दोलन *(45)*, मुगल साम्राज्य *(48)*, मराठा साम्राज्य *(53)*, सिख शक्ति का उदय *(55)*, प्रान्तीय स्वायत्त–राज्य *(56)*

– **आधुनिक भारत**
यूरोपीय कम्पनियों का भारत आगमन *(58)*, बंगाल के गवर्नर–जनरल *(59)*, भारत के गवर्नर–जनरल *(60)*, भारत के वायसराय *(61)*, 1857 का विद्रोह *(65)*, सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आन्दोलन *(66)*, राष्ट्रीय स्वतन्त्रता आन्दोलन *(69)*, भारत में संवैधानिक विकास *(76)*

– **भारतीय कला एवं संस्कृति**
भाषा और साहित्य *(84)*, धर्म *(85)*, कला एवं स्थापत्य *(86)*, चित्रकला *(87)*, संगीत *(87)*, नृत्य *(87)*, भारत के सांस्कृतिक संस्थान *(89)*

– **विश्व का इतिहास**
विश्व की प्रमुख सभ्यताएँ *(90)*, पुनर्जागरण *(91)*

भूगोल 97-192

– **विश्व का भूगोल**
भौतिक भूगोल *(97)*, ब्रह्माण्ड *(97)*, सौरमण्डल *(98)*, पृथ्वी की गतियाँ *(104)*, ज्वार–भाटा *(105)*, स्थलमण्डल *(108)*, पर्वत *(110)*, पठार *(112)*, मैदान *(113)*, द्वीप *(115)*, ज्वालामुखी *(115)*, भूकम्प *(117)*, वायुमण्डल *(119)*, वायुमण्डलीय दाब *(122)*, वायुराशि *(125)*, जलवायु *(128)*, जलमण्डल *(130)*, विश्व के महासागर *(131)*, लवणता *(132)*, विश्व के महाद्वीप *(134)*, विश्व के विविध तथ्य *(142)*, विश्व की प्रमुख जलसन्धियाँ *(143)*, विश्व के प्रमुख भौगोलिक उपनाम *(145)*, विश्व के विनिर्माण उद्योग *(147)*

– **भारत का भूगोल**
भारत का भौतिक भूगोल *(149)*, भारतीय भू–आकृति *(150)*, प्रायद्वीपीय पर्वत *(151)*, पठार *(152)*, मैदान *(153)*, द्वीप समूह *(153)*, अपवाह तन्त्र *(154)*, भारतीय जलवायु *(157)*, मिट्टियाँ *(158)*, प्राकृतिक वनस्पति *(159)*, भारत में वन *(160)*, आर्थिक भूगोल *(161)*, कृषि *(161)*, पशुपालन *(162)*, बहुउद्देशीय परियोजनाएँ *(163)*, खनिज *(164)*, ऊर्जा *(168)*, परिवहन *(169)*, मानव भूगोल *(173)*, जनगणना : 2011 एक दृष्टि में *(180)*

– **पर्यावरण और पारिस्थितिकी**
पर्यावरण के घटक एवं अपघटक *(181)*, बायोम *(182)*, प्रदूषण *(184)*, जैव–विविधता *(186)*, जलवायु परिवर्तन *(189)*, सतत विकास *(190)*

भारतीय राजव्यवस्था 193-238

भारत का संविधान *(193)*, संविधान का निर्माण *(193)*, नागरिकता *(197)*, मौलिक अधिकार *(198)*, राज्य के नीति–निदेशक तत्त्व *(202)*, संघीय कार्यपालिका *(203)*, राष्ट्रपति *(203)*, मन्त्रिपरिषद् *(207)*, संघीय विधायिका *(208)*, राज्यसभा *(208)*, लोकसभा *(208)*, संसद में विधायी प्रक्रिया *(211)*, सर्वोच्च न्यायालय *(212)*, राज्य कार्यपालिका *(214)*, विधानपरिषद् *(216)*, विधानसभा *(217)*, उच्च न्यायालय *(218)*, संवैधानिक संस्थाएँ *(220)*, संघ लोक सेवा आयोग *(221)*, निर्वाचन आयोग *(222)*, केन्द्र–राज्य सम्बन्ध *(224)*, पंचायती राज *(227)*, राजभाषा *(230)*, अन्तर्राज्यीय परिषद् *(231)*, संविधान संशोधन की प्रक्रिया *(232)*, राजनैतिक शब्दावली *(235)*

भारतीय अर्थव्यवस्था 239-268

अर्थव्यवस्था *(239)*, पंचवर्षीय योजनाएँ *(240)*, नई आर्थिक नीति ,1991 *(243)*, निर्धनता और बेरोजगारी *(244)*, कृषि व सम्बद्ध क्षेत्र *(248)*, औद्योगिक क्षेत्र *(251)*, विदेशी व्यापार *(255)*, मुद्रा एवं बैंकिग *(258)*, भारतीय वित्तीय बाजार *(262)*, बीमा क्षेत्र *(263)*, बजट *(264)*, प्रमुख आर्थिक समितियाँ *(265)*, जनसंख्या *(266)*

सामान्य विज्ञान 269-355

– **भौतिक विज्ञान**

भौतिक राशियाँ *(269)*, न्यूटन के गति–विषयक् नियम *(270)*, आवेग *(271)*, घर्षण *(271)*, शक्ति *(272)*, ऊर्जा *(272)*, गुरुत्वाकर्षण *(273)*, तरंग *(274)*, दाब *(276)*, प्लवन *(277)*, ऊष्मा *(279)*, प्रकाश *(280)*, प्रकाश का वर्ण विक्षेपण *(283)*, आवेश *(284)*, चुम्बकत्व *(286)*, रेडियोसक्रियता *(287)*

– **रसायन विज्ञान**

द्रव्य *(291)*, परमाणु मॉडल *(293)*, गैस नियम *(298)*, रेडियोसक्रियता *(300)*, रासायनिक बन्ध एवं रासायनिक अभिक्रिया *(302)*, अम्ल, क्षारक तथा लवण *(305)*, धातुएँ *(307)*, ऊर्जा संसाधन *(310)*, विद्युत रसायन *(311)*, वायु, जल तथा उनका प्रदूषण *(313)*, कार्बन तथा इसके यौगिक *(315)*, मानव निर्मित पदार्थ *(317)*

– **जीव विज्ञान**

जीव जगत का वर्गीकरण *(320)*, मानव शरीर क्रिया विज्ञान *(323)*, पोषण एवं पाचन *(323)*, मनुष्य में पाचन *(326)*, परिसंचरण तन्त्र *(329)*, कंकाल तन्त्र *(332)*, अन्तः स्रावी तन्त्र *(335)*, आनुवंशिकी *(338)*, चिकित्सा सम्बन्धी आविष्कार *(341)*, वनस्पति विज्ञान *(342)*

– **कम्प्यूटर**

कम्प्यूटर का वर्गीकरण *(347)*, हार्डवेयर *(348)*, सॉफ्टवेयर *(349)*, संचार तन्त्र (नेटवर्किंग) *(350)*, इण्टरनेट *(351)*, रोबोटिक्स *(353)*, कम्प्यूटर सम्बन्धित शब्दावली *(354)*, संक्षिप्ताक्षर *(355)*

सामान्य ज्ञान 356-416

भारत में प्रथम *(356)*, लोकप्रिय उपनाम (व्यक्ति) *(361)*, जनसंचार *(361)*, भारतीय रक्षा एवं प्रतिरक्षा *(363)*, प्रक्षेपास्त्र *(366)*, भारतीय परमाणु कार्यक्रम *(369)*, भारतीय अन्तरिक्ष कार्यक्रम *(370)*, प्रक्षेपणयान प्रौद्योगिकी *(373)*, विश्व में प्रथम *(374)*, विश्व के प्रमुख समाचार–पत्र एवं प्रकाशन स्थल *(382)*, शब्द संक्षेप *(387)*, महत्त्वपूर्ण तिथि/दिवस *(393)*, प्रमुख लेखक व पुस्तकें *(394)*, पुरस्कार एवं अलंकरण *(398)*, प्रमुख संगठन एवं संस्थाएँ *(405)*, खेलों की दुनिया *(412-416)*

करेण्ट अफेयर्स

राष्ट्रीय

केन्द्रीय बजट 2021-22

केन्द्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मन्त्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी, 2021 को संसद में केन्द्रीय **बजट 2021-22 प्रस्तुत** किया।

केन्द्रीय बजट 2021-22 पहली बार कागजरहित प्रस्तुत किया गया। बजट से सम्बन्धित जानकारी और दस्तावेजों का उपयोग करने के लिए एक समर्पित ऐप्लिकेशन 'यूनियन बजट मोबाइल ऐप्प' तैयार किया गया। *वित्त वर्ष 2021-22 का बजट छह स्तम्भों पर आधारित है, जिनमें शामिल हैं*

- स्वास्थ्य एवं देखभाल
- वित्त पूँजी एवं बुनियादी ढाँचा
- आकांक्षी भारत में समग्र विकास
- मानव संसाधन का विकास
- नवाचार एवं अनुसंधान
- न्यूनतम सरकार अधिकतम शासन

प्रमुख तथ्य

- वर्ष 2021-22 के बजट में **अनुमानित व्यय ₹ 34.83 लाख करोड़** रखा गया है। इसमें ₹ 5.5 लाख करोड़ पूँजीगत व्यय के लिए रखा गया है।
- वर्ष 2021-22 के बजट के अनुमान में **राजकोषीय घाटा GDP का 6.8% अनुमानित** है।
- 2021-26 के लिए 15वाँ वित्त आयोग के सिफारिश पर राज्यों के शेयर 41% रखे गए हैं।
- वित्त वर्ष 2021-22 में स्वास्थ्य और खुशहाली के क्षेत्र में 137% वृद्धि के साथ ₹ 223846 करोड़ का प्रावधान किया गया।
- COVID-19 वैक्सीन के लिए **₹ 35000 करोड़ का प्रावधान** किया गया।
- 2.86 करोड़ घरों में नल कनेक्शनों के साथ सभी 4378 शहरी स्थानीय निकायों में सार्वभौमिक जलापूर्ति के लिए **जल जीवन मिशन (शहरी)** शुरू किया जाएगा।
- **भारतीय रेलवे** के लिए **₹ 110055 करोड़ की रिकॉर्ड राशि** का प्रावधान किया गया, जिसमें ₹ 107100 करोड़ पूँजीगत व्यय के लिए है।
- **सार्वजनिक बस परिवहन सेवाओं** के विस्तार में आवश्यक सहयोग देने के लिए ₹ 18000 करोड़ की लागत से एक नई योजना शुरू की जाएगी।
- वस्त्र उद्योग को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्द्धी बनाने के लिए **मेगा इन्वेस्टमेण्ट टेक्सटाइल पार्क्स** (MITRA) नामक योजना शुरू की जाएगी।
- स्वास्थ्य के क्षेत्र में बजट में वृद्धि के तहत **आत्मनिर्भर स्वस्थ भारत योजना** का ऐलान; इसके लिए सरकार की ओर से ₹ 64180 करोड़ की घोषणा।
- स्वच्छ भारत मिशन को आगे बढ़ाने का ऐलान, जिसके तहत शहरों में **अमृत योजना** को आगे बढ़ाया जाएगा, इसके लिए ₹ 287000 करोड़ का प्रावधान।
- व्यक्तिगत आयकर दरों/स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया। नई वैकल्पिक व्यवस्था के तहत ₹ 2.5 लाख की आय पर कोई कर नहीं लगता, जबकि ₹ 2.5-5 लाख की आय पर 5% और ₹ 5-7.5 लाख आय पर 10% कर लगता है।
- 75 वर्ष से अधिक आयु वाले **वरिष्ठ नागरिकों को कर से राहत**। अब इन्हें ITR नहीं भरना होगा। हालाँकि, ये लाभ केवल पेन्शन लेने वालों को मिलेगा।
- देश में **7 टेक्सटाइल पार्क** बनाए जाएँगे, ताकि इस क्षेत्र में भारत एक्सपोर्ट करने वाला देश बने। यह पार्क तीन वर्ष में तैयार किए जाएँगे।
- **इंश्योरेन्स क्षेत्र में 74% तक FDI की अनुमति,** पहले यह सीमा केवल 49% थी। निवेशकों के लिए चार्टर बनाने का ऐलान।
- देश में करीब **100 नए सैनिक स्कूल** बनाए जाएँगे। **लेह में केन्द्रीय युनिवर्सिटी** बनाए जाने की घोषणा।
- अनुसूचित जाति के 4 करोड़ विद्यार्थियों के लिए ₹ 35 करोड़ का ऐलान किया गया।
- न्यू स्पेस इण्डिया लिमिटेड **PSLV-CS51** को लॉन्च करेगा। गगनयान मिशन का मानव रहित पहला लॉन्च दिसम्बर में होगा।
- कृषि और सहायक क्षेत्रों के लिए 9 उपाय करने का प्रस्ताव। **स्वामित्व योजना** को अब देशभर में लागू किया जाएगा। एग्रीकल्चर के क्रेडिट टारगेट को ₹ 16 लाख करोड़ तक किया गया।
- वित्त वर्ष 2022 में कृषि ऋण लक्ष्य बढ़ाकर ₹ 16.5 लाख करोड़ करने का लक्ष्य।

- **ऑपरेशन ग्रीन स्कीम** की घोषणा की गई, जिसमें कई फसलों को शामिल किया जाएगा और किसानों को लाभ पहुँचाया जाएगा।
- **राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन** के लिए धन आवण्टन में वृद्धि। **विकास वित्त संस्थान (FDI)** की स्थापना करने का प्रस्ताव; विकास वित्त संस्थान से लाभ उठाने के लिए ₹ 20000 करोड़ का प्रावधान।
- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए 15000 स्कूलों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत सभी पहलुओं को शामिल करने का प्रस्ताव किया गया।
- अगले पाँच वर्षों के लिए **राष्ट्रीय अनुसंधान फाउण्डेशन** के लिए ₹ 50000 करोड़ के परिव्यय का प्रस्ताव।
- भुगतान के डिजिटल माध्यमों को प्रोत्साहन देने की योजना हेतु ₹ 1500 करोड़ का प्रस्ताव।
- **असम** और **पश्चिम बंगाल** के चाय मजदूरों, विशेष रूप से **महिलाओं और बच्चों की कल्याण योजना** के लिए ₹ 1000 करोड़ उपलब्ध कराए जाएँगे।
- पेट्रोल और डीजल पर **कृषि सेस** लगाया गया। डीजल पर ₹ 4 और पेट्रोल पर ₹ 2.50 का सेस लगाया गया।
- **ये होंगे महँगे** विदेशी चमड़ा, सोलर इनवर्टर, विदेशी मोबाइल और चार्जर, मोबाइल से जुड़ी एसेसरीज, मोबाइल, मोबाइल पार्ट्स, रत्न, जूते, आयातित ऑटो पार्ट, विदेशी खाद्य तेल, गाड़ियों के पार्ट्स, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और इम्पोर्टेड कपड़े।
- **ये होंगे सस्ते** सोना और ताँबे का सामान, लोहा और स्टील, चमड़े के उत्पाद, नाइलॉन और पेण्ट, नाइलॉन के कपड़े, ड्राई क्लीनिंग और पॉलिस्टर के कपड़े।

आर्थिक समीक्षा 2020-21

वित्त मन्त्री निर्मला सीतारमण ने 29 जनवरी, 2021 को संसद में आर्थिक सर्वेक्षण 2020-21 प्रस्तुत किया। आर्थिक समीक्षा को भारत के आर्थिक सलाहकार कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यन ने तैयार किया था। वैश्विक महामारी के परिणामस्वरूप आर्थिक समीक्षा का मूलभूत विषय 'सेविंग लाइव्स एण्ड लाइवलीहुड्स' रहा

प्रमुख तथ्य

- भारत की GDP की विकास दर वित्त वर्ष 2021 (–) 7.5% रहेगी, जबकि वित्त वर्ष 2021 की पहली छमाही की तुलना में दूसरी छमाही में 23.9% की वृद्धि होने की सम्भावना है।
- वित्त वर्ष 2021-22 में भारत की वास्तविक GDP की विकास दर 11.0% रहेगी तथा सांकेतिक GDP की विकास दर 15.4% रहेगी, जो स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद सर्वाधिक होगी।
- वित्त वर्ष 21 के दौरान उद्योग और सेवा क्षेत्र में क्रमशः 9.6% और 8.8% की कमी आने का अनुमान है।
- सार्वजनिक खर्च GDP के 1% से बढ़कर 2.5-3% होने से स्वास्थ्य देखभाल पर लोगों द्वारा किए जाने वाले खर्च 65% से घटकर 35% होने का अनुमान है।
- वर्ष 2012 के मुकाबले वर्ष 2018 में देश के सभी राज्यों में बुनियादी आवश्यकताओं तक लोगों की पहुँच में पर्याप्त सुधार दर्ज किया गया है।
- केरल, पंजाब, हरियाणा और गुजरात में यह सर्वोच्च स्तर पर पाया गया, जबकि ओडिशा, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा में यह सबसे कम रहा।
- शिशु मृत्यु दर तथा पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्युदर में कमी आई है तथा इससे भविष्य में शिक्षा सम्बन्धी संकेतकों में भी सुधार की आशा जगी है।
- **मौद्रिक सामान्य प्रभावी विनिमय दर** (NEER) (व्यापार आधारित भार) के सन्दर्भ में मार्च, 2020 की तुलना में दिसम्बर, 2020 में रुपये का 4.1% अवमूल्यन हुआ, वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (REER) के सन्दर्भ में 2.9% की वृद्धि दर्ज की गई।
- सतत विकास पर संयुक्त राष्ट्र उच्च स्तरीय राजनीतिक मंच (HLPF) को स्वैच्छिक राष्ट्रीय समीक्षा (VNR) की पेशकश की गई।
- अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबन्धन (ISA) ने दो नई पहल शुरू की हैं **विश्व सौर बैंक** और **एक सूर्य, एक विश्व, एक ग्रिड** इनका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर सौर ऊर्जा के क्षेत्र में क्रान्ति लाना है।
- कृषि वर्ष 2019-20 में देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन (चौथे अग्रिम अनुमानों के अनुसार) 11.44 मिलियन टन रहा, जो 2018-19 से अधिक है।
- वर्ष 2019-20 में ₹ 1350000 करोड़ के लक्ष्य के विपरीत वास्तविक कृषि ऋण प्रवाह ₹ 1392469.81 करोड़ था। वर्ष 2020-21 के लिए लक्ष्य ₹ 1500000 करोड़ था और और 30 नवम्बर, 2020 तक ₹ 973517.80 करोड़ दिए गए।
- IIP में विस्तृत आधार वाले सुधार के परिणामस्वरूप नवम्बर, 2020 में (–) 1.9% की वृद्धि हुई, जो नवम्बर, 2019 में 2.1% और अप्रैल, 2020 में (–) 57.3% रही।
- भारत के GDP का 15% प्रोत्साहन पैकेज के साथ आत्मनिर्भर भारत अभियान घोषित किया गया।
- वैश्विक स्तर पर बाधाओं के बावजूद भारत के सेवा क्षेत्र में FDI अन्तर्वाह $ 23.6 बिलियन तक पहुँचने के लिए अप्रैल–सितम्बर, 2020 के दौरान वर्ष–दर–वर्ष तेजी से बढ़कर 34% हो गया।

72वाँ गणतन्त्र दिवस समारोह आयोजित

भारत ने 26 जनवरी, 2021 को अपना 72वाँ गणतन्त्र दिवस केवल 25000 दर्शकों और राजपथ पर एक छोटी परेड के साथ मनाया। राफेल लड़ाकू जेट विमानों ने गणतन्त्र दिवस की परेड में भाग लिया और 'वर्टिकल चार्ली' फॉर्मेशन के साथ फ्लाईपास्ट का समापन किया। बांग्लादेश सशस्त्र बलों की 122 सदस्यीय टुकड़ी ने गणतन्त्र दिवस परेड में भाग लिया। फ्लाइट लेफ्टिनेण्ट भावना कण्ठ IAF की झाँकी में हिस्सा लेने वाली पहली महिला फाइटर पायलट बनीं।

डिजिटल वोटर ID कार्ड लॉन्च

कानून मन्त्री रविशंकर प्रसाद ने 25 जनवरी, 2021 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस को चिह्नित करने के लिए e-PIC कार्यक्रम लॉन्च किया और पाँच नए मतदाताओं को ई–एलेक्टर फोटो आइडेण्टिटी कार्ड्स (EPICs) वितरित किए।

ई–एलेक्टर फोटो आइडेण्टिटी कार्ड्स मतदाता फोटो पहचान–पत्र का एक गैर–सम्पादन योग्य डिजिटल संस्करण है और इसे डिजिटल लॉकर और PDF प्रारूप में मुद्रित किया जा सकता है।

हावड़ा–कालका मेल बनी 'नेताजी एक्सप्रेस'

भारतीय रेलवे ने 23 जनवरी, 2021 को स्वतन्त्रता सेनानी सुभाष चन्द्र बोस को श्रद्धांजलि देते हुए हावड़ा–कालका मेल को 'नेताजी एक्सप्रेस' नाम दिया। हावड़ा–कालका मेल ट्रेन वर्ष 1866 में परिचालन में आने के बाद से 150 से अधिक वर्षों तक सेवा में रही है।

हावड़ा–कालका मेल और दिल्ली के रास्ते पश्चिम बंगाल (पूर्व रेलवे) में हावड़ा और हरियाणा (उत्तर रेलवे) में कालका के बीच चलती है।

नेताजी का जन्मदिन 'पराक्रम दिवस' के रूप में चिह्नित

भारत सरकार ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के जन्मदिन (23 जनवरी) को प्रति वर्ष 'पराक्रम दिवस' के रूप में मनाने का फैसला किया। 'पराक्रम दिवस' नेताजी की अदम्य भावना और राष्ट्र के प्रति निःस्वार्थ सेवा के सम्मान और उन्हें याद करने के लिए समर्पित होगा।

MASCRADE 2021 का आयोजन

केन्द्रीय मन्त्री डॉ. हर्षवर्धन ने 21 जनवरी, 2021 को 'MASCRADE 2021–मूवमेण्ट अगेंस्ट स्मगल्ड एण्ड काउण्टरफीट ट्रेड' के 7वें संस्करण का उद्घाटन किया। दो–दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन अवैध व्यापार से निपटने के लिए, विशेष रूप से एक पोस्ट COVID युग में FICCI अर्थव्यवस्था को नष्ट करने वाली तस्करी और जालसाजी गतिविधियों के खिलाफ समिति (CASCADE) द्वारा किया गया।

स्वदेशी रूप से विकसित SAAW का सफल परीक्षण

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने 21 जनवरी, 2021 को ओडिशा तट से स्वदेशी रूप से विकसित स्मार्ट एण्टी–एयरफील्ड वेपन (SAAW) का कैप्टिव और रिलीज ट्रायल सफलतापूर्वक आयोजित किया।

यह 100 किमी की सीमा तक ग्राउण्ड दुश्मन एयरफील्ड की सम्पत्ति जैसे राडार, बंकर, टैक्सी ट्रैक और दूसरों के बीच रनवे तक पहुँचने में सक्षम है।

छह देशों को COVID-19 वैक्सीन की आपूर्ति

भारत ने 20 जनवरी, 2021 से छह देशों (म्यांमार, भूटान, बांग्लादेश, नेपाल, मालदीव्स और सेशेल्स) को देश में निर्मित COVID-19 टीकों की आपूर्ति शुरू कर दी। भारत ने पहले बड़ी संख्या में देशों को हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वाइन, रेमेडिसविर और पेरासिटामोल की गोलियाँ, साथ ही डायग्नोस्टिक किट, वेण्टिलेटर, मास्क, दस्ताने और अन्य चिकित्सा आपूर्ति की थी, ताकि उन्हें महामारी से निपटने में मदद मिल सके।

CRPF के लिए विशेष मोटर बाइक एम्बुलेन्स

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने 18 जनवरी, 2021 को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) के लिए एक बाइक–आधारित दुर्घटना परिवहन आपातकालीन वाहन 'रक्षिता' लॉन्च किया।

विशेष रूप से डिजाइन की गई इस बाइक को DRDO की दिल्ली स्थित प्रयोगशाला, परमाणु चिकित्सा संस्थान और सम्बद्ध विज्ञान संस्थान (INMAS) द्वारा विकसित किया गया है।

आतंकवादियों की ट्रैकिंग हेतु विकसित 'माइक्रोकॉप्टर'

एक भारतीय सेना अधिकारी लेफ्टिनेण्ट कर्नल जीवाईके रेड्डी ने स्वदेशी रूप से एक 'माइक्रोकॉप्टर' विकसित किया है, जिसका उपयोग सेना द्वारा किसी इमारत या कमरे के अन्दर निगरानी करने के लिए किया जा सकता है, जिसमें आतंकवादी छिपे हुए हैं।

इस ऊर्ध्वाधर टेक–ऑफ और लैण्डिंग ड्रोन में 4500 मी की अधिकतम ऊँचाई पर दो घण्टे तक उड़ान भरने की क्षमता है।

दुनिया का सबसे बड़ा COVID-19 टीकाकरण अभियान शुरू

प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने 16 जनवरी, 2021 को वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से दुनिया के सबसे बड़े COVID-19 वैक्सीन ड्राइव का शुभारम्भ किया।

प्राप्तकर्ताओं में 30 मिलियन डॉक्टर, नर्स और अन्य फ्रण्ट–लाइन कार्यकर्ता शामिल हैं, जिनका अनुसरण 270 मिलियन लोगों द्वारा किया जाना है, जो या तो 50 वर्ष की आयु से अधिक हैं या उन्हें ऐसी बीमारियाँ हैं, जो उन्हें COVID-19 के लिए असुरक्षित बनाती हैं।

प्रधानमन्त्री कौशल विकास योजना 3.0 की शुरुआत

भारत सरकार ने 15 जनवरी, 2021 को प्रधानमन्त्री कौशल विकास योजना (PMKVY) के तीसरे चरण की शुरुआत की।

प्रधानमन्त्री कौशल विकास योजना–3.0 के तहत, कोविड से सम्बन्धित ₹948.90 करोड़ के परिव्यय के साथ अगले तीन माह में सभी राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों के 600 जिलों में (पाँच को छोड़कर) 8000 उम्मीदवारों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

तीन नए कानूनों पर रोक और समिति का गठन

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 13 जनवरी, 2021 को अगले आदेश तक विवादास्पद नए कृषि कानूनों के कार्यान्वयन पर रोग लगा दी तथा जारी संकट को समाप्त करने के लिए एक चार–सदस्यीय समिति गठित करने का निर्णय लिया।

यह समिति किसानों के साथ बातचीत करके दो महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंप देगी।

एचएस मान (भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष), अनिल घणावत (महाराष्ट्र के शेतकेरी संगठन के अध्यक्ष), प्रमोद कुमार जोशी (दक्षिण एशिया के लिए IFPRI निदेशक) और अशोक गुलाटी (कृषि अर्थशास्त्री) इसके सदस्य हैं।

प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 2021 का आयोजन

प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने 9 जनवरी, 2021 को आभासी प्रारूप में आयोजित 16वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का उद्घाटन किया।

इस आयोजन का विषय 'आत्म निर्भर में योगदान' था तथा इसका उद्देश्य भारत में सामाजिक–आर्थिक विकास का हिस्सा बनने के लिए भारतीय प्रवासी को प्रोत्साहित करना था। प्रवासी भारतीय दिवस विदेश मन्त्रालय का एक प्रमुख आयोजन है, जो विदेशी नागरिकों के साथ जुड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है।

सेण्ट्रल विस्टा प्रोजेक्ट को मिली स्वीकृति

सर्वोच्च न्यायालय की तीन न्यायाधीशों की एक बेन्च ने 6 जनवरी, 2021 को उच्च राजनीतिक महत्व वाली सेण्ट्रल विस्टा और नई संसद निर्माण परियोजनाओं को 2-1 के बहुमत से मंजूरी दी।

नए संसद भवन का निर्माण 'टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड' द्वारा किया जा रहा है और इसकी लागत ₹971 करोड़ है। नए संसद भवन का आकार त्रिकोणीय होगा और इसके वर्ष 2022 में भारत की स्वतन्त्रता की 75वीं वर्षगाँठ तक पूरा होने की उम्मीद है।

'सक्षम' अभियान का शुभारम्भ

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मन्त्रालय ने हरित और स्वच्छ ऊर्जा के बारे में जागरुकता फैलाने के लिए 'सक्षम' (संरक्षण क्षमता महोत्सव) नामक एक माह का जन–जागरुकता अभियान शुरू किया है।

इस अभियान का आयोजक पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान संघ (PCRA) है, ताकि उपभोक्ताओं को स्वच्छ ईंधन का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा सके और बुद्धिमानी से जीवाश्म ईंधन का उपयोग करने के लिए व्यवहार परिवर्तन में लाया जा सके।

आपदा से निपटने में भारत की पहली महिला टीम

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF) में 5 जनवरी, 2021 को 100 से अधिक महिला आपदा सेनानियों और बचाव दल के पहले बैच को शामिल किया गया। हाल ही में उत्तर प्रदेश के गढ़ मुक्तेश्वर में गंगा नदी के तट पर नवीन रूप से प्रशिक्षित NDRF कर्मियों की एक ऑल–वुमेन टीम तैनात की गई थी।

भारत बना APAP का सह–अध्यक्ष

भारत को दक्षिण कोरिया की जगह लेने के तीन वर्ष की अवधि के लिए (नवम्बर, 2023 तक) IUCN–समर्थित एशिया प्रोटेक्टेड एरियाज पार्टनरशिप (APAP) के सह–अध्यक्ष के रूप में चुना गया है।

APAP की अध्यक्षता इण्टरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (IUCN) द्वारा की जाती है और रोटेशनल आधार पर सदस्य देश द्वारा APAP की सह–अध्यक्षता की जाती है।

RBI–डिजिटल पेमेण्ट्स इण्डेक्स की शुरुआत

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने 1 जनवरी, 2020 को देश भर में डिजिटल/इलेक्ट्रॉनिक भुगतान के डिजिटलीकरण की सीमा को पकड़ने के लिए एक डिजिटल पेमेण्ट्स इण्डेक्स (DPI) लॉन्च किया।

इस RBI–डिजिटल पेमेण्ट्स इण्डेक्स में 5 व्यापक पैरामीटर हैं, जिनका उपयोग डिजिटल भुगतानों को गहरा करने और पैठ बनाने के माप के लिए किया जाएगा।

भारत का पहला सोशल इम्पैक्ट बॉण्ड सृजित

पिम्परी चिंचवाड़ नगर निगम, पुणे ने हाल ही में भारत के पहले सोशल इम्पैक्ट बॉण्ड (SIB) के सह–निर्माण के लिए UNDP इण्डिया के साथ एक समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

एक सोशल इम्पैक्ट बॉन्ड, जिसे पे–फॉर–सक्सेस बॉण्ड या पे–फॉर–सक्सेस फाइन्सिंग या सिम्पल सोशल बॉण्ड भी कहा जाता है, मूल रूप से पब्लिक सेक्टर अथॉरिटी के साथ एक कॉण्ट्रैक्ट है।

LPG उपभोक्ताओं के लिए मिस्ड कॉल सुविधा

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस और इस्पात मन्त्री धर्मेन्द्र प्रधान ने 1 जनवरी, 2021 को LPG उपभोक्ताओं के लिए मिस्ड कॉल सुविधा शुरू की।

इण्डियन ऑयल LPG ग्राहक रिफिल बुकिंग के लिए सिंगल मिस्ड कॉल नम्बर 8454955555 का उपयोग कर सकते हैं। यह उपभोक्ता–केन्द्रित पहल LPG रिफिल बुकिंग और नए कनेक्शन पंजीकरण को अधिक सुविधाजनक और मुफ्त बनाएगी।

सबसे ऊँचे मौसम विज्ञान केन्द्र का उद्घाटन

केन्द्रीय मन्त्री डॉ. हर्षवर्धन ने 29 दिसम्बर, 2020 को वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से लद्दाख के लेह में 3500 मी की ऊँचाई पर भारत के सर्वोच्च मौसम विज्ञान केन्द्र का उद्घाटन किया।

यह केन्द्र इस क्षेत्र में स्थानीय मौसम पूर्वानुमान प्रदान करेगा, जिससे क्षेत्र के लिए मौसम सम्बन्धी प्रारम्भिक चेतावनी प्रणाली को मजबूत किया जाएगा। यह मौसम विज्ञान केन्द्र अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में इस तरह की पहली सुविधा के बाद हिमालय क्षेत्र में स्थित दूसरा मौसम विज्ञान केन्द्र है।

'डिजिटल ओशियन' एप्लीकेशन लॉन्च

केन्द्रीय मन्त्री डॉ. हर्षवर्धन ने 29 दिसम्बर, 2020 को **वेब–आधारित अनुप्रयोग** 'डिजिटल ओशियन' का आभासी माध्यम से उद्घाटन किया। 'डिजिटल ओशियन' महासागर डाटा प्रबन्धन के लिए अपनी तरह का पहला डिजिटल प्लेटफॉर्म है।

इसे www.do.incois.gov.in पर देखा जा सकता है। इसे पृथ्वी विज्ञान मनत्रालय के तहत एक स्वायत्त संगठन हैदराबाद स्थित 'इण्डियन नेशनल सेण्टर फॉर ओशन इंफोर्मेशन सर्विसेज (INCOIS)' द्वारा विकसित किया गया है।

कलाम–5 प्रणोदन रॉकेट इंजन का सफलतापूर्वक परीक्षण

भारतीय अन्तरिक्ष स्टार्टअप स्काईरोट एयरोस्पेस ने 28 दिसम्बर, 2020 को कलाम–5 नामक एक ठोस प्रणोदन रॉकेट इंजन का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।

इसके साथ, यह एक पूर्ण ठोस ईंधन वाले रॉकेट चरण का सफलतापूर्वक डिजाइन, विकास और परीक्षण करने वाली भारत की पहली निजी कम्पनी बन गई है। कलाम पाँच ठोस–ईंधन वाले रॉकेट इंजनों की एक शृंखला है, जिसमें 5 kN से 1000 kN (लगभग 100 टन) तक का जोर है।

100वीं किसान रेल की शुरुआत

प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने 28 दिसम्बर, 2020 को वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से महाराष्ट्र के **संगोला** से पश्चिम बंगाल के **शालीमार** तक 100वीं किसान रेल को हरी झण्डी दिखाई।

पहली किसान रेल 7 अगस्त, 2020 को महाराष्ट्र के देवलाली से बिहार के दानापुर के लिए शुरू की गई थी, जिसे मुजफ्फरपुर तक बढ़ा दिया गया था।

भारत की पहली ड्राइवरलेस ट्रेन का उद्घाटन

प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने 28 दिसम्बर, 2020 को दिल्ली मेट्रो की मजेण्टा लाइन पर भारत की पहली पूर्ण रूप से स्वचालित चालक–रहित ट्रेन सेवा का उद्घाटन किया।

यह सेवा दिल्ली मेट्रो की मजेण्टा लाइन पर उपलब्ध होगी, इससे एक हिस्सा, DMRC को NCMC सेवा से जोड़ने के लिए तथा PMRC को दिल्ली मेट्रो की एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर भी प्रधानमन्त्री ने पूरी तरह से परिचालन के लिए **नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड** (NCMC) शुरू किया।

जम्मू–कश्मीर में आयुष्मान भारत PM-JAY SEHAT योजना शुरू

प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने 26 दिसम्बर, 2020 को जम्मू–कश्मीर के सभी निवासियों को स्वास्थ्य बीमा कवरेज का विस्तार करने के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमन्त्री जन आरोग्य योजना सेहत (AB-PMJAY SEHAT) की वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से शुरुआत की।

इस योजना के साथ, सभी 21 लाख परिवारों को सामाजिक–आर्थिक और जाति जनगणना (SECC) 2011 के आधार पर ₹ 5 लाख तक के चिकित्सा व्यय का मुफ्त इलाज का लाभ मिलेगा।

भारत का पहला बाघ आरक्षित हॉट एयर बैलून सफारी लॉन्च

टाइगर रिजर्व में भारत का पहला हॉट एयर बैलून वाइल्डलाइफ सफारी मध्य प्रदेश के बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व में 25 दिसम्बर, 2020 को शुरू किया गया।

बैलून सफारी को जयपुर स्थित स्काई वाल्ट्ज द्वारा संचालित किया जाएगा, जिसे भारत का पहला पूर्ण लाइसेन्स प्राप्त है और सरकार ने वाणिज्यिक हॉट एयर बैलून ऑपरेटर को मंजूरी दी है।

'त्सो कार' बना भारत का 42वाँ रामसर स्थल

भारत ने 24 दिसम्बर, 2020 को लद्दाख में स्थित 'त्सो कार' वेटलैण्ड कॉम्प्लेक्स को अपने 42वें रामसर स्थल के रूप में जोड़ा, जो लद्दाख में दूसरा रामसर स्थल है।

इस वेटलैण्ड कॉम्प्लेक्स में दो आपस में जुड़ी हुई झीलें, मीठे पानी की 'स्टार्टपसुक त्सो' और बड़ी हाइपरसैलाइन 'त्सो कार' शामिल हैं, जो चांगथांग क्षेत्र में स्थित है।

नेहरू जूलॉजिकल पार्क को मिला ISO प्रमाणन

हैदराबाद स्थित नेहरू जूलॉजिकल पार्क भारत में ऐसा पहला पार्क है, जिसे एक्रेडिटेशन सर्विस फॉर सर्टीफाइंग बॉडीज (ASCB), युनाइटेड किंगडम से ISO 9001 : 2015 गुणवत्ता प्रबन्धन मानक प्रमाणन प्राप्त हुआ है। इस चिड़ियाघर का मूल्यांकन स्वच्छता, खाद्य प्रसंस्करण, पशु प्रजनन, चिकित्सा, पशु देखभाल, स्वच्छता रख–रखाव और स्थापना के आधार पर किया गया था।

भारत अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव 2020

नई दिल्ली में 22-25 दिसम्बर, 2020 तक में छठा भारत अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव 2020 आयोजित किया गया। यह महोत्सव भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयन्ती (22 दिसम्बर) से शुरू होकर पूर्व प्रधानमन्त्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयन्ती (25 दिसम्बर) तक चला। इस वर्ष के महोत्सव का केन्द्रीय विषय **आत्मनिर्भर भारत** ओर **वैश्विक कल्याण के लिए विज्ञान** था।

क्लाउड स्टोरेज सेवा DigiBoxx की शुरुआत

नीति आयोग के CEO अमिताभ कान्त ने 23 दिसम्बर, 2020 को स्वदेशी रूप से विकसित भारत का पहला डिजिटल एसेट मैनेजमेण्ट और स्टोरेज प्लेटफॉर्म लॉन्च किया, जिसे 'DigiBoxx' नाम दिया गया है। DigiBoxx व्यक्तिगत उपयोगकर्ताओं के लिए जीमेल एकीकरण और 100GB एकल फाइल आकार, साथ–ही–साथ 500 सहयोगी, फाइल शेयर समाप्ति की तिथि और उद्यमों के लिए अधिक सुविधाएँ प्रदान करता है।

भारत–जापान SAMVAD सम्मेलन 2020 आयोजित

प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने 21 दिसम्बर, 2020 को आयोजित भारत–जापान SAMVAD सम्मेलन के छठे संस्करण को वर्चुअल कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से सम्बोधित किया। सम्मेलन के दौरान, उन्होंने भारत में पारम्परिक बौद्ध साहित्य और शास्त्रों का एक पुस्तकालय बनाने का प्रस्ताव रखा। यह पुस्तकालय दुनिया भर के विभिन्न हिस्सों से बौद्ध साहित्य की डिजिटल प्रतियाँ एकत्र करेगा।

भारत–वियतनाम आभासी शिखर सम्मेलन आयोजित

प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी और वियतनाम के प्रधानमन्त्री **गुयेन जुआन फुक** ने 21 दिसम्बर, 2020 को वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से आयोजित भारत–वियतनाम आभासी शिखर सम्मेलन को संयुक्त रूप से सम्बोधित किया। शिखर सम्मेलन के दौरान, भारत–वियतनाम व्यापक रणनीतिक साझेदारी के भविष्य के विकास को निर्देशित करने के लिए शान्ति, समृद्धि और लोगों के लिए संयुक्त विजन को अपनाया गया।

ISRO संचार उपग्रह CMS-01 लॉन्च

भारत के संचार उपग्रह CMS-01 को **सतीश धवन अन्तरिक्ष केन्द्र (SDSC), SHAR, आन्ध्र प्रदेश** के श्रीहरिकोटा से 17 दिसम्बर, 2020 को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। कोरोनावायरस (COVID-19) के प्रकोप के चलते ISRO द्वारा प्रक्षेपित किया गया यह दूसरा उपग्रह है। CMS-01 भारत का 42वाँ संचार उपग्रह है और इसे भारतीय मुख्य भूमि, अण्डमान–निकोबार और लक्षद्वीप समूह को कवर करने वाले आवृत्ति स्पेक्ट्रम के विस्तारित C–बैण्ड में सेवाएँ प्रदान करने के लिए परिकल्पित किया गया है।

पहली हाइपरसोनिक विण्ड टनल परीक्षण सुविधा का उद्घाटन

रक्षा मन्त्री राजनाथ सिंह ने 19 दिसम्बर, 2020 को हैदराबाद में DRDO की उन्नत हाइपरसोनिक विण्ड टनल (HWT) परीक्षण सुविधा का उद्घाटन किया। अत्याधुनिक HWT टेस्ट सुविधा ने भारत को अमेरिका और रूस के बाद दुनिया का एकमात्र तीसरा देश बना दिया है, जिसके पास आकार और क्षमता में इतनी बड़ी सुविधा है।

प्रधानमन्त्री मोदी ने प्रज्ज्वलित की 'स्वर्णिम विजय मशाल'

प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 16 दिसम्बर, 2020 को भारत–पाकिस्तान युद्ध 1971 में भारत की जीत की 50वीं वर्षगाँठ के अवसर पर दिल्ली के राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में 'स्वर्णिम विजय मशाल' प्रज्ज्वलित की गई।

रक्षा मन्त्री राजनाथ सिंह ने वर्ष 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध की 50वीं वर्षगाँठ पर विजय दिवस को चिह्नित करने के लिए 'स्वर्णिम विजय वर्षा' के लिए लोगो का अनावरण किया।

IPPB द्वारा 'डाकपे' की शुरुआत

इण्डिया पोस्ट पेमेण्ट्स बैंक (IPPB) ने 15 दिसम्बर, 2020 को भारत सरकार के डाक विभाग (DoP) के साथ मिलकर 'डाकपे' (DakPay) नामक एक डिजिटल भुगतान ऐप्लिकेशन लॉन्च किया। यह बायोमीट्रिक्स के माध्यम से कैश लेस पारिस्थितिकी–तन्त्र को सक्षम करने में मदद करेगा, किसी भी बैंक के ग्राहकों को इण्टरऑपरेबल बैंकिंग सेवाएँ और उपयोगिता भुगतान सेवा प्रदान करेगा।

'विजन 2035 : भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य निगरानी' जारी

नीति आयोग ने 14 दिसम्बर, 2020 को विजन 2035 : पब्लिक हेल्थ सर्विलान्स इन इण्डिया' शीर्षक से एक श्वेत-पत्र जारी किया। 'विजन 2035 : पब्लिक हेल्थ सर्विलान्स इन इण्डिया' स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत बनाने के काम की निरन्तरता है।

प्रधानमन्त्री मोदी द्वारा नए संसद भवन का शिलान्यास

प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने 10 दिसम्बर, 2020 को संसद परिसर के संसद मार्ग में नए संसद भवन का शिलान्यास किया। नए भवन में लोकसभा कक्ष में 888 सदस्यों के बैठने की क्षमता होगी, जबकि राज्यसभा में सदस्यों के लिए 384 सीटें होंगी। नया संसद भवन भूकम्प प्रतिरोधी और सबसे आधुनिक डिजिटल तकनीक के अनुकूल होगा। यह ₹971 करोड़ की लागत से 64500 वर्ग मीटर क्षेत्र में बनाया जाएगा।

DRDO की सब-मशीन गन ने पूरे किए उपयोगकर्ता परीक्षण

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) द्वारा डिज़ाइन एक 5.56 × 30 मिमी की सब-मशीन गन ने 10 दिसम्बर, 2020 को रक्षा मन्त्रालय के उपयोगकर्ता परीक्षणों को सफलतापूर्वक पार कर लिया। DRDO द्वारा डिजाइन जॉइण्ट प्रोटेक्टिव वेंचर कार्बाइन (JVPC) एक गैस चालित अर्द्ध स्वचालित हथियार है और इसकी फायर करने की दर 700 राउण्ड प्रति मिनट से अधिक है।

लक्षद्वीप है भारत का पहला 100% जैविक केन्द्रशासित प्रदेश

केन्द्रीय कृषि मन्त्रालय द्वारा लक्षद्वीप को भारत का ऐसा पहला केन्द्रशासित प्रदेश घोषित किया गया, जो 100% जैविक है। लक्षद्वीप में सभी कृषि गतिविधियों को सिन्थेटिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग के बिना किया जाता है। सिक्किम के बाद लक्षद्वीप देश का केवल दूसरा ऐसा राज्य या केन्द्रशासित प्रदेश है, जिसने यह उपलब्धि प्राप्त की है। वर्ष 2016 में **सिक्किम पूरी** तरह से जैविक घोषित होने वाला भारत का पहला राज्य बना था।

PM-WANI योजना को मंजूरी

केन्द्रीय मन्त्रिमण्डल ने 9 दिसम्बर, 2020 को देश भर में फैले आसानी से सुलभ सार्वजनिक वाई-फाई हॉटस्पॉट को सक्षम करने के लिए PM-WANI **(वाई-फाई एक्सेस नेटवर्क इण्टरफेस)** नामक एक सार्वजनिक वाई-फाई एक्सेस नेटवर्क को स्वीकृति प्रदान की। इसके अन्तर्गत पूरे देश में फैले **पब्लिक डाटा ऑफिसेज** (PDOs) के माध्यम से वाई-फाई सेवा प्रदान करने के लिए पब्लिक **डाटा ऑफिस एग्रीगेटर्स** (PDOAs) द्वारा सार्वजनिक नेटवर्क स्थापित किया जाएगा।

वर्ष 2020 में भारत के 10 सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशनों की घोषणा

केन्द्रीय गृह मन्त्रालय द्वारा 3 दिसम्बर, 2020 को वर्ष 2020 के लिए भारत के शीर्ष-10 पुलिस स्टेशनों की सूची जारी की गई। मणिपुर के **नोंगपोक सेमकई** को सबसे अच्छा पुलिस स्टेशन चुना गया है। इसके बाद AWPS-सुरमंगलम (तमिलनाडु) को दूसरा और खरसांग पुलिस स्टेशन (अरुणाचल प्रदेश) को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।

चक्रवाती तूफान 'बुरेवि' से केरल और तमिलनाडु प्रभावित

बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र के ऊपर बने उच्च दबाव से उत्पन्न चक्रवाती तूफान 'बुरेवि' ने 30 नवम्बर से 5 दिसम्बर, 2020 तक अपना प्रभाव दिखाया।
इसने **त्रिंकोमाली** (श्रीलंका), **पम्बन** (तमिलनाडु) और **कन्याकुमारी** (तमिलनाडु) को सर्वाधिक प्रभावित किया। चक्रवाती तूफान 'बुरेवि' का नामकरण **मालदीव्स** द्वारा किया गया था।

IMO मान्यता प्राप्त करने वाला चौथा देश बना भारत

अन्तर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO) द्वारा इण्डियन रीजनल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (IRNSS) को हिन्द महासागर क्षेत्र में संचालन के लिए वर्ल्ड वाइड रेडियो नेविगेशन सिस्टम (WWRNS) को एक भाग के रूप में 22 नवम्बर, 2020 को मान्यता दी गई।
इसके साथ ही भारत दुनिया का एकमात्र चौथा देश बन गया है, जिसके पास IMO द्वारा मान्यता प्राप्त अपनी स्वतन्त्र नेविगेशन उपग्रह प्रणाली है।

भूटान में RuPay कार्ड का दूसरा चरण लॉन्च

भारतीय प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी और भूटान के प्रधानमन्त्री लोटे त्शेरिंग ने 20 नवम्बर, 2020 को आभासी माध्यम से भूटान में RuPay कार्ड चरण-II की शुरुआत की।
RuPay कार्ड के दूसरे चरण के लॉन्च के साथ, भूटानी कार्डधारक भारत में RuPay नेटवर्क तक आसानी से पहुँच सकेंगे। RuPay कार्ड एक भारतीय क्रेडिट और डेबिट कार्ड भुगतान नेटवर्क है, जिसकी PoS डिवाइस, ATM और ई-कॉमर्स वेबसाइटों पर स्वीकृति है।

अरुणाचल प्रदेश में सबसे अच्छा लिंगानुपात

अरुणाचल प्रदेश ने देश में सबसे अच्छा लिंगानुपात दर्ज किया है, जबकि मणिपुर में सबसे खराब लिंगानुपात है। यह निष्कर्ष 'नागरिक पंजीकरण प्रणाली के आधार पर भारत के महत्वपूर्ण आँकड़े' पर आधारित वर्ष 2018 की रिपोर्ट में सामने आया है। अरुणाचल प्रदेश में प्रति हजार पुरुषों पर 1084 महिला जन्म दर्ज हैं, उसके बाद नागालैण्ड (965), मिजोरम (964), केरल (963) और कर्नाटक (957) का स्थान है। मणिपुर (757), लक्षद्वीप (839), दमन और दीव (877), पंजाब (896) और गुजरात (896) में सबसे खराब लिंगानुपात दर्ज किया गया।

JNU में स्वामी विवेकानन्द की मूर्ति का अनावरण

प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने 12 नवम्बर, 2020 को दिल्ली में स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU) के परिसर में स्वामी विवेकानन्द की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। JNU के पूर्व छात्रों के समर्थन से विश्वविद्यालय परिसर में स्वामी विवेकानन्द की यह प्रतिमा स्थापित की गई है। स्वामी विवेकानन्द ने हमेशा भारत के सौहार्द्र, शान्ति, स्वतन्त्रता और विकास के सन्देश के साथ युवाओं को उत्साहित किया।

17वाँ ASEAN-भारत शिखर सम्मेलन आयोजित

प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने अपने वियतनामी समकक्ष गुयेन जुआन फुक के साथ 12 नवम्बर, 2020 को नई दिल्ली में 17वें ASEAN-भारत शिखर सम्मेलन को वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से सम्बोधित किया। शिखर सम्मेलन में COVID-19 महामारी से उत्पन्न आर्थिक उथल–पुथल से उबरने के उपायों और आगे के व्यापक–आधार रणनीतिक सम्बन्धों के तरीके पर ध्यान केन्द्रित किया गया।

सूचना व प्रसारण मन्त्रालय के अधीन ऑनलाइन न्यूज व अन्य OTT प्लेटफॉर्म

भारत सरकार ने ऑनलाइन फिल्मों, ऑडियो विजुअल कार्यक्रमों और ऑनलाइन समाचार और वर्तमान मामलों की सामग्री जैसे वीडियो स्ट्रीमिंग ओवर–द–टॉप (OTT) प्लेटफॉर्मों को सूचना और प्रसारण मन्त्रालय के दायरे में लाने का आदेश जारी किया है। यह आदेश नेटफ्लिक्स, हॉटस्टार, और अमेजॉन प्राइम वीडियो आदि जैसे OTT प्लेटफॉर्मों को प्रभावी रूप से सूचना और प्रसारण मन्त्रालय के तहत लाएगा, जिसकी अध्यक्षता प्रकाश जावड़ेकर करेंगे।

उत्तराखण्ड में भारत का पहला मॉस गार्डन

उत्तराखण्ड के वन विभाग ने नैनीताल जिले के खुरपाताल में भारत का पहला मॉस गार्डन विकसित किया है। यह उद्यान विकसित करने के पीछे मुख्य उद्देश्य काई या हरिता (मॉस) और अन्य ब्रायोफाइट्स की विभिन्न प्रजातियों का संरक्षण करना और पर्यटकों के लिए एक मनोरंजन केन्द्र बनाने के अलावा पर्यावरण में इसके महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करना है।

असम की तेजपुर लीची को मिला GI टैग

असम की तेजपुर लीची को 10 नवम्बर, 2020 को भौगोलिक संकेतक (GI) टैग प्रदान किया गया, जो लाल रंग के साथ अपनी गुणवत्ता, स्वाद, रसदार गूदे के लिए जानी जाती है। GI टैग पाने वाला असम से पहला उत्पाद 'मुगा सिल्क' था।

भारत के सबसे लम्बे मोटरेबल सस्पेन्शन ब्रिज का उद्घाटन

उत्तराखण्ड के मुख्यमन्त्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने 8 नवम्बर, 2020 को उत्तराखण्ड के टिहरी गढ़वाल जिले में भारत के सबसे लम्बे सिंगल–लेन मोटरेबल सस्पेन्शन ब्रिज का उद्घाटन किया। टिहरी झील के ऊपर यह 725 मी लम्बा डोबरा–चांटी निलम्बन पुल प्रतापनगर शहर को जिला मुख्यालय नई टिहरी से जोड़ता है। टिहरी झील के ऊपर 14 वर्षों में पुल का निर्माण ₹ 2.95 करोड़ की लागत के साथ किया गया, और यह टिहरी और प्रतापनगर के बीच यात्रा के समय को 5 घण्टे से घटाकर 1.5 घण्टे करेगा।

जहाजरानी मन्त्रालय का नाम परिवर्तित

प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 8 नवम्बर, 2020 को घोषणा हुई कि केन्द्रीय जहाजरानी मन्त्रालय का नाम बदलकर 'पतन, पोत परिवहन और जलमार्ग मन्त्रालय' किया गया। केन्द्रीय जहाजरानी मन्त्रालय का नाम बदलने का निर्णय बन्दरगाहों को पुनर्जीवित करने और विश्व स्तरीय अन्तर्देशीय जल परिवहन बनाने के मोदी सरकार के प्रयासों का हिस्सा है।

भारत की पहली सौर ऊर्जा संचालित लघु ट्रेन की शुरुआत

केरल के मुख्यमन्त्री पिनाराई विजयन ने 3 नवम्बर, 2020 को तिरुवनन्तपुरम के वेलि टूरिस्ट विलेज में भारत की पहली सौर ऊर्जा चालित लघु ट्रेन का उद्घाटन किया। इस लघु रेल में एक सुरंग, स्टेशन और एक टिकट कार्यालय सहित पूरी तरह से सुसज्जित रेल प्रणाली की सभी विशेषताएँ हैं। इस ट्रेन में तीन बोगियाँ हैं, जो एक बार में लगभग 45 लोगों को समायोजित कर सकती हैं।

राजस्थान में 'स्टैच्यू ऑफ पीस' का अनावरण

प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने 16 नवम्बर, 2020 को जैनाचार्य विजय वल्लभ सूरिश्वर जी महाराज की 151वीं जयन्ती समारोह को चिह्नित करने के लिए राजस्थान में 'स्टैच्यू ऑफ पीस' का अनावरण किया।

12.6 फीट ऊँची 'स्टैच्यू ऑफ पीस' अष्टधातु से बनाई गई है, और प्रमुख घटक के रूप में ताँबा भी शामिल है। विजय वल्लभ सूरिश्वर जी महाराज (वर्ष 1870-1954) ने एक जैन सन्त के रूप में महत्वपूर्ण जीवन व्यतीत किया तथा जीवन भर निःस्वार्थ भाव और समर्पित रूप से भगवान महावीर के सन्देश को फैलाने का कार्य किया।

आत्मनिर्भर भारत अभियान 3.0 की घोषणा

वित्त मन्त्री निर्मला सीतारमण ने 12 नवम्बर, 2020 को COVID-19 महामारी के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए आत्मनिर्भर भारत अभियान 3.0 के तहत नए प्रोत्साहन उपायों की घोषणा की। प्रोत्साहन पैकेज के तहत, वित्त मन्त्री ने 12 बड़ी घोषणाएँ की, साथ ही धन आवण्टित किया। रियल एस्टेट, ग्रामीण रोजगार, COVID-19 वैक्सीन अनुसंधान तथा आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिए ऋण गारण्टी सुनिश्चित की।

रिजर्व बैंक इनोवेशन हब की शुरुआत

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने इन्फोसिस के सह–संस्थापक क्रिस गोपालकृष्णन की अध्यक्षता में वित्तीय क्षेत्र के लिए नवाचार केन्द्र स्थापित किया है।
रिजर्व बैंक इनोवेशन हब (RBIH) का अर्थ है कि वित्तीय क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर और एक ऐसा वातावरण तैयार करके नवाचार को बढ़ावा देना जिससे नवाचार को और बढ़ावा मिलेगा।

लोनार झील व सुर सरोवर 'रामसर साइट' के तहत चयनित

महाराष्ट्र में लोनार झील और आगरा स्थित सुर सरोवर (जिसे केथम झील के नाम से भी जाना जाता है) को 15 नवम्बर, 2020 को मान्यता प्राप्त रामसर स्थलों की सूची में जोड़ दिया गया।
रामसर कन्वेन्शन की सन्धि के तहत अन्तर्राष्ट्रीय महत्व के मान्यता प्राप्त स्थलों की सूची में दो स्थल और जुड़ जाने से भारत में अब 41 आर्द्रभूमियाँ हो गई हैं, जो दक्षिण एशिया में सर्वाधिक हैं।

WHO भारत में स्थापित करेगा पारम्परिक चिकित्सा केन्द्र

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा 13 नवम्बर, 2020 को भारत में पारम्परिक चिकित्सा के लिए एक वैश्विक केन्द्र स्थापित करने की घोषणा की गई।
यह नया केन्द्र WHO की पारम्परिक चिकित्सा रणनीति 2014-23 को लागू करने के WHO के प्रयासों का समर्थन करेगा।
इस रणनीति का लक्ष्य विकासशील देशों में पारम्परिक चिकित्सा की भूमिका को मजबूत करने के लिए नीतियों और कार्य योजनाओं का समर्थन करना है।

सैन्य अभ्यास 2020

सैन्य अभ्यास	तथ्य
सी विजिल 21	भारतीय नौसेना ने 12-13 जनवरी, 2021 से सबसे बड़े द्विवार्षिक अखिल भारतीय तटीय रक्षा अभ्यास 'सी विजिल–21' के दूसरे संस्करण का आयोजन किया। इस अभ्यास का उद्देश्य तटीय रक्षा और समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में भारत की तैयारियों का आकलन करना था।
AMPHEX-21	अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह में 21-25 जनवरी, 2021 तक बड़े पैमाने पर एक त्रिकोणीय सेवा संयुक्त एम्फिबियस अभ्यास AMPHEX-21 आयोजित किया गया। इस अभ्यास में भारतीय सेना, भारतीय नौसेना और साथ ही भारतीय वायु सेना के सैनिकों की भागीदारी थी।
कवच	भारत की एकमात्र संयुक्त सेना कमान 'अण्डमान और निकोबार कमान (ANC)' ने अण्डमान सागर और बंगाल की खाड़ी में बड़े पैमाने पर संयुक्त अभ्यास 'कवच' आयोजित किया। इस अभ्यास में भारतीय सेना, भारतीय नौसेना, भारतीय वायु सेना और भारतीय तटरक्षक बल शामिल हुए।
डेजर्ट नाइट 21	जोधपुर (राजस्थान) में 20-24 जनवरी, 2021 तक भारतीय वायु सेना और फ्रांसीसी वायु और अन्तरिक्ष बल के बीच द्विपक्षीय वायु अभ्यास 'डेजर्ट नाइट 21' आयोजित हुआ। अभ्यास में भारतीय वायु सेना की ओर से राफेल, मिराज 2000, सुखोई–30 MKI सहित अन्य विमानों ने भाग लिया।
PASSEX-2020	भारतीय नौसेना और वियतनामी नौसेना ने दक्षिण चीन सागर में नौसैनिक मार्ग अभ्यास PASSEX को 26-27 दिसम्बर, 2020 तक किया। दोनों देशों के बीच समुद्री सहयोग को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत दो–दिवसीय अभ्यास आयोजित किया गया था।

सैन्य अभ्यास	तथ्य
सुरक्षा कवच	अग्निबाज डिवीजन ने लुलानगर पुणे में भारतीय सेना और महाराष्ट्र पुलिस दोनों के लिए एक संयुक्त आतंकवाद–रोधी अभ्यास **सुरक्षा कवच** का आयोजन किया। इस अभ्यास का उद्देश्य पुणे में किसी भी आतंकवादी कार्यवाही का मुकाबला करने के लिए आतंकवाद विरोधी त्वरित प्रतिक्रिया टीमों (QRT) को सक्रिय करने के लिए सेना और पुलिस दोनों की कवायद और प्रक्रियाओं का सामंजस्य करना था।
SIMBEX-20	भारतीय नौसेना द्वारा भारत–सिंगापुर द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास का 27वाँ संस्करण 'SIMBEX-20' अण्डमान सागर में 23-35 नवम्बर, 2020 तक आयोजित किया गया। भारतीय पक्ष से अभिन्न चेतक हेलिकॉप्टर के साथ विध्वंसक राणा और स्वेदशी रूप से निर्मित कार्वेट कोमार्ता और 'कर्मुक', पनडुब्बी सिन्धुराज और P8I समुद्री टोही विमान ने अभ्यास में भाग लिया।
SITMEX-20	रिपब्लिक ऑफ सिंगापुर नेवी (RSN) द्वारा 21-22 नवम्बर, 2020 तक सिंगापुर, भारत और थाईलैण्ड के त्रिपक्षीय समुद्री अभ्यास SITMEX-20 के दूसरे संस्करण को अण्डमान सागर में आयोजित किया गया। स्वदेशी रूप से निर्मित ASW कार्वेट 'कोमार्ता' और मिसाइल कार्वेट 'कर्मुक' सहित भारतीय नौसेना के जहाजों ने इस अभ्यास में भाग लिया।
SLINEX-20	भारतीय नौसेना (IN) और श्रीलंकाई नौसेना (SLN) के वार्षिक द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास का 8वाँ संस्करण SLINEX-20 **त्रिंकोमाली** (श्रीलंका) में 19-21 अक्टूबर, 2020 के मध्य आयोजित किया गया।
30वाँ भारत–थाईलैण्ड CORPAT	भारत–थाईलैण्ड समन्वित गश्ती दल (इण्डो–थाई कॉर्पेट) का 30वाँ संस्करण भारतीय नौसेना और रॉयल थाई नौसेना के बीच 18-20 नवम्बर, 2020 तक आयोजित किया गया। दोनों नौसेनाएँ द्विपक्षीय सम्बन्धों और समुद्री सहयोग को बढ़ाने के लिए वर्ष 2005 से वर्ष में दो बार अपने अन्तर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा के साथ समन्वित गश्त में भाग ले रही हैं।
मालाबार 2020	उत्तरी अरब सागर में 17-20 नवम्बर, 2020 के मध्य भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान की नौसेनाओं के बीच मालाबार युद्धाभ्यास 2020 के दूसरे चरण का आयोजन किया गया। मालाबार 2020 का पहला चरण 3-6 नवम्बर, 2020 तक बंगाल की खाड़ी में आयोजित किया गया था।
सागर कवच	ओडिशा और पश्चिम बंगाल सरकारों के संयुक्त प्रयास से पारादीप तट पर दो–दिवसीय संयुक्त तटीय सुरक्षा अभ्यास 'सागर कवच' का आयोजन 5-6 नवम्बर, 2020 तक किया गया। भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक, ओडिशा पुलिस, स्थानीय मछुआरे, वन विभाग और बन्दरगाह समुद्री विभाग सहित 10 से अधिक ऐसे विभाग संयुक्त अभ्यास में शामिल हुए।
बुल स्ट्राइक	अण्डमान और निकोबार कमान (ANC) ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण निकोबार समूह के द्वीप समूह के दूर टेरासा द्वीप में एक संयुक्त त्रि–सेवा अभ्यास 'बुल स्ट्राइक' का आयोजन 3-5 नवम्बर, 2020 तक किया।

मिसाइल परीक्षण

मिसाइल	तथ्य
आकाश–NG	रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने 25 जनवरी, 2021 को ओडिशा के तट से दूर एकीकृत परीक्षण रेंज से आकाश–NG (न्यू जनरेशन) मिसाइल का सफल प्रक्षेपण किया। आकाश–NG एक नई पीढ़ी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है।
MRSAM	भारत ने 23 दिसम्बर, 2020 को ओडिशा तट के पास स्थित ITR से मीडियम रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल (MRSAM) का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। MRSAM को संयुक्त रूप से DRDO द्वारा इजरायल एयरो स्पेस इण्डस्ट्रीज के सहयोग से विकसित किया गया है और 'भारत डायनेमिक्स लिमिटेड' द्वारा निर्मित किया गया है।
ATAGS होवित्जर	भारत ने 19 दिसम्बर, 2020 को ओडिशा के बालासोर फायरिंग रेन्ज में सटीक और सफलतापूर्वक लक्ष्य ट्रैक करने वाले ATAGS होवित्जर तोप का सफल परीक्षण किया। एडवान्स टॉवर आर्टिलरी गन सिस्टम (ATAGS) होवित्जर को DRDO द्वारा विकसित तथा दो फर्मों (भारत फोर्ज और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड) द्वारा निर्मित किया गया है।

मिसाइल	तथ्य
पृथ्वी–2	भारत ने 17 दिसम्बर, 2020 को बालासोर में ओडिशा के पूर्वी तट से दो पृथ्वी–2 बैलिस्टिक मिसाइलों का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। ये सामरिक परमाणु सक्षम हथियार DRDO द्वारा विकसित किए गए हैं और 350 किमी तक की दूरी के लक्ष्य पर हमला कर सकते हैं।
QRSAM	ओडिशा के तट से दूर इण्टीग्रेटेड टेस्ट रेंज, चाँदीपुर से 17 नवम्बर, 2020 को क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल सिस्टम (QRSAM) का दूसरा उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक किया गया।
पिनाका Mk-1	DRDO ने 4 नवम्बर, 2020 को ओडिशा तट के निकट स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज, चाँदीपुर से पिनाका Mk-1 मिसाइल के संवर्धित संस्करण का सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया। पिनाका Mk-1 मिसाइल की सीमा 40 किमी थी, जबकि इसका नया संस्करण 45-60 किमी दूर तक लक्ष्य को भेद सकता है।
नाग एण्टी टैंक गाइडेड मिसाइल	भारत ने राजस्थान में पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में एक वारहेड के साथ **DRDO** द्वारा विकसित नाग एण्टी टैंक गाइडेड मिसाइल के अन्तिम परीक्षण को सफलतापूर्वक पूरा किया। नाग मिसाइल एक तीसरी पीढ़ी की एण्टी–टैंक गाइडेड मिसाइल है।

अन्तर्राष्ट्रीय

इटली के प्रधानमन्त्री ग्यूसेप कॉण्टे का त्याग–पत्र

इटली के प्रधानमन्त्री ग्यूसेप कॉण्टे ने कोरोनावायरस महामारी से निपटने के उनके कार्य की व्यापक आलोचना के बाद 26 जनवरी, 2021 को त्याग–पत्र दे दिया। उन्होंने 20 जनवरी, 2021 को संसद के निचले सदन में दो विश्वास मतों में से पहला 321 मतों से जीता। COVID-19 से सर्वाधिक प्रभावित यूरोपीय देशों में से एक इटली में अब तक कुल 2475372 कोरोनावायरस मामले दर्ज किए जा चुके हैं और 85881 मौतें हो चुकी हैं।

जो बाइडेन ने हटाया ट्रांसजेण्डर सैन्य प्रतिबन्ध

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा 25 जनवरी, 2021 को डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा सेना में शामिल होने वाले ट्रांसजेण्डर अमेरिकियों पर लगाए गए प्रतिबन्ध को निरस्त कर दिया गया। नया आदेश किसी भी सेवा सदस्य को लिंग पहचान के आधार पर तुरन्त सेना से बाहर होने से रोकता है। वर्ष 2016 में पूर्व डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति बराक ओबामा ने ट्रांसजेण्डर के लिए खुले तौर पर लोगों की सेवा करने और चिकित्सा देखभाल प्राप्त करने की अनुमति दी थी।

संयुक्त राष्ट्र ओजोन सचिवालय द्वारा 'रीसेट अर्थ' लॉन्च

संयुक्त राष्ट्र ने 24 जनवरी, 2021 को विश्व शिक्षा दिवस के हिस्से के रूप में एक नया मोबाइल गेम और मूल एनीमेशन फिल्म 'रीसेट अर्थ' को लॉन्च किया। 'रीसेट अर्थ' किशोरों की पृथ्वी की रक्षा में ओजोन परत की मौलिक भूमिका के बारे में एक अभिनव शैक्षिक मंच है।

स्पेसएक्स ने एक ही मिशन में लॉन्च किए 143 उपग्रह

स्पेसएक्स ने 24 जनवरी, 2021 को 143 छोटे उपग्रहों को ले जाने वाले ट्रांसपोर्टर–1 नामक अपने महत्वाकांक्षी राइडशेयर मिशन को सफलतापूर्वक लॉन्च किया और एक ही रॉकेट से कई उपग्रहों को लॉन्च करने का नया रिकॉर्ड बनाया।

इस प्रक्षेपण के साथ स्पेसएक्स ने फरवरी, 2017 में ISRO द्वारा एक ही मिशन में PSLV द्वारा 104 उपग्रहों को लॉन्च करने का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

परमाणु हथियारों पर प्रतिबन्ध लगाने वाली प्रथम सन्धि लागू

परमाणु हथियारों के निषेध पर अपनी तरह की पहली सन्धि 22 जनवरी, 2021 को लागू हुई। यह सन्धि परमाणु हथियारों या परमाणु विस्फोटक उपकरणों के किसी भी हस्तान्तरण या उपयोग पर प्रतिबन्ध लगाती है और ऐसे हथियारों का उपयोग करने के प्रति सचेत करती है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा धार्मिक स्थलों की सुरक्षा पर वैश्विक सम्मेलन को मंजूरी

संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) ने 21 जनवरी, 2021 को धार्मिक स्थलों के नुकसान और विनाश की निन्दा करने वाले एक प्रस्ताव को अंगीकृत किया।

इस प्रस्ताव में महासचिव से धार्मिक विरासत की सुरक्षा हेतु सार्वजनिक समर्थन के लिए एक वैश्विक सम्मेलन बुलाने के लिए कहा गया है।

यह संकल्प धार्मिक स्थलों और आतंकवादी हमलों और धार्मिक हमलों सहित धार्मिक वस्तुओं सहित सांस्कृतिक सम्पत्ति के बढ़ते लक्ष्य की निन्दा करता है।

मिस्र और कतर राजनयिक सम्बन्ध शुरू करने पर सहमत

मिस्र के अरब गणराज्य और कतर ने 20 जनवरी, 2021 को राजनयिक सम्बन्धों को फिर से शुरू करने के लिए दो आधिकारिक ज्ञापनों का आदान–प्रदान किया। इसके साथ ही, मिस्र दोहा के साथ लम्बे समय से चल रहे विवाद को समाप्त करने के लिए एक अरब सौदे के तहत आधिकारिक तौर पर सम्बन्धों को फिर से शुरू करने वाला पहला देश बन गया है।

WEF ग्लोबल रिस्क रिपोर्ट 2021 जारी

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) द्वारा 18 जनवरी, 2021 को ग्लोबल रिस्क रिपोर्ट के 16वें संस्करण का विमोचन किया गया। यह रिपोर्ट विश्व आर्थिक मंच के 650 से अधिक सदस्यों द्वारा किए गए वैश्विक जोखिम धारणा सर्वेक्षण के आधार पर जारी की गई। प्रभाव के आधार पर 'जलवायु कार्रवाई विफलताएँ', 'संक्रामक रोग' और 'सामूहिक विनाश के हथियार' शीर्ष–तीन जोखिम हैं।

फिलिस्तीन में 15 वर्ष में पहली बार चुनाव की घोषणा

फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने 15 से अधिक वर्षों में पहले फिलिस्तीनी चुनावों की तिथियों की घोषणा की। यहाँ 22 मई, 2021 को विधायी चुनाव और 31 जुलाई, 2021 को राष्ट्रपति पद के लिए मतदान होगा। मुख्यधारा फिलिस्तीनी पार्टी 'फतह' के नेता 85 वर्षीय महमूद अब्बास वर्ष 2005 में अपने पूर्ववर्ती यासिर अराफात की मृत्यु के बाद राष्ट्रपति निर्वाचित हुए थे।

19वाँ ढाका अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव आयोजित

19वें ढाका अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (DIFF) का आयोजन 16-24 जनवरी, 2021 तक किया गया, जिसमें 73 देशों की 226 फिल्में प्रदर्शित की गईं। महोत्सव में बकित मुकुल और दस्तान झापर द्वारा संयुक्त रूप से निर्देशित किर्गिस्तान की फिल्म 'द रोड टू ईडन' ने 'सर्वश्रेष्ठ फिल्म' का पुरस्कार जीता। मसूद हसन उज्जल ने अपनी फिल्म 'उनपोंचाश बाताश' के लिए बांग्लादेश पैनोरमा खण्ड में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार जीता। DIFF 2021 बंगबन्धु शेख मुजीबुर्रहमान के शताब्दी वर्ष के लिए समर्पित था।

डच सरकार ने दिया बाल लाभ घोटाले पर त्याग–पत्र

नीदरलैण्ड्स के प्रधानमन्त्री मार्क रूट और चार–पक्षीय गठबन्धन सरकार ने 15 जनवरी, 2021 को एक बाल लाभ घोटाले मामले पर त्याग–पत्र दे दिया। डच सरकार ने धोखाधड़ी के हजारों माता–पिता पर बाल भत्ते का दावा करने का झूठा आरोप लगाया। उनमें से कई को हजारों यूरो में कुल धनराशि चुकाने के लिए मजबूर किया गया था, जिससे उन्हें धन की भारी हानि हुई थी।

डोनाल्ड ट्रम्प दो बार महाभियोग का सामना करने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिकी इतिहास में ऐसे पहले राष्ट्रपति बने हैं, जिन पर दो बार महाभियोग चलाया गया, क्योंकि डेमोक्रेटिक–नियन्त्रित प्रतिनिधि सभा ने औपचारिक रूप से 13 जनवरी, 2021 को उन पर 'विद्रोह के लिए उकसाने' का आरोप लगाया। ट्रम्प के विरुद्ध 232-197 से पारित महाभियोग के लिए दस रिपब्लिकन डेमोक्रेट्स में शामिल हुए।

सऊदी अरब में बिना कारों और सड़कों वाले शहर की लॉन्चिंग

सऊदी अरब के क्राउन प्रिन्स मोहम्मद बिन सलमान ने 11 जनवरी, 2021 को अपनी नवीनतम दृष्टि 'ए सिटी विद नो कार्स, रोड्स ऑर कार्बन एमिशन्स' का अनावरण किया। 'The Line' नामक 170 किमी लम्बे ये निर्माण कार्य NEOM नामक $ 500 बिलियन की परियोजना का हिस्सा होंगे और इसका निर्माण वर्ष 2021 की पहली तिमाही में शुरू करने की योजना है। NEOM परियोजना की घोषणा वर्ष 2017 में की थी।

ग्लोबल क्लाइमेट रिस्क इण्डेक्स 2021 जारी

बॉन–आधारित पर्यावरण थिंक टैंक 'जर्मनवॉच' ने ग्लोबल क्लाइमेट रिस्क इण्डेक्स का 16वाँ संस्करण जारी किया। इसके अनुसार, वर्ष 2019 में मोजाम्बिक, जिम्बाब्वे और बहामास क्रमशः शीर्ष–तीन सबसे प्रभावित देश थे। वर्ष 2019 में जलवायु परिवर्तन के मामले में भारत को सातवाँ स्थान दिया गया।

अमेरिका में कोरोनावायरस राहत पैकेज बिल पर हस्ताक्षर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 27 दिसम्बर, 2020 को महामारी सहायता में **$ 900 बिलियन** प्रदान करने के लिए हस्ताक्षर किए। उन्होंने लम्बे समय से विलम्बित कोरोनावायरस राहत प्रदान करने और संघीय सरकार को निधि देने के लिए वर्ष के अन्त के बिल के लिए बड़े पैमाने पर $ 2.3 ट्रिलियन पैकेज के हिस्से के रूप में अधिनियम पर हस्ताक्षर किए।

म्यांमार नेवी में 'INS सिन्धुवीर' को मिला कमीशन

म्यांमार नौसेना द्वारा आधिकारिक तौर पर पनडुब्बी INS सिन्धुवीर को शामिल किया गया है, जिसे अक्टूबर, 2020 में भारतीय नौसेना द्वारा म्यांमार को सौंप दिया गया था।

डीजल–इलेक्ट्रिक Kilo क्लास की पनडुब्बी INS सिन्धुवीर, जिसे **UMS मिनिए थेन्काथु** नाम दिया गया है, यह वर्ष 1988 से भारतीय नौसेना में शामिल थी।

यूरोपीय संघ और ब्रिटेन का पोस्ट–ब्रेक्जिट ट्रेड समझौता

यूरोपीय संघ और युनाइटेड किंगडम ने 24 दिसम्बर, 2020 को भविष्य के व्यापार नियमों पर बातचीत के बाद पोस्ट–ब्रेक्जिट ट्रेड समझौता किया। यह समझौता सुनिश्चित करेगा कि ब्रिटेन और 27 देशों के ब्लॉक 1 जनवरी, 2021 को यूरोपीय संघ से पूरी तरह से मुक्त होने के बाद टैरिफ या कोटा के बिना माल का व्यापार जारी रख सकते हैं।

रूस में पूर्व राष्ट्रपतियों को आजीवन प्रतिरक्षा देने वाले बिल पर हस्ताक्षर

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 22 दिसम्बर, 2020 को पद छोड़ने के बाद पूर्व राष्ट्रपतियों को आजीवन प्रतिरक्षा प्रदान करने वाले कानून पर हस्ताक्षर किए। यह बिल पूर्व अध्यक्षों और उनके परिवारों की उनके जीवनकाल के दौरान किए गए अपराधों के लिए अभियोजन पक्ष से प्रतिरक्षा प्रदान करता है।

चीन द्वारा पहला लॉन्ग मार्च–8 रॉकेट लॉन्च

चीन ने 20 दिसम्बर, 2020 को हैनान द्वीप के वेचांग उपग्रह प्रक्षेपण केन्द्र से नए लॉन्ग मार्च–8 मध्यम–लिफ्ट रॉकेट का सफलतापूर्वक पहला प्रक्षेपण किया। लॉन्ग मार्च–8 रॉकेट को अन्तर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक अन्तरिक्ष प्रक्षेपण बाजार के लिए डिजाइन किया गया है और उम्मीद की जा रही है कि यह कम क्षमता वाले और मध्यम–कक्षा के उपग्रहों को सूर्य–तुल्यकालिक कक्षा (SSO) और नियोसिंक्रोनस अन्तरण कक्षाओं के लिए एक अन्तराल भर देगा।

ह्यूमन फ्रीडम इण्डेक्स 2020 जारी

अमेरिकी थिंक टैंक **कैटो इंस्टीट्यूट** और कनाडा के **फ्रेजर इंस्टीट्यूट** द्वारा 18 दिसम्बर, 2020 को विश्व भर में नागरिक, आर्थिक और व्यक्तिगत स्वतन्त्रता की रैंकिंग को मानव स्वतन्त्रता सूचकांक 2020 के रूप में प्रकाशित किया गया। 162 देशों की इस सूची में **भारत** 6.43 के स्कोर के साथ **111वें स्थान पर** रहा।

अमेरिकी स्पेस फोर्स के सदस्यों को मिला नया नाम

अमेरिकी उप–राष्ट्रपति माइक पेन्स ने 18 दिसम्बर, 2020 को घोषणा की कि US स्पेस फोर्स के सदस्यों को अब से **'गार्जियन्स'** (Guardians) कहा जाएगा। 'गार्जियन्स' एक नाम है, जिसका अन्तरिक्ष संचालन में एक लम्बा इतिहास है, जो वर्ष 1983 में वायु सेना अन्तरिक्ष कमान के मूल कमाण्ड आदर्श वाक्य 'गार्जियन्स ऑफ द हाई फ्रण्टियर' को दर्शाता है।

स्पेन में इच्छामृत्यु की अनुमति देने को मंजूरी

स्पेन की संसद ने 17 दिसम्बर, 2020 को एक विधेयक को मंजूरी दी जो कड़े शर्तों के तहत इच्छामृत्यु की अनुमति देगा। समाजवादी प्रधानमन्त्री पेड्रो सांचेज की अल्पसंख्यक सरकार द्वारा पेश किया गया विधेयक, 198 मतों के पक्ष में और 138 के विरुद्ध पारित हुआ।

सिंगापुर की 'हॉकर' संस्कृति को मिली UNESCO की मान्यता

संयुक्त राष्ट्र एजेन्सी UNESCO द्वारा सिंगापुर में स्ट्रीट फूड की हॉकर संस्कृति को 16 दिसम्बर, 2020 को अपनी प्रतिष्ठित 'मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची' में शामिल किया गया। हॉकर संस्कृति एक बहुसांस्कृतिक शहरी वातावरण में सड़क पर भोजन और पाक प्रथाओं की लोकप्रिय सिंगापुर शैली है।

मानव विकास सूचकांक 2020 जारी

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा 15 दिसम्बर, 2020 को मानव विकास रिपोर्ट 2020 जारी की गई, जिसमें वर्ष 2019 में एकत्र आँकड़ों के आधार पर HDI मूल्यों की गणना की गई है।

रिपोर्ट के तहत जारी मानव विकास सूचकांक 2020 में **नॉर्वे** सबसे ऊपर है 189 देशों के इस सूचकांक में भारत पिछले वर्ष के प्रदर्शन 129वीं रैंक से **131वें स्थान पर** गिर गया है।

फॉर्ब्स द सेलेब्रिटी 100 लिस्ट 2020 जारी

'फॉर्ब्स' द्वारा 15 दिसम्बर, 2020 को वर्ष 2020 में सर्वोच्च कमाई करने वाले 100 सेलिब्रिटीज की सूची को 'द सेलेब्रिटी 100' शीर्षक से जारी किया गया। इसमें **काइली जेनर** को $ 590 मिलियन के साथ सबसे अधिक कमाई करने वाली सेलेब्रिटी का ताज पहनाया गया।

रोजर फेडरर सबसे अधिक कमाई करने वाले एथलीट हैं, जो कमाई में $ 106.3 मिलियन के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि फुटबॉल सुपरस्टार **क्रिस्टियानो रोनाल्डो** $ 105 मिलियन के साथ चौथे स्थान पर हैं।

ग्लोबल टेररिज्म इण्डेक्स 2020 जारी

इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एण्ड पीस (IEP) ने देशों पर आतंकवाद के प्रभाव को मापने के लिए वैश्विक आतंकवाद सूचकांक 2020 जारी किया। 163 देशों के इस सूचकांक में अफगानिस्तान 9.592 के स्कोर के साथ सबसे अधिक आतंक प्रभावित देश के रूप में सबसे ऊपर है। इसके बाद इराक (8.682) और नाइजीरिया (8.314) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

इजरायल के भूटान के साथ राजनयिक सम्बन्ध स्थापित

इजरायल ने 11 दिसम्बर, 2020 को दोनों राष्ट्रों के बीच सम्बन्धों को मजबूत करने और अधिक-से-अधिक भविष्य के सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भूटान साम्राज्य के साथ राजनयिक सम्बन्ध स्थापित किए। राजनयिक सम्बन्धों की स्थापना पर **नोट वर्बेल** (Note Verbale) का आदान-प्रदान भारत के भूटान के राजदूत मेजर जनरल वत्सोप नामग्याल और भारत में इजराइल के राजदूत डॉ. रॉन मलका के बीच हुआ।

ईरान और अफगानिस्तान ने खोला पहला रेल मार्ग

ईरान और अफगानिस्तान के नेताओं ने 10 दिसम्बर, 2020 को दोनों देशों के बीच पूरे क्षेत्र में व्यापार सम्पर्क बढ़ाने के लिए पहले रेलवे लिंक का उद्घाटन किया। $ 75 मिलियन की परियोजना वर्ष 2007 में शुरू हुई, जिसमें ईरान ने अफगानिस्तान को अपनी विकास सहायता के रूप में सीमा के दोनों ओर निर्माण का वित्तपोषण किया।

चन्द्रमा पर झण्डा फहराने वाला दूसरा राष्ट्र बना चीन

चीन चन्द्रमा की सतह पर 4 दिसम्बर, 2020 को अपना राष्ट्रीय ध्वज फहराने वाला विश्व का दूसरा देश बना गया। चीन ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि तब हासिल की, जब चीन के स्पेसक्राफ्ट चांग-5, जिसे 24 नवम्बर, 2020 को लॉन्च किया गया था जिसने चन्द्र सतह की मिट्टी और रॉक के नमूने एकत्र करने के लिए, राष्ट्रीय ध्वज लगाने के बाद पृथ्वी पर लौटने के लिए चन्द्रमा से उड़ान भरी।

पाकिस्तान में खोजा गया 1300 वर्ष प्राचीन हिन्दू मन्दिर

पाकिस्तानी और इतालवी पुरातात्विक विशेषज्ञों द्वारा 20 नवम्बर, 2020 को उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के स्वाहिली जिले के एक पहाड़ पर भगवान विष्णु के 1300 वर्ष पुराने हिन्दू मन्दिर की खोज की गई है। यह मन्दिर हिन्दू शाही काल के दौरान हिन्दुओं द्वारा बनाया गया था, जो काबुल घाटी (पूर्वी अफगानिस्तान), गांधार (आधुनिक-पाकिस्तान- अफगानिस्तान) और वर्तमान में उत्तर-पश्चिमी भारत पर शासन करते थे।

विश्व के सबसे बड़ा व्यापारिक ब्लॉक का गठन

37वें ASEAN शिखर सम्मेलन के अवसर पर 15 नवम्बर, 2020 को एशिया-प्रशान्त के 15 देशों ने चीन के नेतृत्व में दुनिया के सबसे बड़े मुक्त व्यापार ब्लॉक अर्थात् RCEP का गठन किया। क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (RCEP) जिसमें चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, न्यूजीलैण्ड और ऑस्ट्रेलिया के साथ 10 दक्षिण पूर्व एशियाई अर्थव्यवस्थाएँ शामिल हैं।

12वाँ BRICS शिखर सम्मेलन आयोजित

प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने 17 नवम्बर, 2020 को 12वें ब्राजील-रूस-भारत-चीन-दक्षिण अफ्रीका (BRICS) शिखर सम्मेलन को सम्बोधित किया, जो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की अध्यक्षता में आयोजित किया गया था।

BRICS शिखर सम्मेलन के 12वें संस्करण का विषय वैश्विक स्थिरता, साझा सुरक्षा और अभिनव विकास था। भारत वर्ष 2021 में BRICS की अध्यक्षता प्राप्त करेगा, और वर्ष 2021 में 13वें BRICS शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

आर्मेनिया, अजरबैजान और रूस ने किए नागोर्नो-काराबाख शान्ति समझौते पर हस्ताक्षर

आर्मेनिया, अजरबैजान और रूस ने 10 नवम्बर, 2020 को नागोर्नो-काराबाख के विवादित एन्क्लेव पर सैन्य संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य वाले इस करार पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव और आर्मेनियाई प्रधानमन्त्री निकोल पाशिन्यान द्वारा हस्ताक्षर किए गए।

US सरकार द्वारा COVID-19 हेतु टास्क फोर्स की घोषणा

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडेन ने COVID-19 बीमारी के लिए एक ब्लूप्रिण्ट तैयार करने के लिए 12 सदस्यीय COVID-19 टास्क फोर्स का गठन किया है, जिसने लाखों लोगों को संक्रमित किया है और अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुँचाया है।

इस टास्क फोर्स का नेतृत्व तीन सह-अध्यक्षों द्वारा किया जाएगा, जिसमें पूर्व सर्जन जनरल विवेक मूर्ति, पूर्व खाद्य एवं औषधि प्रशासन आयुक्त डेविड केसलर और मार्केल नुनेज-स्मिथ शामिल हैं, जो येल विश्वविद्यालय में सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रोफेसर हैं।

UNGA ने अपनाए परमाणु निरस्त्रीकरण पर दो भारत-प्रायोजित प्रस्ताव

संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) की फर्स्ट कमेटी ने परमाणु निरस्त्रीकरण पर भारत द्वारा प्रायोजित दो प्रस्तावों को अपनाया है, जिसका उद्देश्य परमाणु दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करना और परमाणु हथियारों के उपयोग को रोकना है। जिन दो प्रस्तावों को अपनाया गया है उनमें 'कन्वेन्शन ऑन द प्रोहिबिशन ऑफ द यूज ऑफ न्यूक्लियर वेपन्स' और 'रिड्यूसिंग न्यूक्लियर डेंजर अण्डर द न्यूक्लियर वेपन्स क्लस्टर' शामिल हैं।

वर्जिन हाइपरलूप का पहला मानव परीक्षण

वर्जिन हाइपरलूप ने 9 नवम्बर, 2020 को अमेरिका में देव लूप परीक्षण सुविधा में हाइपरलूप पॉड में पहली बार सफलतापूर्वक मानव परीक्षण पूरा किया।

यह परीक्षण वर्जिन हाइपरलूप के पॉवर इलेक्ट्रॉनिक्स विशेषज्ञ और पुणे के मूल निवासी तनय मंजरेकर के साथ किया गया था। हाइपरलूप को उच्च गति वाली ट्रेन के साथ परिवहन का 5वाँ मोड माना जाता है, जो नियर-वैक्यूम ट्यूब में यात्रा करता है।

पोलियो के खिलाफ आपातकालीन उपयोग प्रथम वैक्सीन को मंजूरी

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने 13 नवम्बर, 2020 को पहली बार पोलियो के प्रकोप के खिलाफ आपातकालीन उपयोग के लिए एक नया पोलियो वैक्सीन सूचीबद्ध किया। इण्डोनेशिया की Bio Farma PT द्वारा निर्मित nOPV2 वैक्सीन, कई अफ्रीकी और पूर्वी भू-मध्य देशों में वैक्सीन-व्युत्पन्न पोलियो के बढ़ते मामलों को सम्बोधित करने के लिए उपयोग किया जाएगा।

चीन का सबसे महत्वाकांक्षी चन्द्रमा मिशन लॉन्च

चीन ने 23 नवम्बर, 2020 को चन्द्रमा के लिए अपना अब तक का सबसे महत्वाकांक्षी मिशन सफलतापूर्वक लॉन्च किया। इसे वर्ष के अन्त से पहले मुट्ठी भर चन्द्रमा चट्टानों को पृथ्वी पर लाने के लिए डिजाइन किया गया है। Chang'e 5 नामक यह मिशन, चीन की चन्द्रमा मिशनों की एक लम्बी पंक्ति में नवीनतम है, जिसे चीन पिछले एक दशक से चला रहा है।

NASA और नोकिया चन्द्रमा पर स्थापित करेंगे पहला 4G नेटवर्क

नेशनल एयरोनॉटिक्स एण्ड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (NASA) ने नोकिया को वर्ष 2022 के अन्त में चन्द्रमा पर **NASA के अन्तरिक्ष यात्रियों द्वारा प्रयोग किया जाने वाला पहला 4G नेटवर्क स्थापित** करने के लिए चयनित किया है। यह **$ 14.1 मिलियन का अनुबन्ध**, जो नोकिया की अमेरिकी सहायक कम्पनी को दिया गया है, NASA के **आर्टेमिस** (Artemis) कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य वर्ष 2024 तक पहली महिला और अगले आदमी को चन्द्रमा पर भेजना है।

नवनिर्वाचित राष्ट्राध्यक्ष

नाम	पद (देश)	तथ्य
काजा कालास बर्नी	प्रधानमन्त्री (एस्टोनिया)	रिफॉर्म पार्टी (रीन्यू यूरोप) की काजा कालास 24 जनवरी, 2021 को एस्टोनिया की पहली महिला प्रधानमन्त्री बन गईं। नई गठबन्धन सरकार का गठन एस्टोनिया के पूर्व प्रधानमन्त्री जूरी रातास और उनके मन्त्रिमण्डल द्वारा 13 जनवरी को एक प्रमुख पार्टी अधिकारी को शामिल भ्रष्टाचार घोटाले के मद्देनजर त्याग-पत्र देने के बाद किया गया।
मार्सेलो रेबेलो डी सूसा	राष्ट्रपति (पुर्तगाल)	पुर्तगाल के निवर्तमान राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डी सूसा ने 24 जनवरी, 2021 को पुर्तगाली राष्ट्रपति चुनाव 2021 में एकतरफा जीत दर्ज करने के बाद दूसरा पाँच वर्ष का कार्यकाल जीत लिया।
जो बाइडेन	राष्ट्रपति (USA)	जोसेफ रॉबिनेट बाइडेन जूनियर को 20 जनवरी, 2021 को संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) के 46वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ दिलाई गई। इसके अलावा, कमला हैरिस ने देश की 49वीं उप-राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली, और संयुक्त राज्य अमेरिका के इतिहास में यह पद सम्भालने वाली पहली महिला बन गईं।
योवेरी मुसेवेनी	राष्ट्रपति (युगाण्डा)	युगाण्डा के वर्तमान राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी को 16 जनवरी, 2021 को देश के राष्ट्रपति चुनाव 2021 के विजेता के रूप में घोषित किया गया। 76 वर्षीय योवेरी मुसेवेनी वर्ष 1986 से युगाण्डा गणराज्य के राष्ट्रपति के रूप में सेवारत हैं और अफ्रीका के सबसे लम्बे समय तक सेवा करने वाले राष्ट्रपति में से एक हैं।
सादिर जापारोव	राष्ट्रपति (किर्गिस्तान)	राष्ट्रवादी सादिर जापारोव ने 10 जनवरी, 2021 को किर्गिस्तान के राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल की। अक्टूबर, 2020 की राजनीतिक अशान्ति के बाद इस मध्य एशियाई राष्ट्र में यह पहला चुनाव आयोजित किया गया था। जापारोव ने 80% के करीब वोटों के साथ जीत हासिल की, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वन्द्वी अदखान मदुमारोव को 7% से कम वोट मिले थे।
फॉस्टिन टूएडेरा	राष्ट्रपति (सेण्ट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक)	फॉस्टिन-अरचांगे टूएडेरा को 4 जनवरी, 2021 को 53% से अधिक मतों के साथ फिर से सेण्ट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक के राष्ट्रपति के रूप में चुना गया। 63-वर्षीय राष्ट्रपति टूएडेरा वर्ष 2016 से सेण्ट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक की सत्ता में हैं। उन्होंने वर्ष 2008 से 2013 तक देश के प्रधानमन्त्री के रूप में भी कार्य किया है।

नाम	पद (देश)	तथ्य
नाना अफुको-एडो	राष्ट्रपति (घाना)	घाना के निवर्तमान राष्ट्रपति नाना अकुफो-एडो को 10 दिसम्बर, 2020 को देश के राष्ट्रपति चुनाव 2020 का विजेता घोषित किया गया। उन्होंने पहले वर्ष 2001 से 2003 तक अटॉर्नी जनरल के रूप में कार्य किया।
फ्रांसिस्को सगस्ती	राष्ट्रपति (पेरू)	पेरू में एक सप्ताह में दो राष्ट्रपतियों के जाने के बाद कानूनविद् फ्रांसिस्को सगस्ती ने 18 नवम्बर, 2020 को अन्तरिम राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। फ्रांसिस्को सगस्ती ने काँग्रेस के पूर्व अध्यक्ष मैनुएल मेरिनो से पदभार सम्भाला है, जो विज्कारा के महाभियोग के बाद अन्तरिम राष्ट्रपति बने थे।
माइया सैण्डू	राष्ट्रपति (मोल्दोवा)	विश्व बैंक की पूर्व अर्थशास्त्री माइया सैण्डू ने 17 नवम्बर, 2020 को मोल्दोवा के राष्ट्रपति चुनाव 2020 में जीत हासिल की। वह मोल्दोवा के राष्ट्रपति के रूप में चुनी जाने वाली पहली महिला हैं।
अलसेन औतारा	राष्ट्रपति (आइवरी कोस्ट)	आइवरी कोस्ट के वर्तमान राष्ट्रपति अलसेन औतारा ने राष्ट्रपति चुनाव में एकतरफा जीत के साथ तीसरा कार्यकाल जीत लिया है। 78 वर्षीय औतारा को पहली बार वर्ष 2010 में राष्ट्रपति के रूप में शपथ दिलाई गई और फिर वर्ष 2015 में फिर से निर्वाचित किया गया।

खेल परिदृश्य

क्रिकेट

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2020-21

भारत ने 19 जनवरी, 2021 को गाबा (ब्रिस्बेन) में चौथे और अन्तिम क्रिकेट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया को 3 विकेट से हराकर इतिहास रच दिया और बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पर अपना कब्जा बरकरार रखा।

भारत ने 328 रन के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया और चार मैचों की शृंखला को 2-1 से जीत लिया। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जाने वाली टेस्ट क्रिकेट शृंखला के विजेता को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी प्रदान की जाती है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया T20 सीरीज 2020

भारत और ऑस्ट्रेलिया के तीन T20 इण्टरनेशनल मैचों की शृंखला खेली गई। इसे **भारत** ने 2-1 से जीत लिया। आस्ट्रेलिया ने तीसरा और अन्तिम मैच 12 रन से जीता। 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का खिताब **हार्दिक पाण्ड्या** को मिला।

भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज 2020

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की सीरीज को **ऑस्ट्रेलिया** ने 2 दिसम्बर, 2020 को 2-1 से जीत लिया।

भारत ने वर्ष के अपने आखिरी वनडे मैच में 50 ओवर में 5 विकेट पर 302 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने के बाद ऑस्ट्रेलिया को 49.3 ओवर में 289 रन पर रोक लिया।

इंग्लैण्ड-दक्षिण अफ्रीका T20 सीरीज 2020

विश्व के नम्बर-1 बल्लेबाज डेविड मलान की नाबाद 99 रन की जबरदस्त पारी की बदौलत **इंग्लैण्ड** ने दक्षिण अफ्रीका को 2 दिसम्बर, 2020 को एकतरफा अन्दाज में तीसरे T20 मुकाबले में 9 विकेट से हराकर 3 मैचों की सीरीज को 3-0 से क्लीन स्वीप कर दिया।

वुमेन्स T20 चैलेन्ज 2020

शारजाह (UAE) स्थित शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में 4-9 नवम्बर, 2020 तक वुमेन्स T20 चैलेन्ज 2020 महिला क्रिकेट टूर्नामेण्ट का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के फाइनल में ट्रेलब्लेजर्स (118/8) ने सुपरनोवाज (102/7) को 16 रन से हराकर खिताब जीत लिया।

इण्डियन प्रीमियर लीग 2020

दुबई इण्टरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 10 नवम्बर, 2020 को आयोजित इण्डियन प्रीमियर लीग (IPL) 2020 के फाइनल में मुम्बई इण्डियन्स (MI) ने दिल्ली कैपिटल्स (DC) को 5 विकेट से हराकर अपना पाँचवाँ IPL खिताब जीता। इस जीत के साथ मुम्बई इण्डियन्स लगातार दो बार IPL ट्रॉफी जीतने वाली दूसरी टीम बन गई।

एथलेटिक्स

ढाका मैराथन 2021

बांग्लादेश के ढाका में 10 जनवरी, 2021 को आयोजित ढाका मैराथन 2021 में भारत के जिग्मेट डोलमा ने चौथा स्थान हासिल किया। इस मैराथन में मोरक्को के हिचम लखोई ने पुरुषों की एलीट श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि केन्या की एन्जेला जिम असान्दे ने उसी श्रेणी में महिला वर्ग में जीत हासिल की।

शूटिंग

अन्तर्राष्ट्रीय ऑनलाइन चैम्पियनशिप 2020

जूनियर एशियन चैम्पियन **यश वर्धन** ने 13 दिसम्बर, 2020 को 6वीं अन्तर्राष्ट्रीय ऑनलाइन शूटिंग चैम्पियनशिप में 10 मी एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। इस स्पर्धा में ऑस्ट्रेलिया के ओलम्पिक कोटा विजेता मार्टिन स्ट्रेम्पफल ने रजत पदक जीता।

मुक्केबाजी

कोलोन विश्व कप 2020

कोलोन (जर्मनी) में 17-19 दिसम्बर, 2020 के मध्य आयोजित कोलोन बॉक्सिंग विश्व कप 2020 में भारतीय मुक्केबाजों ने तीन स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य सहित नौ पदक हासिल किए।

अमित पंघाल (52 किग्रा), **मनीषा मौन** (57 किग्रा) और **सिमरनजीत कौर** (60 किग्रा) ने अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीते।

साक्षी चौधरी (57 किग्रा) और सतीश कुमार (91 किग्रा) ने रजत पदक प्राप्त किए। सोनिया लाठेर (57 किग्रा), पूजा रानी (75 किग्रा), गौरव सोलंकी (57 किग्रा) और मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते।

टेबल टेनिस

ITTF महिला विश्व कप 2020

चीन के वहाई में 8-10 नवम्बर, 2020 तक ITTF महिला टेबल टेनिस विश्व कप का 24वाँ संस्करण आयोजित किया गया।

विश्व की नवम्बर-1 महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी चेन मेंग ने अपनी हमवतन सन यिंगाशा को हराकर अपना पहला महिला टेबल टेनिस विश्व कप खिताब जीत लिया।

टेनिस

ATP फाइनल्स 2020

लन्दन (युनाइटेड किंगडम) स्थित O2 एरिना में 15-22 नवम्बर, 2020 तक ATP फाइनल्स 2020 पुरुष टेनिस टूर्नामेण्ट खेला गया।

पुरुष एकल फाइनल में डेनील मेदवेदेव (रूस) ने डोमिनिक थिएम (ऑस्ट्रिया) को हराकर खिताब जीत लिया।

पेरिस मास्टर्स 2020

रूस के डेनील मेदवेदेव ने 8 नवम्बर, 2020 को एलेक्जेण्डर ज्वेरेव (जर्मनी) को हराकर पहली बार पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेण्ट जीत लिया। यह मेदवेदेव के करियर का कुल आठवाँ खिताब तथा तीसरा मास्टर्स खिताब है।

बैडमिण्टन

थाईलैण्ड ओपन 2021

बैडमिण्टन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) ने 12-17 जनवरी, 2021 के मध्य योनेक्स थाईलैण्ड ओपन सुपर 1000 बैडमिण्टन टूर्नामेण्ट 2021 का आयोजन किया।

श्रेणी	विजेता
पुरुष एकल	विक्टर एक्सेलसेन (डेनमार्क)
महिला एकल	कैरोलिना मारिन (स्पेन)
पुरुष युगल	ली यांग और वांग ची-लिन (ताइवान)
महिला युगल	ग्रीसियापोली और अप्रियाणीराहु (इण्डोनेशिया)

हॉकी

नेशनल आइस चैम्पियनशिप 2021

आइस हॉकी एसोसिएशन ऑफ इण्डिया (IHAI) ने जम्मू-कश्मीर में स्थित गुलमर्ग आइस रिंक में 16-22 जनवरी, 2021 तक नेशनल आइस हॉकी चैम्पियनशिप 2021 का आयोजन किया।

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) ने टीम लद्दाख को 5-1 से हराकर 10वीं राष्ट्रीय आइस हॉकी चैम्पियनशिप 2021 की ट्रॉफी जीत ली।

लद्दाख को भारत में आइस हॉकी की राजधानी माना जाता है, जहाँ स्थानीय पुरुष और महिलाएँ बड़े उत्साह के साथ इस खेल को खेलते हैं।

फॉर्मूला-वन

आबू धाबी ग्रां प्री 2020

मैक्स वर्सटैपन (रेड बुल; नीदरलैण्ड्स) ने 13 दिसम्बर, 2020 को आबू धाबी (UAE) में स्थित यास मरीना सर्किट में आयोजित आबू धाबी ग्रां प्री फॉर्मूला-वन मोटर रेस जीत ली। यह उसकी सत्र 2020 की दूसरी तथा करियर की कुल 10वीं जीत है।

साखिर ग्रां प्री 2020

सर्जियो पेरेज़ (मैक्सिको; रेसिंग प्वॉइण्ट-BWT मर्सिडीज) ने 6 दिसम्बर, 2020 को साखिर (बहरीन) में स्थित बहरीन इण्टरनेशनल सर्किट में आयोजित साखिर ग्रां प्री फॉर्मूला-वन मोटर रेस 2020 जीत ली।

एस्टेबन ओकॉन (रेनॉल्ड-फ्रांस) ने दूसरा स्थान तथा व लान्स स्ट्रोक (रेसिंग प्वॉइण्ट-BWT मर्सिडीज; कनाडा) ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

पुरस्कार एवं सम्मान

राष्ट्रीय

वीरता पुरस्कार एवं अन्य रक्षा अलंकरण

राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने 25 जनवरी, 2021 को 72वें गणतन्त्र दिवस समारोह की पूर्व संध्या पर सशस्त्र बलों के कर्मियों और अन्य लोगों को 455 वीरता पुरस्कार और अन्य रक्षा अलंकरणों को मंजूरी दी।

पुरस्कार	नाम
महावीर चक्र	कर्नल बिकुमल्ला सन्तोष बाबू (मरणोपरान्त)
कीर्ति चक्र	सूबेदार संजीव कुमार (मरणोपरान्त), पिण्टू कुमार सिंह (मरणोपरान्त), श्याम नारायण सिंह यादव (मरणोपरान्त), विनोद कुमार (मरणोपरान्त), राहुल माथुर
कोविड वॉरियर्स	मेजर जनरल सुनील कान्त, मेजर जनरल रमेश कौशिक

प्रधानमन्त्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021

वर्ष 2021 के लिए प्रधानमन्त्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार को 25 जनवरी, 2021 को 21 राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों के 32 जिलों के 32 बच्चों को दिया गया।

प्रधानमन्त्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार भारत सरकार द्वारा नवप्रवर्तन, विद्वान, खेल, कला और संस्कृति, सामाजिक सेवा और बहादुरी के क्षेत्र में असाधारण क्षमताओं और उत्कृष्ट उपलब्धियों वाले बच्चों को दिया जाता है।

सुभाष बोस आपदा प्रबन्धन पुरस्कार 2021

भारत सरकार ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती पर 23 जनवरी, 2021 को सुभाष चन्द्र बोस आपदा प्रबन्धन पुरस्कार 2021 की घोषणा की।

सुभाष चन्द्र बोस आपदा प्रबन्धन पुरस्कार 2021 को डॉ. राजेन्द्र कुमार भण्डारी (व्यक्तिगत श्रेणी) और सतत पर्यावरण और पारिस्थितिक विकास सोसायटी (संस्थागत श्रेणी) को दिया गया।

कोयला मन्त्री पुरस्कार

कोयला मन्त्री प्रल्हाद जोशी ने 21 जनवरी, 2021 को नई दिल्ली में कोल इण्डिया लिमिटेड की तीन कोयला कम्पनियों नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, सेण्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड और वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड को कोयला मन्त्री पुरस्कार प्रदान किया।

SKOCH चैलेन्जर अवार्ड

जनजातीय मामलों के मन्त्री अर्जुन मुण्डा ने 16 जनवरी, 2021 को ई–गवर्नेन्स के लिए जनजातीय कार्य मन्त्रालय को प्रदान किया गया SKOCH चैलेन्जर अवार्ड प्राप्त किया। मन्त्रालय को IT आधारित पहल और अन्य परिवर्तनकारी पहल के लिए यह पुरस्कार दिया गया है, जिसके परिणामस्वरूप परिणाम–आधारित प्रदर्शन में सुधार हुआ है।

51वें IFFI पुरस्कार

भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (IFFI) का 51वाँ संस्करण 16-24 जनवरी, 2021 तक गोवा के पणजी के पास श्यामाप्रसाद स्टेडियम में आयोजित किया गया।

पुरस्कार विजेता

सर्वश्रेष्ठ फिल्म के लिए गोल्डन पीकॉक अवार्ड	इनटू द डार्कनेस
सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए सिल्वर पीकॉक अवार्ड	त्जु–चुआन लियू (द साइलेण्ट फॉरेस्ट)
सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए सिल्वर पीकॉक अवार्ड	जोफिया स्टाफिएज (आइ नेवर क्राई)
स्पेशल मेन्शन अवार्ड	कृपाल कलिता (ब्रिज)
इण्डियन पर्सनालिटी ऑफ द ईयर	बिस्वजीत चटर्जी
लाइफटाइम अचीवमेण्ट अवार्ड	विटोरियो स्टोराओ (इतालवी छायाकार)

रामानुजन पुरस्कार 2020

ब्राजील के **कौरोलिना अरुजो** को 9 दिसम्बर, 2020 को एक आभासी समारोह में बीजीय ज्यामिति में उनके उत्कृष्ट काम के लिए युवा गणितज्ञों को दिए जाने वाले रामानुजन पुरस्कार 2020 का विजेता चुना गया। वह यह पुरस्कार जीतने वाले पहले गैर–भारतीय हैं।

आदित्य विक्रम बिड़ला कलाशिखर पुरस्कार 2020

वयोवृद्ध अभिनेता नसीरुद्दीन शाह को वर्ष 2020 के आदित्य विक्रम बिड़ला कलाशिखर पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया गया। इसके अलावा नील चौधरी और इरावती कार्णिक को आदित्य विक्रम बिड़ला कलाकिरण पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

30वाँ राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार

ऊर्जा मन्त्रालय, ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएन्सी (BEE) के सहयोग से, 11 जनवरी, 2021 को 30वें राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार (NECA) समारोह का आयोजन किया गया। टाटा मोटर्स ने अपने ऊर्जा संरक्षण उपायों के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार (NECA) 2020 प्राप्त किया है।

कायाकल्प पुरस्कार 2019-20

केन्द्रीय मन्त्री डॉ. हर्षवर्धन ने 12 जनवरी, 2021 को स्वच्छता और स्वच्छता के उच्च मानकों के लिए सार्वजनिक और निजी स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए 5वें राष्ट्रीय कायाकल्प पुरस्कार से सम्मानित किया। जिला अस्पताल, उप–विभागीय अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में स्वास्थ्य और कल्याण केन्द्र जिन्होंने उच्च स्तर की स्वच्छता, स्वच्छता और संक्रमण नियन्त्रण हासिल किया है, उन्हें मान्यता दी गई और पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पद्‌म पुरस्कार 2021

केन्द्रीय गृह मन्त्रालय ने 26 जनवरी, 2021 को गणतन्त्र दिवस की पूर्व संध्या पर पद्‌म पुरस्कार प्राप्त करने वालों की घोषणा की। 119 विजेताओं को दिया गया है।

पुरस्कार विजेता

पुरस्कार	विजेता
पद्‌म विभूषण	शिंजो आबे (सार्वजनिक मामले) (जापान), एसपी बालासुब्रमण्यम (मरणोपरान्त) (कला), डॉ. बेले मोनप्पा हेगड़े (चिकित्सा), नरिन्दर सिंह कपनी (मरणोपरान्त) (विज्ञान) (USA), मौलाना वहीदुद्दीन खान (अन्य–अध्यात्मवाद), बीबी लाल (अन्य–पुरातत्व) और दर्शन साहू (कला)
पद्‌म भूषण	सुश्री कृष्णन नायर शान्तकुमारी चित्र (कला), तरुण गोगोई (मरणोपरान्त) (सार्वजनिक मामले), चन्द्रशेखर कम्बरा (साहित्य और शिक्षा), सुश्री सुमित्रा महाजन (सार्वजनिक मामले), नृपेन्द्र मिश्रा (सिविल सेवा), रामविलास पासवान (मरणोपरान्त) (सार्वजनिक मामले), केशुभाइ पटेल (मरणोपरान्त) (सार्वजनिक मामले) कल्बे सादिक (मरणोपरान्त) (अन्य अध्यात्मिकता), रजनीकान्त देवीदास श्रॉफ (व्यापार और उद्योग) और तरलोचन सिंह (सार्वजनिक मामले)
पद्‌मश्री	गुलफाम अहमद (कला), सुश्री लखीमी बरुआ (सामाजिक कार्य), जगदीश चौधरी (मरणोपरान्त) (सामाजिक कार्य), जय भगवान गोयल (साहित्य और शिक्षा), महेशभाई और नरेशभाई कनोडिया (जोड़ी) (मरणोपरान्त) (कला), पी. सुब्रमण्यन (मरणोपरान्त) (व्यापार और उद्योग) तथा 96 अन्य

डिजिटल इण्डिया अवार्ड्स 2020

राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने 30 दिसम्बर, 2020 को वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से डिजिटल गवर्नेन्स में अनुकरणीय पदल और प्रथाओं का सम्मान करने के लिए डिजिटल इण्डिया अवार्ड्स 2020 प्रदान किए।
विजेताओं की सूची निम्नलिखित हैं

श्रेणी	विजेता			
	प्लैटिनम आइकन	**गोल्ड आइकन**	**सिल्वर आइकन**	
महामारी में नवाचार	eSanjeevani नेशनल टेलीमेडिसिन सर्विस	COVID-19 नमूना संग्रह प्रबन्धन प्रणाली	आपदा सम्पूर्ति पोर्टल	प्रवासी श्रमिक एवं रोजगार सेतु पोर्टल
डिजिटल गवर्नेन्स में उत्कृष्टता मन्त्रालय/विभाग (केन्द्रीय)	e–कमेटी भारत का सर्वोच्च न्यायालय, न्याय विभाग	डाक विभाग	उर्वरक विभाग	भूमि संसाधन विभाग
डिजिटल गवर्नेन्स में उत्कृष्टता राज्य/UT	हरियाणा	तमिलनाडु	उत्तर प्रदेश	पश्चिम बंगाल
डिजिटल गवर्नेन्स (जिला)	खारगौन (मध्य प्रदेश)	चांगलांग (अरुणाचल प्रदेश)	कामारेड्डी (तेलंगाना)	
ओपन डाटा चैम्पियन	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग	ICAR में रिसर्च डाटा मैनेजमेण्ट	भारतीय खाद्य निगम	MSME मन्त्रालय
अनुकरणीय उत्पाद	पोर्ट कम्यूनिटी सिस्टम PCS1x नेशनल मैरीटाइम सिंगल विण्डो	सर्विस प्लस	इण्टीग्रेटेड टेम्पल मैनेजमेण्ट सिस्टम (ITMS)	

अन्तर्राष्ट्रीय

माइकल एण्ड शीला हेल्ड प्राइज 2021

युवा भारतीय गणितज्ञ, निखिल श्रीवास्तव को 25 जनवरी, 2021 को प्रतिष्ठित माइकल एण्ड शीला हेल्ड प्राइज 2021 का विजेता बनाया गया। उन्हें काडिसन–सिंगर की समस्या और रामानुजन के ग्राफ पर लम्बे समय तक सवाल हल करने हेतु इस पुरस्कार के लिए नामित किया गया। उनके साथ, एडम मार्क्स, लॉजेन के इकोले पॉलिटेक्निक फेडरेशन (EPFL) और येल विश्वविद्यालय के डैनियल एलन स्पिलमैन को भी यह पुरस्कार मिलेगा।

फ्रेंच ऑर्डर ऑफ मेरिट

भारतीय भौतिक विज्ञानी और पद्मश्री से सम्मानित रोहिणी गोडबोले को 14 जनवरी, 2021 को फ्रेंच ऑर्डर ऑफ मेरिट से सम्मानित किया गया है। उन्हें फ्रांस और भारत के बीच सहयोग में योगदान और विज्ञान में महिलाओं के नामांकन को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के लिए मान्यता दी गई है। 'ऑर्ड्रे नेशनल डू मेरिट' फ्रांस गणराज्य के राष्ट्रपति द्वारा प्रदान की गई सदस्यता के साथ योग्यता के 'विशिष्ट योग्यता' के पुरस्कार के लिए एक फ्रांसीसी सम्मान है।

ICC अवार्ड्स ऑफ द डिकेड 2020

प्रतिष्ठित इण्टरनेशनल क्रिकेट काउन्सिल (ICC) अवार्ड्स के विजेताओं की घोषणा 28 दिसम्बर, 2020 को की गई, जो पिछले 10 वर्षों में क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को मान्यता देता है।

श्रेणी	**विजेता** (पुरुष)
ICC स्पिरिट ऑफ द क्रिकेट अवार्ड ऑफ द डिकेड	एमएस धोनी
ICC मेल क्रिकेटर ऑफ डिकेड के लिए गारफील्ड सोबर्स पुरस्कार	विराट कोहली
ICC मेन्स ODI प्लेयर ऑफ द डिकेड	विराट कोहली
ICC पुरुष के T20I क्रिकेटर द डिकेड	राशिद खान
ICC मेन्स के टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द डिकेड	स्टीव स्मिथ
ICC मेन्स के एसोसिएट क्रिकेटर ऑफ द डिकेड	काइल कोएट्जर

ATP अवार्ड्स 2020

एसोसिएशन ऑफ टेनिस प्रोफेशनल्स (ATP) द्वारा 21 दिसम्बर, 2020 को 2019-20 सत्र के दौरान खिलाड़ियों और अन्य लोगों को उनके प्रदर्शन के लिए सम्मानित करने हेतु ATP अवार्ड्स 2020 की घोषणा की गई।

विजेताओं की सूची निम्नलिखित है

पुरस्कार श्रेणी	**विजेता**
ATP नवम्बर–1 प्लेयर	नोवाक जोकोविच (सर्बिया)
ATP नवम्बर–1 डबल्स टीम	मेट पैविच (क्रोएशिया)/ ब्रूनो सोआरेस (ब्राजील)
कोच ऑफ द ईयर	फर्नाण्डो विसेण्ट (आन्द्रेई रुबलेव के कोच)
मोस्ट इम्प्रूव्ड प्लेयर ऑफ द ईयर	आंद्रेई रुबलेव (रूस)

द लीजन ऑफ मेरिट

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 21 दिसम्बर, 2020 को प्रधानमन्त्री **नरेन्द्र मोदी** को अमेरिका के सर्वोच्च सैन्य सम्मान 'द लीजन ऑफ मेरिट' से सम्मानित किया। उन्हें द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने और वैश्विक शक्ति के रूप में भारत के तेजी से उभरने के लिए उनके नेतृत्व के लिए सम्मानित किया गया है।

गोल्डन पीकॉक पर्यावरण प्रबन्धन पुरस्कार 2020

भारत में इस्पात निर्माण में लगी एक महारत्न कम्पनी **स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड (SAIL)** को 16 दिसम्बर, 2020 को इस्पात क्षेत्र में वर्ष 2020 के लिए प्रतिष्ठित गोल्डन पीकॉक पर्यावरण प्रबन्धन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। SAIL लगातार दो वर्षों के लिए इस पुरस्कार का विजेता रहा है।

TIME पर्सन ऑफ द ईयर 2020

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति **जो बाइडेन** और नवनिर्वाचित उप–राष्ट्रपति **कमला हैरिस** को संयुक्त रूप से TIME पत्रिका के वर्ष 2020 के 'पर्सन ऑफ द ईयर' के रूप में नामित किया गया। अपने पर्सन ऑफ द ईयर सम्मान के साथ, टाइम पत्रिका ने दक्षिण कोरियाई पॉप समूह BTS को अपना 'एण्टरटेनर ऑफ द ईयर' नामित किया और बास्केटबॉल स्टार लेब्रोन जेम्स को 'एथलीट ऑफ द ईयर' का खिताब दिया गया।

UNEP चैम्पियन्स ऑफ द अर्थ 2020

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) ने 15 दिसम्बर, 2020 को अपने युवा चैम्पियन्स ऑफ द अर्थ 2020 अवार्ड के रूप में दुनिया भर के छह युवा इंजीनियरों, वैज्ञानिकों, कार्यकर्ताओं और उद्यमियों का चयन किया।

1. **पॉलिसी लीडरशिप** फ्रैंक बैनिमारामा (फिजी)
2. **इंस्पिरेशन एण्ड एक्शन** याकोबा सवादोगो (बुर्किना फासो)
3. **इंस्पिरेशन एण्ड एक्शन** निमाण्टे नेन्क्विमो (इक्वाडोर)

4. **साइन्स एण्ड इनोवेशन** डॉ. फेबियन लेएण्डर्ट्ज (जर्मनी)

5. **एण्टरप्रेन्योर विजन** मिण्डी लुबेर (अमेरिका)

6. **लाइफटाइम अचीवमेण्ट अवार्ड** प्रो. रॉबर्ट डी. बुलार्ड (अमेरिका)

गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार 2020

म्यांमार के **पॉल सीन ट्वा** ने अपने प्राकृतिक संसाधनों के प्रबन्धन में कारेन लोगों के आत्मनिर्णय को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों को मान्यता देने हेतु एशिया क्षेत्र के लिए गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार 2020 जीता है।

रबीन्द्रनाथ टैगोर साहित्य पुरस्कार 2020

भारतीय पत्रकार–लेखक **राज कमल झा** को 9 दिसम्बर, 2020 को उनके उपन्यास 'द सिटी एण्ड द सी' के लिए रबीन्द्रनाथ टैगोर साहित्य पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया गया। झा की पुस्तक 'द सिटी एण्ड द सी' दिसम्बर 2012 के निर्भया बलात्कार और हत्या के मामले पर आधारित है।

वैश्विक शिक्षक पुरस्कार 2020

महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के परितेवाड़ी गाँव में जिला परिषद् प्राथमिक विद्यालय के एक सरकारी शिक्षक **रंजीत सिंह डिसले** ने 3 दिसम्बर, 2020 को वर्ष 2020 का वैश्विक शिक्षक पुरस्कार जीता।

वह यह पुरस्कार जीतने वाले पहले भारतीय हैं, जिन्हें विजेता के रूप में $ 1 मिलियन (₹ 7.4 करोड़) की पुरस्कार राशि दी गई।

बुकर प्राइज 2020

स्कॉटिश लेखक डगलस स्टुअर्ट ने अपने पहले उपन्यास **शग्गी बैन** के लिए बुकर प्राइज 2020 जीता। यह पुस्तक उनके खुद के बचपन पर आधारित है, ग्लासगो में एक युवा लड़के की बढ़ती उम्र के बारे में बताती है, जो एक माँ के साथ है अतः वह नशे की लत से जूझ रहा है।

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या पुरस्कार 2020

यौन स्वास्थ्य पर काम करने और लिंग हिंसा को समाप्त करने के लिए भूटान की रानी मदर ग्यालियम संगे चोडेन वांगचुक को व्यक्तिगत श्रेणी में संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया गया।

भारत के वृहद क्षेत्र में प्रमुख चैरिटेबल संगठन, हेल्पएज इण्डिया को वर्ष 2020 के संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या पुरस्कार के लिए 'संस्थागत श्रेणी' में विजेता के रूप में चुना गया।

अन्तर्राष्ट्रीय बाल शान्ति पुरस्कार 2020

बांग्लादेश के 17 वर्षीय सआदत रहमान को 13 नवम्बर, 2020 को प्रतिष्ठित अन्तर्राष्ट्रीय बाल शान्ति पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया गया। सआदत रहमान को साइबर बदमाशी रोकने के लिए सामाजिक संगठन और मोबाइल ऐप्प 'साइबर टीन्स' की स्थापना में उनकी भागीदारी के लिए इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

नोबेल पुरस्कार 2020

श्रेणी	विजेता	किस क्षेत्र में
अर्थशास्त्र	पॉल आर. मिलग्रोम (USA) और रॉबर्ट बी. विल्सन (USA)	नीलामी सिद्धान्त में सुधार तथा नए नीलामी प्रारूपों के आविष्कार के लिए
शान्ति	वर्ल्ड फूड प्रोग्राम (WFP)	भूख से निपटने के अपने प्रयासों के लिए, संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में शान्ति के लिए बेहतर स्थिति में योगदान के लिए तथा युद्ध एवं संघर्ष के हथियार के रूप में भूख के उपयोग को रोकने के प्रयासों में एक प्रमुख बल के रूप में कार्य करने के लिए
साहित्य	लुइस ग्लुक (USA)	अपनी अचूक काव्यात्मक आवाज के लिए जोकि सुन्दरता के साथ व्यक्तिगत अस्तित्व को सार्वभौमिक बनाती है।
रसायनशास्त्र	इमैनुएल कार्पेण्टिएर (जर्मनी) और जेनिफर ए. डूडना (USA)	जीनोम एडिटिंग के लिए एक विधि के विकास के लिए
भौतिकी	रोजर पेनरोज (UK) और रेनहार्ड गेनजेल (USA) व एण्ड्रिया गेज (USA)	इस खोज के लिए कि ब्लैक होल का गठन सापेक्षता के सामान्य सिद्धान्त का एक मजबूत पूर्वानुमान है। हमारी आकाशगंगा के केन्द्र में एक सुपरमैसिव कॉम्पैक्ट ऑब्जेक्ट की खोज के लिए
फिजियोलॉजी (चिकित्सा)	हार्वे जे. आल्टर (USA), चार्ल्स एम. राइस (USA) और माइकल हॉटन (UK)	हेपेटाइटिस–C वायरस की खोज के लिए

चर्चित व्यक्तित्व

राष्ट्रीय

सृष्टि गोस्वामी

19 वर्षीय सृष्टि गोस्वामी को 24 जनवरी, 2021 को राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर एक दिन के लिए उत्तराखण्ड की मुख्यमन्त्री के रूप में नामित किया गया।

उसने गैरसैण से प्रशासन किया और राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा भी कि जिसमें अटल आयुष्मान योजना, स्मार्ट सिटी परियोजना, पर्यटन विभाग की होमस्टे योजना और अन्य विकास परियोजनाएँ शामिल थीं।

सिद्धार्थ मोहन्ती

मन्त्रिमण्डल की नियुक्ति समिति ने 1 फरवरी, 2021 से सिद्धार्थ मोहन्ती को भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) के नए प्रबन्ध निदेशक (MD) के रूप में नियुक्त करने की मंजूरी दी। सिद्धार्थ मोहन्ती ने टीसी सुशील कुमार का स्थान लिया है, जो 31 जनवरी, 2021 को सेवानिवृत्त हो गए।

नरेन्द्र चंचल

धार्मिक गीतों और भजनों में विशेषज्ञता रखने वाले प्रतिष्ठित भारतीय भजन गायक नरेन्द्र चंचल का 22 जनवरी, 2021 को 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

उनके कुछ लोकप्रिय भजनों में चलो बुलावा आया है, तूने मुझे बुलाया शेरावालिए, अम्बे तू है जगदम्बे काली, हनुमान चालीसा, संकट मोचन नाम तिहारो, राम से बड़ा राम का नाम शामिल हैं।

वी. शान्ता

प्रसिद्ध ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. वी. शान्ता का 19 जनवरी, 2021 को 93 वर्ष की आयु में सीने में दर्द के बाद निधन हो गया। वह चेन्नई में अड्यार कैंसर संस्थान की चेयरपर्सन थीं, जिसमें वे वर्ष 1954 में शामिल हुई थीं। यह संस्थान सभी रोगियों को अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए जाना जाता है।

माता प्रसाद

अरुणाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल और वरिष्ठ कॉंग्रेस नेता माता प्रसाद का 20 जनवरी, 2021 को 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने वर्ष 1988-89 में उत्तर प्रदेश में कॉंग्रेस सरकार में मन्त्री के रूप में कार्य किया और वर्ष 1993 में अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल के रूप में नियुक्त हुए।

किरण मजूमदार–शॉ

बायोकॉन की चेयरपर्सन किरण मजूमदार–शॉ को 14 जनवरी, 2021 को वर्ष 2021 के लिए US-इण्डिया बिजनेस काउन्सिल (USIBC) बोर्ड के नए उपाध्यक्ष के रूप में नामित किया गया।

USIBC का गठन वर्ष 1975 में एक व्यावसायिक वकालत संगठन के रूप में किया गया था, ताकि भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) के निजी क्षेत्रों को निवेश प्रवाह बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

माधवसिंह सोलंकी

दिग्गज कॉंग्रेस नेता और गुजरात के पूर्व मुख्यमन्त्री माधवसिंह सोलंकी का 9 जनवरी, 2021 को 93 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

उन्होंने जून, 1991 से मार्च, 1992 तक भारत के विदेश मन्त्री के रूप में कार्य किया था। वह वर्ष 1976 से 1990 के बीच तीन बार गुजरात के मुख्यमन्त्री रहे थे।

बूटा सिंह

पूर्व केन्द्रीय मन्त्री और राजस्थान कॉंग्रेस के वरिष्ठ नेता बूटा सिंह का 2 जनवरी, 2020 को 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

उन्होंने वर्ष 1986 से 1989 तक राजीव गाँधी सरकार में भारत के गृह मन्त्री के रूप में कार्य किया तथा कृषि एवं ग्रामीण विकास मन्त्री के रूप में भी कार्य किया था। उन्होंने वर्ष 2007 से 2010 तक राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया।

प्रेशा खेमानी

पुणे की 5–वर्षीय प्रेशा खेमानी का नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड्स इण्डिया बुक में शामिल किया गया है। उसने 4.17 मिनट के भीतर झण्डों की पहचान करके 150 देशों और उनकी राजधानियों के नाम बताने के लिए यह उपलब्धि प्राप्त की।

उसने वर्ल्ड रिकॉर्ड्स इण्डिया बुक में 'यंगेस्ट किड टू आइडेण्टिफाई फ्लैग्स एण्ड कण्ट्री नेम्स' का खिताब जीता।

सोमा मण्डल

सोमा मण्डल ने 1 जनवरी, 2021 से स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड (SAIL) की नई अध्यक्ष के रूप में पदभार सम्भाल लिया है। वह SAIL की प्रथम महिला प्रमुख हैं।

इन्होंने अनिल कुमार चौधरी का स्थान लिया, जो कनिष्ठ प्रबन्धक और निदेशक (वित्त) सहित विभिन्न भूमिकाओं में 36 वर्षों तक कम्पनी की सेवा करने के बाद 31 दिसम्बर, 2020 को सेवानिवृत्त हो गए है।

सुनीत शर्मा

सुनीत शर्मा को 31 दिसम्बर, 2021 को भारत सरकार के रेलवे बोर्ड के नए अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) और भारत सरकार के पदेन प्रमुख सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है।

इनके पूर्ववर्ती विनोद कुमार यादव, जो पुनर्गठन बोर्ड के पहले CEO भी थे, का विस्तारित एक वर्ष का कार्यकाल 31 दिसम्बर, 2020 को समाप्त हो गया था।

आर्या राजेन्द्रन

केरल की आर्या राजेन्द्रन 28 दिसम्बर, 2020 को 21 वर्ष की आयु में तिरुवनन्तपुरम नगर निगम के चुनाव के बाद **देश की सबसे युवा मेयर** बन गई हैं। CPIM के मेयर पद की उम्मीदवार ने नगर निगम के मुडवानमुगल वार्ड से सिविक निकाय चुनाव जीता, जिसमें उन्हें 2872 वोट मिले।

सुयश मेहता

अमेरिका की **नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन** (NBA) लीग ने 24 दिसम्बर, 2020 को पहली बार भारतीय मूल के रेफरी सुयश मेहता को **2020-21 सत्र के लिए पूर्णकालिक कर्मचारी अधिकारी** के रूप में चुना। सुयश मेहता सिमोन जेलक्स और एण्डी नेगी के साथ पूर्णकालिक NBA स्टाफ अधिकारी के रूप में पदोन्नत किए गए तीन रेफरियों में से एक हैं।

मोतीलाल वोरा

वयोवृद्ध **कॉंग्रेस नेता** मोतीलाल वोरा का 21 दिसम्बर, 2020 को 93 वर्ष की आयु में COVID-19 के बाद की जटिलताओं के कारण निधन हो गया। मोतीलाल वोरा ने वर्ष 1985 से 1988 तक और फिर वर्ष 1989 में 11 माह के लिए दो बार मध्य प्रदेश के मुख्यमन्त्री के रूप में सेवा की थी। उन्होंने वर्ष 1993 और 1996 के बीच उत्तर प्रदेश के राज्यपाल का पद भी सम्भाला था।

रतन टाटा

वयोवृद्ध उद्योगपति रतन टाटा को 21 दिसम्बर, 2020 को 'एकता, शान्ति और स्थिरता' के लिए फेडरेशन ऑफ इण्डो इजराइल चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स (FIICC) द्वारा **'ग्लोबल विजनरी ऑफ सस्टेनेबल बिजनेस एण्ड पीस' की उपाधि से सम्मानित** किया गया। उन्हें फिलिस्तीनियों सहित क्षेत्र में शान्ति और स्थिरता समर्थन करने वाले नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सम्मानित किया गया।

विनीत अग्रवाल

लॉजिस्टिक्स प्रमुख ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड (TCI) के प्रबन्ध निदेशक विनीत अग्रवाल ने 21 दिसम्बर, 2020 को **ASSOCHAM के नए अध्यक्ष** के रूप में पदभार सम्भाल लिया। विनीत अग्रवाल ने इस पद पर निरंजन हीरानन्दानी (सह–संस्थापक और MD, हीरानन्दानी ग्रुप ऑफ कम्पनीज़) का स्थान लिया।

शशि शेखर वेम्पति

प्रसार भारती के CEO शशि शेखर वम्पति को 16 दिसम्बर, 2020 को तीन वर्ष की अवधि के लिए **एशिया पैसिफिक ब्रॉडकास्टिंग यूनियन (ABU) के उपाध्यक्ष** के रूप में चुना गया। उन्हें जून, 2017 में पाँच वर्षों की अवधि के लिए प्रसार भारती के CEO के रूप में नियुक्त किया गया था।

उदय शंकर

उदय शंकर को फेडरेशन ऑफ **इण्डियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री (FICCI) के अध्यक्ष** के रूप में नामित किया गया है। उदय शंकर ने 11, 12 और 14 दिसम्बर, 2020 को आयोजित FICCI की 93वीं वार्षिक आम बैठक (AGM) के दौरान इस पद पर अपोलो हॉस्पिटल्स समूह की अध्यक्ष संगीता रेड्डी का स्थान लिया।

उदय कोटक

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने 7 दिसम्बर, 2020 को उदय कोटक को **कोटक महिन्द्रा बैंक के प्रबन्ध निदेशक** के रूप में तीन वर्ष की आगे की अवधि के लिए फिर से नियुक्त किया। यह नियुक्ति 1 जनवरी, 2021 से प्रभावी होगी।

नरिन्दर सिंह कपानी

भारतीय–अमेरिकी भौतिक विज्ञानी नरिन्दर सिंह कपानी का 4 दिसम्बर, 2020 को 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। इन्हें **फाइबर ऑप्टिक्स का जनक** माना जाता है। उन्होंने वर्ष 2004 में प्रवासी भारतीय सम्मान, और वर्ष 1998 USA पैन–एशियन अमेरिकन चैम्बर ऑफ कॉमर्स से 'द एक्सीलेन्स 2000 अवार्ड' प्राप्त किया था।

महाशय धर्मपाल गुलाटी

महाशय दी हट्टी (MDH) के मालिक महाशय धर्मपाल गुलाटी का 3 दिसम्बर, 2020 को 97 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

उन्हें **मसालों का राजा** के रूप में जाना जाता था, और उनके निकट एवं प्रिय लोगों द्वारा उन्हें 'दालाजी' और 'महाशयजी' कहा जाता था।

वर्षा जोशी

भारत सरकार द्वारा 1 दिसम्बर, 2020 को वर्षा जोशी को **राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB) की अध्यक्ष** के रूप में नियुक्त किया गया। वर्षा जोशी ने NDDB के अध्यक्ष के रूप में दिलीप रथ का स्थान लिया, जिनका कार्यकाल 30 नवम्बर, 2020 को समाप्त हो गया था।

राजीव चौधरी

लेफ्टिनेण्ट जनरल राजीव चौधरी को 1 दिसम्बर, 2020 से **सीमा सड़क संगठन (BRO) के 27वें महानिदेशक** के रूप में नियुक्त किया गया।

राजीव चौधरी ने लेफ्टिनेण्ट जनरल हरपाल सिंह का स्थान लिया, जिन्हें भारतीय सेना के नए इंजीनियर–इन–चीफ के रूप में नियुक्त किया गया है।

तरुण गोगोई

तीन बार असम के मुख्यमन्त्री रहे तरुण गोगोई का 23 नवम्बर, 2020 को 84 वर्ष की आयु में COVID-19 के बाद की जटिलताओं के कारण निधन हो गया।

वह भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के सदस्य थे और पार्टी को लगातार तीन बार चुनावी जीत दिलाई, और राज्य के सबसे लम्बे समय तक मुख्यमन्त्री रहे थे।

मृदुला सिन्हा

गोवा की पहली महिला राज्यपाल और एक प्रसिद्ध हिन्दी लेखिका मृदुला सिन्हा का 18 नवम्बर, 2020 को 77 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

वह BJP की एक अनुभवी नेता और कई प्रसिद्ध हिन्दी उपन्यासों और जीवनियों की लेखक के रूप में जानी जाती थी।

अन्तर्राष्ट्रीय

लॉयड ऑस्टिन

अमेरिकी सीनेट ने 22 जनवरी, 2021 को सेवानिवृत्त सेना जनरल लॉयड ऑस्टिन की संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) के डिफेन्स सेक्रेटरी (रक्षा सचिव) नियुक्त किया।

इसके साथ ही वह रक्षा सचिव के रूप में सेवा देने वाले पहले अफ्रीकी अमेरिकी होंगे। ऑस्टिन को सीनेट में 93 वोट मिले, जबकि उनके खिलाफ केवल दो वोट पड़े।

अमाण्डा गोर्मन

22 वर्षीय अमाण्डा गोर्मन ने 20 जनवरी, 2021 को अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उद्घाटन पर एक कविता पढ़ने के लिए सबसे कम आयु की कवि के रूप में इतिहास बनाया।

उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडेन और उप–राष्ट्रपति कमला हैरिस के उद्घाटन के अवसर पर 'द हिल वी क्लाइम्ब' शीर्षक से अपनी कविता पढ़ी।

एवरिल हैन्स

अमेरिकी सीनेट ने 21 जनवरी, 2021 को एवरिल हैन्स की नेशनल इण्टेलिजेन्स की पहली महिला डायरेक्टर के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दे दी। सीनेट ने हैन्स को पद की पुष्टि करने के लिए 84-10 वोट दिए, केवल रिपब्लिकन्स ने उनके नामांकन का विरोध किया।

नजहत शमीम खान

जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र कार्यालय में फिजी की स्थायी प्रतिनिधि नजहत शमीम खान को वर्ष 2021 के लिए संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की अध्यक्ष के रूप में चुना गया है। इन्होंने ऑस्ट्रेलियाई वकील एलिजाबेथ टिची–फिसलबर्गर का स्थान लिया है, जो वर्ष 2020 के लिए जिनेवा स्थित मानवाधिकार निकाय के अध्यक्ष के रूप में सेवारत थे।

खुरेलसुख उखना

मंगोलिया के प्रधानमन्त्री खुरेलसुख उखना ने COVID-19 महामारी से निपटने के लिए सरकार के विरोध और विरोध प्रदर्शन के बाद अपनी पूरी सरकार के साथ त्याग–पत्र दे दिया है। 52 वर्षीय उखना ने 4 अक्टूबर, 2017 से 21 जनवरी, 2021 तक मंगोलिया के प्रधानमन्त्री के रूप में कार्य किया।

एलन बर्गेस

न्यूजीलैण्ड के विश्व के सबसे पुराने जीवित प्रथम श्रेणी क्रिकेटर एलन बर्गेस का 5 जनवरी, 2021 को 100 वर्ष ओर 250 दिन की आयु में निधन हो गया। वह दाएँ हाथ के बल्लेबाज और बाएँ हाथ के स्पिनर थे।

उन्होंने वर्ष 1940-41 और वर्ष 1951-52 के बीच कुल 14 प्रथम श्रेणी मैच खेले, जिनमें से 11 प्रथम श्रेणी मैच कैन्टरबरी के लिए खेले गए। वह द्वितीय विश्व युद्ध में एक टैंक चालक थे।

पुष्प कमल दहल

नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष पुष्प कमल दहल 'प्रचण्ड' को 23 दिसम्बर, 2020 को **सत्ताधारी पार्टी के नए संसदीय नेता** के रूप में चुना गया। उन्होंने केपी शर्मा ओली की जगह ली, जिन्हें प्रचण्ड के नेतृत्व वाले गुट के सदस्यों वाली एक केन्द्रीय समिति ने पार्टी के अध्यक्ष पद से हटा दिया था।

प्रमिला जयपाल

भारतीय–अमेरिकी काँग्रेस वुमेन प्रमिला जयपाल को 10 दिसम्बर, 2020 को **काँग्रेसनल प्रोग्रेसिव कॉकस (CPC) की अध्यक्ष** के रूप में चुना गया, जिससे वह आगामी 117वीं अमेरिकी काँग्रेस में सबसे व्यावहारिक सांसदों में से एक बन गई है।

लुडोविक ओरबान

रोमानिया के प्रधानमन्त्री लुडोविक ओरबान ने 7 दिसम्बर, 2020 को संसदीय चुनाव 2020 में अपनी सत्तारूढ़ी नेशनल लिबरल पार्टी (NLP) के हारने के बाद अपने पद से त्याग–पत्र दे दिया।

प्रियंका राधाकृष्णन
न्यूजीलैण्ड की प्रधानमन्त्री जैसिंडा आर्डर्न द्वारा कार्यकारिणी में शामिल किए जाने के बाद प्रियंका राधाकृष्णन **न्यूजीलैण्ड की पहली भारतीय मूल की मन्त्री** बन गई।
उन्हें सामुदायिक और स्वैच्छिक क्षेत्र के मन्त्री, विविधता, समावेश और जातीय समुदायों के मन्त्री, युवा और सहयोगी सामाजिक विकास और रोजगार मन्त्री के रूप में नियुक्त किया गया।

चर्चित पुस्तकें

मनोहर परिकर–ऑफ द रिकॉर्ड
(वामन सुभा प्रभु)
गोवा के मुख्यमन्त्री प्रमोद सावन्त ने वरिष्ठ पत्रकार वामन सुभा प्रभु द्वारा लिखित यह पुस्तक जारी की।

मेकिंग ऑफ ए जनरल–ए हिमालयन इको
(कोनसम हिमालय सिंह)
मणिपुर की राज्यपाल डॉ. नजमा हेपतुल्ला ने 8 जनवरी, 2021 को इस पुस्तक का विमोचन किया। पुस्तक में लेखक ने अपने सपनों और विचारों के साथ–साथ 'लैण्ड ऑफ एमराल्ड्स' मणिपुर के बारे में भी बताया है।

मोदी इण्डिया कॉलिंग–2021
(विजय जॉली)
16वें प्रवासी भारतीय दिवस (PBD) की पूर्व संध्या पर 'मोदी इण्डिया कॉलिंग–2021' नामक एक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया गया।
450 पन्नों की पुस्तक प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी की सैकड़ों तस्वीरों के साथ उनकी '107 विदेशी और द्विपक्षीय यात्राओं' से भरी हुई है।

COVID-19 सर्वहितकारी शरणसमरण
(कैलाश सत्यार्थी)
भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा और राज्यसभा के उप–सभापति हरिवंश नारायण सिंह की वस्तुतः COVID-19 : सर्वहितकारी सन्ताधन समधन (COVID-19 क्राइसिस ऑफ सिविलाइजेशन एण्ड सॉल्यूशन्स) शीर्षक से 24 दिसम्बर, 2020 को प्रकाशित पुस्तक है।

अटल बिहारी वाजपेयी इन पार्लियामेण्ट : ए कॉमेमोरेटिव वॉल्यूम
प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने 25 दिसम्बर, 2020 को पूर्व प्रधानमन्त्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयन्ती को चिह्नित करने के लिए एक पुस्तक संसद में 'अटल बिहारी वाजपेयीः एक स्मारक वॉल्यूम' जारी की।

अब्दुल कलाम के साथ 40 साल–अनकही कहानियाँ *(डॉ. ए. शिवथानु पिल्लई)*
उप–राष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के जीवन पर एक किताब '40 ईयर विद अब्दुल कलाम : अनटोल्ड स्टोरीज' शीर्षक से विमोचन किया।

द प्रेसिडेन्शियल ईयर्स
रूपा बुक्स ने घोषणा की कि संस्मरण, जिसका शीर्षक 'द प्रेसिडेन्शियल ईयर्स' है, को विश्व स्तर पर जनवरी, 2021 में जारी किया जाएगा।
'द प्रेसिडेन्शियल ईयर्स' प्रणब मुखर्जी के संस्मरणों का चौथा खण्ड है जिसमें राष्ट्रपति के रूप में उनको कार्यकाल के दौरान चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

नवीनतम कौन-क्या

राष्ट्रपति	रामनाथ कोविन्द
उप–राष्ट्रपति	एम. वेंकैया नायडू
प्रधानमन्त्री	नरेन्द्र मोदी

कैबिनेट मन्त्री

मन्त्री	मन्त्रालय
नरेन्द्र मोदी	प्रधानमन्त्री; कार्मिक, जन शिकायत और पेन्शन; परमाणु ऊर्जा विभाग; अन्तरिक्ष विभाग
राजनाथ सिंह	रक्षा
अमित शाह	गृह
निर्मला सीतारमण	वित्त; कॉर्पोरेट कार्य
एस. जयशंकर	विदेश
रमेश पोखरियाल	शिक्षा
नितिन गडकरी	सड़क परिवहन एवं राजमार्ग; सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम
डीवी सदानन्द गौड़ा	रसायन एवं उर्वरक
अर्जुन मुण्डा	जनजातीय कार्य
स्मृति ईरानी	महिला एवं बाल विकास; वस्त्र
थावर चन्द गहलोत	सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता
नरेन्द्र सिंह तोमर	कृषि एवं किसान कल्याण; ग्रामीण विकास; पंचायती राज; खाद्य प्रसंस्करण उद्योग
रविशंकर प्रसाद	कानून एवं न्याय; संचार; इलेक्ट्रॉनिक एवं IT
डॉ. हर्षवर्धन	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण; विज्ञान और प्रौद्योगिकी; पृथ्वी विज्ञान

मन्त्री	मन्त्रालय
प्रकाश जावड़ेकर	पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन; सूचना एवं प्रसारण; भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उद्यम
पीयूष गोयल	रेल; वाणिज्य एवं उद्योग; उपभोक्ता कार्य; खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण
धर्मेन्द्र प्रधान	पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस; इस्पात
मुख्तार अब्बास नकवी	अल्पसंख्यक कार्य
प्रह्लाद जोशी	संसदीय कार्य; कोयला; खान
डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय	कौशल विकास एवं उद्यमिता
गिरिराज सिंह	पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और मत्स्यपालन
गजेन्द्र सिंह शेखावत	जल शक्ति

राज्य मन्त्री (स्वतन्त्र प्रभार)

मन्त्री	मन्त्रालय
सन्तोष गंगवार	श्रम एवं रोजगार (स्वतन्त्र प्रभार)
राव इन्द्रजीत सिंह	सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन (स्वतन्त्र प्रभार); आयोजना (स्वतन्त्र प्रभार)
किरेन रिजिजू	युवा मामले एवं खेल; अल्पसंख्यक कार्य; आयुष (स्वतन्त्र प्रभार)
प्रह्लाद सिंह पटेल	संस्कृति; पर्यटन
जितेन्द्र सिंह	पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास (स्वतन्त्र प्रभार); प्रधानमन्त्री कार्यालय; कार्मिक, जनशिकायत और पेन्शन; परमाणु ऊर्जा विभाग; अन्तरिक्ष विभाग (राज्य मन्त्री)
राजकुमार सिंह	विद्युत; नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा; कौशल विकास एवं उद्यमिता
हरदीप सिंह पुरी	आवास एवं शहरी कार्य; नागरिक उड्डयन; वाणिज्य एवं उद्योग
मनसुख माण्डविया	जहाजरानी; रसायन एवं उर्वरक

राज्य मन्त्री

मन्त्री	मन्त्रालय
फग्गनसिंह कुलस्ते	इस्पात
अश्विनी चौबे	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
जनरल (सेवानिवृत्त) वीके सिंह	सड़क, परिवहन और राजमार्ग
कृष्ण पाल गुर्जर	सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता
दानवे रावसाहब दादाराव	उपभोक्ता मामले; खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण
जी. किशन रेड्डी	गृह
पुरुषोत्तम रूपाला	कृषि एवं किसान कल्याण
रामदास अठावले	सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता
साध्वी निरंजन ज्योति	ग्रामीण विकास
बाबुल सुप्रियो	पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन
संजीव कुमार बलियान	पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और मत्स्यपालन
धोत्रे संजय शामराव	शिक्षा; संचार; इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी
अनुराग सिंह ठाकुर	वित्त; कॉर्पोरेट कार्य
वी. मुरलीधरन	विदेश; संसदीय कार्य
रेणुका सिंह सरुता	जनजातीय कार्य
सोम प्रकाश	वाणिज्य एवं उद्योग
रामेश्वर तेली	खाद्य प्रसंस्करण उद्योग
प्रताप चन्द्र सारंगी	सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम; पशुपालन, दुग्ध उत्पादन एवं मत्स्यपालन
कैलाश चौधरी	कृषि एवं किसान कल्याण
देबाश्री चौधरी	महिला एवं बाल विकास
अर्जुन राम मेघवाल	संसदीय कार्य; भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उद्यम
रतन लाल कटारिया	जल शक्ति; सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता

राज्यपाल एवं मुख्यमन्त्री

राज्य	राज्यपाल	मुख्यमन्त्री
आन्ध्र प्रदेश	बिस्वभूसन हरिचन्दन	जगनमोहन रेड्डी
गोवा	भगत सिंह कोश्यारी	प्रमोद सावन्त
अरुणाचल प्रदेश	बीडी मिश्रा	पेमा खाण्डू
असम	जगदीश मुखी	सर्बानन्द सोनोवाल
गुजरात	आचार्य देव व्रत	विजय रूपाणी
कर्नाटक	वजुभाई आर. वाला	बीएस येदियुरप्पा

राज्य	राज्यपाल	मुख्यमन्त्री
केरल	आरिफ मोहम्मद खान	पी. विजयन
महाराष्ट्र	भगत सिंह कोश्यारी	उद्धव ठाकरे
मणिपुर	नजमा हेपतुल्ला	एन. बिरेन सिंह
मेघालय	सत्यपाल मलिक	कोनराड संगमा
मिजोरम	पीएस श्रीधरन पिल्लई	जोरमथांगा
नागालैण्ड	आरएन रवि	नेफियू रियो
ओडिशा	गणेशी लाल	नवीन पटनायक
सिक्किम	गंगा प्रसाद	प्रेम सिंह तमांग
तमिलनाडु	बनवारी लाल पुरोहित	ईके पलानीसामी
त्रिपुरा	रमेश बैस	बिप्लब कुमार देब
उत्तराखण्ड	बेबी रानी मौर्य	त्रिवेन्द्र सिंह रावत
प. बंगाल	जगदीप धनखड़	ममता बनर्जी
राजस्थान	कलराज मिश्र	अशोक गहलोत
उत्तर प्रदेश	आनन्दीबेन पटेल	योगी आदित्यनाथ
बिहार	फागू चौहान	नीतीश कुमार
पंजाब	वीपी सिंह बदनोर	अमरिन्दर सिंह
छत्तीसगढ़	अनुसूइया उइके	भूपेश बघेल
हिमाचल प्रदेश	बण्डारू दत्तात्रेय	जयराम ठाकुर
हरियाणा	सत्य नारायण आर्य	मनोहर लाल खट्टर
मध्य प्रदेश	आनन्दीबेन पटेल (अति. प्रभार)	शिवराज सिंह चौहान
तेलंगाना	तमिलिसाई सुन्दरराजन	के. चन्द्रशेखर राव
झारखण्ड	द्रौपदी मुर्मू	हेमन्त सोरेन

संघीय प्रदेशों का प्रशासन

संघीय प्रदेश	मुख्यमन्त्री	उप-राज्यपाल/ प्रशासक
जम्मू-कश्मीर	–	मनोज सिन्हा (उप-राज्यपाल)
लद्दाख	–	राधा कृष्ण माथुर (उप-राज्यपाल)
चण्डीगढ़	–	वीपी सिंह बदनोर (प्रशासक)
पुदुचेरी	वी. नारायणासामी	किरण बेदी (उप-राज्यपाल)
अण्डमान-निकोबार द्वीपसमूह	–	देवेन्द्र कुमार जोशी (उप-राज्यपाल)
दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव	–	प्रफुल्ल पटेल (प्रशासक)
लक्षद्वीप	–	प्रफुल्ल पटेल (प्रशासक)
दिल्ली	अरविन्द केजरीवाल	अनिल बैजल (उप-राज्यपाल)

संवैधानिक प्रमुख

पद	व्यक्तित्व
अध्यक्ष, लोकसभा	ओम बिड़ला
उप-सभापति, राज्यसभा	हरिवंश नारायण सिंह
नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक	गिरीश चन्द्र मुर्मू
अध्यक्ष, 15वाँ वित्त आयोग	एनके सिंह
अध्यक्ष, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग	राम शंकर कठेरिया
अध्यक्ष, राष्ट्रीय महिला आयोग	रेखा शर्मा
अध्यक्ष, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग	एचएल दत्तू
अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग	प्रदीप कुमार जोशी

सशस्त्र सेनाओं के प्रमुख

पद	व्यक्तित्व
चीफ ऑफ डिफेन्स स्टाफ	जनरल बिपिन रावत
थल सेनाध्यक्ष	जनरल मनोज मुकुन्द नरावने
नौसेनाध्यक्ष	एडमिरल करमबीर सिंह
वायु सेनाध्यक्ष	एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया

न्यायिक प्रमुख

पद	व्यक्तित्व
सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश	शरद अरविन्द बोबडे
लोकपाल अध्यक्ष	पिनाकी चन्द्र घोष
अटॉर्नी जनरल	केके वेणुगोपाल
सॉलिसिटर जनरल	तुषार मेहता

राष्ट्रीय संस्थाओं/संगठनों के प्रमुख

पद	व्यक्तित्व
मुख्य चुनाव आयुक्त	सुनील अरोड़ा
मुख्य सूचना आयुक्त	यशवर्द्धन सिन्हा
निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो	ऋषि कुमार शुक्ला
निदेशक, इण्टेलीजेन्स ब्यूरो	अरविन्द कुमार
निदेशक, रिसर्च एण्ड एनालिसिस विंग	सामन्त कुमार गोयल
निदेशक, नेशनल टेक्निकल रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन	अनिल धस्माना
अध्यक्ष, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण	वाईसी मोदी
अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड	सुनीत शर्मा
अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (AERB)	सी. नागेश्वर राव
गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक	शक्तिकान्त दास
अध्यक्ष, केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC)	एम. अजित कुमार
अध्यक्ष, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT)	प्रमोद चन्द्र मोदी
अध्यक्ष, भारतीय प्रतिभूति एवं विनियामक बोर्ड (SEBI)	अजय त्यागी
अध्यक्ष, केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (CBFC)	प्रसून जोशी
अध्यक्ष, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE)	मनोज आहूजा
निदेशक, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT)	ऋषिकेश सेनापति
अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC)	धीरेन्द्र पाल सिंह
उपाध्यक्ष, नीति आयोग	राजीव कुमार
चेयरमैन, भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC)	एमआर कुमार
अध्यक्ष, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (NABARD)	गोविन्द राजुलु चिन्तला
MD, राष्ट्रीय आवास बैंक (NHB)	सारदा कुमार होटा
अध्यक्ष, एसोसिएटेड चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज ऑफ इण्डिया (ASSOCHAM)	विनीत अग्रवाल
अध्यक्ष, भारतीय उद्योग परिसंघ (CII)	उदय कोटक

अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं/संगठनों के प्रमुख

पद	व्यक्तित्व
महासचिव, संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO)	एण्टोनियो गुटेरेस (पुर्तगाल)
महासचिव, दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (SAARC)	इसाला रूवान वीराकून (श्रीलंका)
अध्यक्ष, संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA)	वोल्कान बोजकिर (तुर्की)
महानिदेशक, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)	ट्रेडोस एधानॉम घेब्रेयेसस (इथियोपिया)
महानिदेशक, अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अभिकरण (IAEA)	राफेल ग्रॉसी (अर्जेण्टीना)
महानिदेशक, संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (UNESCO)	ऑद्रेय आजूले (फ्रांस)
महानिदेशक, अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)	क्रिस्टलिना जॉर्जिएवा (बल्गारिया)
अध्यक्ष, विश्व बैंक	डेविड मालपास (USA)
अध्यक्ष, न्यू डेवलपमेण्ट बैंक (NDB)	मार्कोस ट्रॉयजो (ब्राजील)
अध्यक्ष, यूरोपियन सेण्ट्रल बैंक	क्रिस्टीन लगार्डे (फ्रांस)
महानिदेशक, अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO)	गाय रायडर (ब्रिटेन)
महानिदेशक, UNICEF	हेनरिएता फोर (USA)

भारत का इतिहास

प्राचीन भारत

- भारत एक विशाल प्रायद्वीप है, जो तीनों ओर से समुद्र से घिरा है। इसे आर्यावर्त, ब्रह्मावर्त, हिन्दुस्तान तथा इण्डिया जैसे नामों से भी जाना जाता है।
- प्राचीन भूगोलवेत्ताओं ने इसकी स्थिति के लिए 'चतुःस्थानसंस्थितम्' शब्द का प्रयोग किया था।
- भारत की मूलभूत एकता के लिए **भारतवर्ष** नाम सर्वप्रथम पाणिनी की **अष्टाध्यायी** में आया है।
- देश का भारत नामकरण ऋग्वैदिक काल के प्रमुख जन 'भरत' के नाम पर किया गया।
- यूनानियों ने भारतवर्ष के लिए 'इण्डिया' शब्द का प्रयोग किया, जबकि मध्यकालीन लेखकों ने इस देश को 'हिन्द' अथवा 'हिन्दुस्तान' नाम से सम्बोधित किया।

ऐतिहासिक स्रोत

- प्राचीन भारतीय इतिहास के अध्ययन के *मुख्यतः तीन स्रोत हैं* 1. पुरातात्त्विक साक्ष्य, 2. साहित्यिक साक्ष्य एवं 3. विदेशियों के वृत्तान्त

1. पुरातात्त्विक साक्ष्य

प्राचीन भारत के अध्ययन के लिए पुरातात्त्विक साक्ष्यों का विशेष महत्त्व है। ये कालक्रम का सही ज्ञान प्रदान करने वाले साक्ष्य हैं। पुरातात्त्विक साक्ष्यों में अभिलेख, सिक्के, स्मारक/भवन, मूर्तियाँ तथा चित्रकला प्रमुख हैं।

अभिलेख/शिलालेख

- अभिलेखों के अध्ययन को पुरालेखशास्त्र कहा जाता है।
- **बोगजकोई अभिलेख** (एशिया माइनर) 1400 ई.पू. का है, जिससे आर्यों के ईरान से पूर्व की ओर आने का साक्ष्य मिलता है। इस अभिलेख में वैदिक देवताओं इन्द्र, मित्र, वरुण तथा नासत्य का उल्लेख मिलता है।
- **महास्थान तथा साहगौरा** के अभिलेख चन्द्रगुप्त मौर्य के शासनकाल के हैं। साहगौरा अभिलेख में सूखा पीड़ित प्रजा को राहत देने की बात कही गई है।
- **महास्थान** अभिलेख से चन्द्रगुप्त मौर्य के समय के ग्रामीण प्रशासन की जानकारी मिलती है।
- **मास्की तथा गुर्जरा** में स्थापित अभिलेखों में अशोक के नाम का स्पष्ट उल्लेख है। नेत्तुर तथा उड्डेगोलम के अभिलेखों में भी अशोक के नाम का उल्लेख है।
- अशोक के अभिलेखों को सबसे पहले पढ़ने का श्रेय **जेम्स प्रिंसेप** को है। 1837 ई. में जेम्स प्रिंसेप ने ब्राह्मी लिपि में उत्कीर्ण अशोक के अभिलेखों को पढ़ने में सफलता पाई।
- अशोक के प्रयाग अभिलेख पर ही समुद्रगुप्त की प्रशस्ति भी उत्कीर्ण है। समुद्रगुप्त की यह प्रशस्ति उसके राजकवि **हरिषेण** ने उत्कीर्ण की।
- रुद्रदामन का जूनागढ़ अभिलेख संस्कृत का पहला अभिलेख है। इसमें सुदर्शन झील के निर्माण एवं मरम्मत का उल्लेख मिलता है।
- कलिंग के शासक खारवेल ने हाथीगुम्फा अभिलेख उत्कीर्ण कराया, जिससे उसके जैन मतावलम्बी होने का पता चलता है।
- महरौली स्तम्भ चन्द्रगुप्त द्वितीय से सम्बन्धित है; इसमें **चन्द्र** नामक शासक का उल्लेख मिलता है।
- स्कन्दगुप्त के भितरी अभिलेख में हूणों के आक्रमण की चर्चा है। भानुगुप्त के एरण अभिलेख (मध्य प्रदेश के एरण से प्राप्त) में **सती-प्रथा** का प्रथम साक्ष्य मिलता है। इस अभिलेख में 510 ई. का स्पष्ट उल्लेख भी है।
- **नासिक अभिलेख** में सातवाहन शासक गौतमीपुत्र शातकर्णी को ब्राह्मणों का संरक्षक मानते हुए 'एक ब्रह्मण' (अद्वितीय ब्राह्मण) कहा गया है।
- पुलकेशिन द्वितीय के ऐहोल अभिलेख को रविकीर्ति ने लिखा है। इसमें हर्ष एवं पुलकेशिन के संघर्ष का वर्णन मिलता है। यह संघर्ष 512 ई.में हुआ था।

सिक्के

- सिक्कों के अध्ययन को **न्यूमेस्मैटिक्स** या **मुद्राशास्त्र** कहा जाता है।
- भारत के प्राचीनतम सिक्कों पर केवल चिह्न उत्कीर्ण है कोई लेख नहीं है। इन्हें **पंचमार्क्ड** या **आहत सिक्के** कहा गया। आहत सिक्कों को ऐतिहासिक ग्रन्थों में **कार्षापण** कहा गया था, जो अधिकांशतः चाँदी के थे।
- शासकों की आकृति वाले सिक्कों का प्रचलन सर्वप्रथम **हिन्द-यूनानी शासकों** के समय प्रारम्भ हुआ। शक, पहलव तथा कुषाण शासकों ने ऐसे ही सिक्के चलाए।
- भारत में सबसे पहले स्वर्ण सिक्के **हिन्द-यूनानी** शासकों ने चलाए।
- **कनिष्क** के सिक्कों से पता चलता है कि वह बौद्ध धर्म का अनुयायी था।
- चन्द्रगुप्त II ने शकों पर जीत के उपलक्ष्य में चाँदी के सिक्के चलाए। चाँदी के सिक्के प्रायः पश्चिमी भारत में प्रचलित थे।
- समुद्रगुप्त के एक सिक्के में उसे **वीणा** बजाते हुए दर्शाया गया है। कुछ गुप्तकालीन सिक्कों पर 'अश्वमेघ पराक्रमः' शब्द उत्कीर्ण है।
- सर्वाधिक शुद्ध स्वर्ण मुद्राएँ कुषाणों ने तथा सबसे अधिक स्वर्ण मुद्राएँ गुप्तों ने जारी कीं।
- कई गणराज्यों–पांचाल, मालवा तथा यौधेय का पूरा इतिहास सिक्कों के आधार पर सामने आया है, जबकि हर्ष, चालुक्य, राष्ट्रकूट, पाल तथा प्रतिहारों के सिक्के नगण्य संख्या में प्राप्त हुए हैं।
- भारत के विभिन्न भागों विशेषकर **अरिकामेडु** में रोमन सिक्के काफी मात्रा में प्राप्त हुए हैं।

स्मारक/भवन

- **स्तूप** की पहली चर्चा ऋग्वेद में मिलती है। बौद्ध विहार तथा स्तूपों का निर्माण 4-5वीं शताब्दी ई.पू. के बाद ही हुआ था।
- पटना के **कुम्हरार** से चन्द्रगुप्त मौर्य के राजप्रासाद के अवशेष प्राप्त हुए हैं।
- अशोक ने **बराबर की पहाड़ी** में तीन गुफाओं का निर्माण कर उन्हें आजीवक सम्प्रदाय के अनुयायियों को प्रदान किया था। ये गुफाएँ थीं सुदामा गुफा, कर्ण चौपड़ तथा विश्व झोंपड़ी।
- अशोक के उत्तराधिकारी **दशरथ** ने भी लोमश ऋषि तथा गोपिका नामक गुफाओं का निर्माण नागार्जुनी पहाड़ी में कराकर आजीवक साधुओं को दान में दिया था।
- मन्दिर निर्माण की नागर, वेसर तथा द्रविड़ शैलियाँ प्रचलित थीं। मन्दिरों का निर्माण गुप्त काल से प्रारम्भ हो चुका था।
- **कम्बोडिया** के **अंकोरवाट** मन्दिर तथा जावा के बोरोबुदूर मन्दिर से भारतीय संस्कृति के दक्षिण एशिया में प्रसार का पता चलता है। बोरोबुदूर मन्दिर का निर्माण सम्भवतः नौवीं शताब्दी में हुआ था।

मूर्तियाँ/चित्रकला

- कुषाण काल में बौद्ध धर्म से सम्बन्धित मूर्तियों का निर्माण होने लगा, जिन पर विदेशी प्रभाव देखा जा सकता है।
- बुद्ध की प्राचीनतम मूर्तियाँ गान्धार कला में बनाई गई हैं। भरहुत, बोधगया, साँची तथा अमरावती से प्राचीन बौद्ध प्रतिमाएँ प्राप्त हुई हैं।
- कुषाणकाल में मूर्ति निर्माण की गांधार तथा मथुरा निर्माण कला प्रचलित थी। गांधार कला पर यूनानी प्रभाव अधिक व्याप्त था।
- अजन्ता की गुफाओं के चित्र प्रथम शताब्दी ई.पू. से लेकर सातवीं शताब्दी तक के पाए जाते हैं। इनमें गुप्तकालीन चित्र अत्युत्कृष्ट हैं। **बाघ** की गुफाओं के चित्र गुप्तकालीन हैं।

2. साहित्यिक साक्ष्य

- साहित्यिक साक्ष्य दो प्रकार के होते हैं— धार्मिक एवं धर्मनिरपेक्ष।
- धार्मिक साहित्यिक साक्ष्यों के अन्तर्गत वेद, वेदांग, उपनिषद्, ब्राह्मण, आरण्यक, पुराण, रामायण, महाभारत, स्मृति ग्रन्थ तथा बौद्ध एवं जैन साहित्य आदि को सम्मिलित किया जाता है, जबकि व्यक्तिगत या राजा के संरक्षण में लिखी गई पुस्तकें जैसे– अर्थशास्त्र, राजतरंगिनी, अष्टाध्यायी आदि को धर्मनिरपेक्ष साहित्यिक साक्ष्यों में रखा जाता है।
- **वेदों** की संख्या चार हैं— ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद। वेदांग के अन्तर्गत शिक्षा, कल्प, ज्योतिष, व्याकरण, निरुक्त तथा छन्द आते हैं।
- यजुर्वेद कर्मकाण्ड प्रधान है। सामवेद में संगीत का प्रथम साक्ष्य मिलता है।
- **श्रौत सूत्र** में यज्ञ सम्बन्धी, गृह्य सूत्र में लौकिक एवं पारलौकिक कर्त्तव्यों तथा धर्म सूत्र में धार्मिक, सामाजिक एवं राजनीतिक कर्त्तव्यों का उल्लेख मिलता है।

वेद

ऋग्वेद	यह ऋचाओं का संग्रह है।
सामवेद	यह गीति-रूप मन्त्रों का संग्रह है और इसके अधिकांश गीत ऋग्वेद से लिए गए हैं।
यजुर्वेद	इसमें यज्ञानुष्ठान के लिए विनियोग वाक्यों का समावेश है।
अथर्ववेद	यह तन्त्र-मन्त्रों का संग्रह है।

- **बौद्ध ग्रन्थों** में त्रिपिटक, निकाय तथा जातक आदि प्रमुख हैं। बौद्ध ग्रन्थ दीपवंश, महावंश से मौर्यकालीन पर्याप्त जानकारी मिलती है। नागसेन रचित **मिलिन्दपन्हो** से हिन्द यवन शासक मिनाण्डर के विषय में सूचना मिलती है।
- बौद्ध तथा जैन ग्रन्थों से तत्कालीन सामाजिक, सांस्कृतिक तथा आर्थिक परिस्थितियों का ज्ञान होता है।
- **जातक ग्रन्थों** में बुद्ध तथा बोधिसत्वों के जीवन की चर्चा है। **कथावस्तु** में बुद्ध के जीवन से सम्बन्धित कथानकों का विवरण मिलता है।
- जैन साहित्य **आगम** कहलाते हैं। जैन आगमों में सबसे महत्त्वपूर्ण **अंग** है। अंगों की संख्या बारह है। जैन आगमों को वर्तमान स्वरूप को 512 ई. में **वल्लभी** में आयोजित जैन संगीति में प्रदान किया गया।
- **जैन ग्रन्थों** में परिशिष्टपर्वन, भद्रबाहुचरित, आचारांग सूत्र, भगवती सूत्र, कल्पसूत्र आदि से अनेक ऐतिहासिक सामग्रियाँ मिलती हैं।
- जैन-ग्रन्थ भगवती सूत्र में महावीर स्वामी के जीवन तथा सोलह महाजनपदों का वर्णन है।
- शुंगकाल में **पतंजलि** ने पाणिनी की अष्टाध्यायी पर महाभाष्य लिखा, जिससे मौर्योत्तरकालीन व्यवस्था की जानकारी मिलती है। पतंजलि, पुष्यमित्र शुंग के पुरोहित थे।
- अष्टाध्यायी संस्कृत व्याकरण का पहला ग्रन्थ है, जिसकी रचना **पाणिनी** ने की थी। इसमें पूर्व मौर्यकाल की सामाजिक दशा का चित्रण मिलता है।
- अर्थशास्त्र **कौटिल्य** द्वारा रचित है, जिसे चाणक्य तथा विष्णुगुप्त के नाम से भी जाना जाता है।
- अर्थशास्त्र में मौर्यकालीन राजव्यवस्था का स्पष्ट चित्रण मिलता है। यह राजकीय व्यवस्था पर लिखी गई पहली पुस्तक है।
- संस्कृत भाषा में ऐतिहासिक घटनाओं का क्रमबद्ध लेखन कल्हण ने किया। कल्हण की **राजतरंगिणी** में कश्मीर के इतिहास का वर्णन है।

ऐतिहासिक ग्रन्थ/रचनाकार

ग्रन्थ	*रचनाकार*	*ग्रन्थ*	*रचनाकार*
कथासरित्सागर	सोमदेव	रामचरित	हेमचन्द्र
बृहत्कथामंजरी	क्षेमेन्द्र	कुमारपालचरित	जयसिंह
दशकुमारचरित	दण्डी	द्वयाश्रय काव्य	हेमचन्द्र
मृच्छकटिकम्	शूद्रक	नवसाहसांकच-रित	पद्मगुप्त
अर्थशास्त्र	कौटिल्य	पृथ्वीराज विजय	जयानक
हर्षचरित	बाणभट्ट	प्रबन्ध कोश	राजशेखर
गौड़वाहो	वाक्पति	प्रबन्धचिन्ता-मणि	मेरुतुंग
विक्रमांकदेव-चरित	बिल्हण	वसंतविलास	बालचन्द्र

3. विदेशियों के वृत्तान्त

विदेशियों के यात्रा वृत्तान्तों को तीन वर्गों में रखा जा सकता है—यूनान-रोम के लेखक, चीन के लेखक तथा अरब के लेखक।

यूनान–रोम के लेखक

- **हेरोडोटस** तथा **टीसियस** सबसे पुराने यूनानी इतिहासकार थे। हेरोडोटस को 'इतिहास का पिता' कहा जाता है। इनकी रचनाओं में कल्पित कहानियों को स्थान दिया गया है। टीसियस ईरान का राजवैद्य था।
- नियार्कस, आनेसिक्रिटस तथा एरिस्टोबुलस सिकन्दर के साथ भारत आए थे।
- मेगस्थनीज चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में सेल्यूकस का राजदूत था। उसने **इण्डिका** की रचना की। इसमें मौर्यकालीन समाज तथा प्रशासनिक व्यवस्था का विवरण मिलता है।
- **पेरिप्लस ऑफ द एरिथ्रियन सी** एक अज्ञात यूनानी लेखक की रचना है, जो मिस्र में आकर बस गया था। उसने 80 ई. में भारतीय समुद्र तट की यात्रा की थी। उसके विवरण में बन्दरगाहों के उल्लेख के साथ-साथ आयात-निर्यात की वस्तुओं का वर्णन मिलता है।
- **टॉलेमी** ने ज्योग्राफिका (140 ई.) की रचना की, जिसमें भारत के भौगोलिक परिदृश्य का विवरण मिलता है।
- प्लिनी ने **नेचुरल हिस्ट्री** की रचना की, इसमें भारत के विविध पक्षों का उपयोगी विवरण है। इसकी रचना पहली सदी ई. में हुई थी।
- **स्ट्रैबो** एक प्रसिद्ध यूनानी रचनाकार था, जिसने मेगास्थनीज के विवरण को काल्पनिक माना है और 'ज्योग्राफिका' नामक पुस्तक लिखी।

चीन के लेखक

फाह्यान पाँचवीं शताब्दी में गुप्त शासक चन्द्रगुप्त II के शासनकाल में भारत आया था। उसने भारत में बौद्ध धर्म की स्थिति का विवरण दिया है। फाह्यान की प्रसिद्ध रचना **फो-क्यो -की** है।

- **ह्वेनसांग** हर्षवर्द्धन के समय 629 ई. के लगभग भारत आया था तथा 16 वर्षों तक भारत में रहा। उसके यात्रा-वृत्तान्त में तत्कालीन राजनीति के साथ-साथ भारतीय रीति-रिवाज तथा शिक्षा-पद्धति का वर्णन मिलता है। उसका भ्रमण वृत्तान्त **सी-यू-की** नाम से प्रसिद्ध है।

- **इत्सिंग** सातवीं शताब्दी के अन्त में भारत आया था। उसने विक्रमशिला तथा नालन्दा विश्वविद्यालय में रहकर बौद्ध धर्म का अध्ययन किया। इत्सिंग ने बौद्ध शिक्षा संस्थाओं तथा भारतीयों की वेशभूषा, खानपान आदि के विषय में भी लिखा है।

अरब के लेखक

- **सुलेमान** नौवीं शताब्दी में भारत आया था। उसने पाल तथा प्रतिहार शासकों के बारे में लिखा है।
- **अल मसूदी** 914 ई. से 943 ई. तक भारत में रहा। उसने राष्ट्रकूट शासकों के साम्राज्यवादी विस्तार का विवरण दिया है।
- **अलबरूनी** का वास्तविक नाम अबू रिहान था। उसने तहकीक-ए-हिन्द (किताब-उल- हिन्द) की रचना की। वह महमूद गजनवी का समकालीन था।
- अलबरूनी ने संस्कृत भाषा का अध्ययन किया तथा भारतीय समाज का विस्तृत विवरण अपनी रचना में किया है।

प्राचीन भारत में विदेशी यात्री

विदेशी यात्री	*सम्भावित तिथि*	*तत्कालीन शासक*
मेगास्थनीज	305 ई.पू.	चन्द्रगुप्त मौर्य
हेलियोडोरस	78 ई.पू.	भागभद्र
फाह्यान	405 ई.	चन्द्रगुप्त द्वितीय
सुंगयुन	518 ई.	स्कन्दगुप्त
कॉसमॉस	547 ई.	ईशानवर्मन मौखरि
ह्वेनसांग	629 ई.	हर्षवर्द्धन
इत्सिंग	675 ई.	देवपाल
सुलेमान	838 ई.	मिहिरभोज
अलमसूदी	914 ई.	महिपाल

प्राक् इतिहास

- जिस समय के मनुष्यों के जीवन की जानकारी का कोई लिखित साक्ष्य नहीं मिलता, उसे **प्राक् इतिहास** या **प्रागैतिहास** कहा जाता है। प्राप्त अवशेषों से ही हम उस काल के जीवन को जानते हैं। इस समय के प्रमाण उनके औजार हैं, जो प्रायः पत्थरों से निर्मित हैं।
- ***होमो सैपियन्स*** (ज्ञानी मानव) का आविर्भाव तीस-चालीस हजार वर्ष पूर्व माना जाता है। उस समय मनुष्य जंगलों में निवास करता था।
- **ए. कनिंघम** को प्रागैतिहासिक पुरातत्त्व का जनक कहा गया है।
- औजारों की प्रकृति के आधार पर प्राक् इतिहास को तीन भागों में बाँटा जाता है—पुरा पाषाणकाल, मध्य पाषाणकाल तथा नव पाषाण काल।
- पश्चिमोत्तर भारत के **सोहन घाटी क्षेत्र** से पुरा पाषाण संस्कृति के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। यहाँ स्थित **चौंतरा** नामक स्थान से हस्तकुठार तथा शल्क पाए गए हैं।
- **मध्य पाषाण काल** में क्वाट्‌र्जाइट के औजार तथा हथियार बनाए जाते थे।
- प्रतापगढ़ (उ.प्र.) में स्थित सरायनाहर राय, महदहा तथा दमदमा भारत के सबसे पुराने ज्ञात मध्य पाषाणकालीन स्थल हैं।
- मध्य पाषाण कालीन स्थल बागौर (राजस्थान) तथा आदमगढ़ (मध्य प्रदेश) से पशुपालन का प्राचीनतम साक्ष्य प्राप्त होता है।
- स्थायी निवास का प्रारम्भिक साक्ष्य सराय नाहर राय एवं महदहा से स्तम्भ गर्त के रूप में मिलता है। भीमबेटका से चित्रकारी के प्राचीनतम साक्ष्य प्राप्त होते हैं।
- **आदमगढ़** की गुफाओं से गुफा चित्रकारी का प्रमाण मिला है, जिनमें आखेट, नृत्य तथा युद्ध गतिविधियों को चित्रित किया गया है।
- मध्यपाषाण काल के मनुष्यों ने अनुष्ठान के साथ शवों को दफनाने की प्रथा प्रारम्भ की थी। मध्य भारत की लेखनियों से ऐसा साक्ष्य प्राप्त होता है।
- नवपाषाण या नियोलिथिक शब्द का प्रयोग सबसे पहले **सर जॉन लुबाक** ने किया था।
- मध्य पाषाणकाल में **आग** तथा नवपाषाणकाल में **पहिए** का आविष्कार हुआ। नवपाषाणकाल की प्रमुख विशेषता खाद्य उत्पादन, पशुओं के उपयोग की जानकारी तथा स्थिर ग्राम्य जीवन का विकास था।
- **मेहरगढ़** (पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रान्त में स्थित) प्रसिद्ध नव पाषाणकालीन स्थल है, जहाँ 7000 ई.पू. में कृषि कार्य का प्राचीनतम साक्ष्य प्राप्त हुआ है। यहाँ से **गेहूँ** तथा **जौ** की खेती के प्रमाण मिले हैं।
- तीसरी सहस्राब्दि ई.पू. में **कश्मीर** में समृद्ध नव पाषाणकालीन स्थल बुर्जहोम एवं गुफ्फकराल का पता चला है।
- बुर्जहोम से स्तम्भ गर्त तथा गर्तगृह का साक्ष्य मिला है। मनुष्य के साथ कुत्ते, भेड़िये तथा जंगली बकरे के शवाधान भी प्राप्त हुए हैं।
- उत्तर प्रदेश के बेलन घाटी में स्थित **कोल्डीहवा** नामक स्थान से **चावल** की कृषि का साक्ष्य मिला है जो 7000-6000 ई.पू. का है।
- **चिरान्द** (बिहार) से हड्‌डी के नवपाषाणकालीन अनेक उपकरण पाए गए हैं, जो हिरण के सींगों के हैं। मनुष्य ने सर्वप्रथम कुत्तों को पालतू बनाया।

- मृद्भाण्ड के प्राचीनतम साक्ष्य चौपानीमाण्डो से प्राप्त हुए है।
- मनुष्य ने सबसे पहले जिस धातु का उपयोग आरम्भ किया वह **ताँबा** थी। ताँबे से जिस युग में औजार अथवा हथियार बनाए जाने, लगे उसे **ताम्र पाषाणकाल** कहा जाता है।

हड़प्पा सभ्यता/सिन्धु सभ्यता

- सिन्धु घाटी सभ्यता विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में से एक है। यह टिगरिस और यूफ्रेटस के तट पर स्थित मेसोपोटामिया, नील नदी के तट पर स्थित मिस्र की सभ्यता एवं ह्वांगहो के तट पर स्थित चीनी सभ्यता के समकालीन थी।
- सिन्धु घाटी सभ्यता भारतीय उपमहाद्वीप में प्रथम नगरीय क्रान्ति की अवस्था को दर्शाती है। 1921 ई. में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के अध्यक्ष जॉन मार्शल के निर्देशन में सर्वप्रथम हड़प्पा की खोज के कारण इसका नाम हड़प्पा सभ्यता पड़ा। **दयाराम साहनी** ने हड़प्पा स्थल की खुदाई कराई, जिसमें एक वृहद् नगरीय ढाँचे का अवशेष प्राप्त हुआ।
- इस सभ्यता के लिए साधारणतः तीन नामों का प्रयोग होता है— 'सिन्धु सभ्यता', 'सिन्धु घाटी की सभ्यता' और हड़प्पा सभ्यता।
- यह आद्य ऐतिहासिक काल के अन्तर्गत एक कांस्ययुगीन सभ्यता है।
- रेडियो कार्बन 'C-14' जैसी नवीन विश्लेषण पद्धति के द्वारा हड़प्पा सभ्यता का सर्वमान्य काल 2350 ई.पू. से 1750 ई.पू. को माना जाता है।
- 1922-23 ई. में **राखलदास बनर्जी** ने **मोहनजोदड़ो** स्थल की खुदाई के दौरान हड़प्पा से मिलते-जुलते अवशेष तथा अधिसंरचना को देखा।
- इसके उपरान्त पश्चिमोत्तर भारत के वृहद् क्षेत्र में विभिन्न स्थलों की खुदाई से विकसित सिन्धु सभ्यता का पता चला।
- हड़प्पा सभ्यता का क्षेत्र लगभग **12,99,600** वर्ग किमी में फैला पाया गया है। यह सभ्यता उत्तर में कश्मीर के माण्डा से दक्षिण में महाराष्ट्र के दैमाबाद तथा पश्चिम में बलूचिस्तान के सुत्कागेंडोर से पूर्व में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के आलमगीरपुर तक विस्तृत पाया गया है।

हड़प्पा सभ्यता : *प्रमुख स्थल, उत्खननकर्ता, वर्ष, नदी, स्थिति एवं प्राप्त साक्ष्य*

प्रमुख स्थल	*उत्खननकर्ता*	*वर्ष*	*नदी*	*स्थिति*	*प्राप्त साक्ष्य*
हड़प्पा	दयाराम साहनी	1921	रावी के बाएँ किनारे पर	मोण्टगोमरी (पाकिस्तान)	मुहरों पर एक शृंगी पशु, काँसे की इक्कागाड़ी, अन्नागार, शंख का बैल, कब्रिस्तान R-37.
मोहनजोदड़ो	राखालदास बनर्जी	1922	सिन्धु के दाहिने किनारे पर	लरकाना (पाकिस्तान)	तीन मुख वाले देवता (पशुपति), नर्तकी की काँस्य मूर्ति, विशाल अन्नागार व स्नानागार, सूती वस्त्र
चन्हूदड़ो	एन जी मजूमदार	1931	सिन्धु	सिन्ध (पाकिस्तान)	मनके बनाने के कारखाने, लिपिस्टिक का साक्ष्य, मिट्टी की बैलगाड़ी का साक्ष्य।
कालीबंगा	अमलानन्द घोष	1953	घग्घर (सरस्वती)	श्रीगंगानगर (राजस्थान)	जुते हुए खेत, नक्काशीदार ईंट, अग्निवेदिका, पकी मिट्टी का हल
कोटदीजी	फजल अहमद	1953	सिन्धु	खैरपुर (पाकिस्तान)	पत्थर के बाणाग्र, गहनों का जखीरा, पत्थर की नींव वाले घर, गर्तावास
रंगपुर	रंगनाथ राव	1953- 54	मादर	काठियावाड़ (गुजरात)	धान की भूसी, गेहूँ की खेती, घोड़े की मृणमूर्ति, कच्ची ईटों का दुर्ग
रोपड़	यज्ञदत्त शर्मा	1953-56	सतलज	रोपड़ (पंजाब)	मानव के साथ कुत्ते दफनाने का साक्ष्य, तांबे की कुल्हाड़ी, शंख की चूड़ियाँ
लोथल	रंगनाथ राव	1955-63	भोगवा	अहमदाबाद (गुजरात)	बन्दरगाह (डॉकयार्ड), हाथीदाँत का पैमाना, युग्म शवाधान, चावल के दाने, खिलौना
बनावली	रवीन्द्र सिंह बिष्ट	1973	सरस्वती नदी	हिसार (हरियाणा)	मिट्टी से बना हल का खिलौना, जौ, स्वर्ण पट्ट, मिट्टी के मनके, मछली पकड़ने की बंसी।

- इसके अवशेष भारत, पाकिस्तान तथा अफगानिस्तान तक फैले हैं। भारत के गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब में हड़प्पा सभ्यता स्थलों का पता चला है।

सामाजिक जीवन

- हड़प्पाई लोगों का जीवन सुविधापूर्ण तथा ऐश्वर्यशाली था। सामाजिक व्यवस्था का मुख्य आधार **परिवार** था। यहाँ निवास करने वाले लोग मुख्यतः भूमध्य सागरीय तथा द्रविड़ मूल के थे।
- मातृदेवी की पूजा तथा मुहरों पर अंकित चित्रों से यह परिलक्षित होता है कि हड़प्पा समाज सम्भवतः मातृसत्तात्मक था। मोहनजोदड़ो से नर्तकी की एक काँस्य-आकृति प्राप्त हुई है। हड़प्पा के मिट्टी के बर्तनों पर सामान्यतः लाल रंग का प्रयोग हुआ था।
- समाज को व्यवसाय के आधार पर विद्वान् (पुरोहित), योद्धा, व्यापारी तथा श्रमिक (शिल्पकार) के रूप में चार भागों में विभाजित किया गया है।
- लोग शाकाहारी तथा मांसाहारी दोनों थे। गेहूँ, जौ, तिल, दालें मुख्य खाद्यान्न थे। उत्तर अवस्था में चावल के प्रमाण भी मिलने लगे थे।
- स्त्री तथा पुरुषों में बहुमूल्य धातुओं से बने आभूषणों के प्रति आकर्षण देखने को मिलता है। सोने, चाँदी, हाथीदाँत, ताम्र तथा सीपियों से निर्मित आभूषण प्रचलित थे। मनकों के हार सामान्य रूप से प्रचलित थे। **मनका निर्माण** की कार्यशाला (फैक्ट्री) चन्हूदड़ो में अवस्थित थी। यहाँ से सौन्दर्य प्रसाधन की सामग्रियों के अवशेष भी प्राप्त हुए हैं।
- सिन्धुकालीन स्थल **चन्हूदड़ो** से एक ईंट पर बिल्ली का पीछा करते हुए कुत्ते के पंजों के निशान मिले हैं।
- आग में पकी मिट्टी को **टेराकोटा** कहा जाता था।
- सिन्धु घाटी के नगरों में किसी भी मन्दिर के अवशेष नहीं मिले हैं।
- **मछली पकड़ना** तथा **शिकार करना** हड़प्पा सभ्यता के निवासियों का दैनिक क्रिया-कलाप था। शतरंज जैसा खेल यहाँ प्रचलित था। यहाँ के निवासी आमोद-प्रमोद प्रेमी थे।
- मिट्टी के बर्तनों के अतिरिक्त ताम्र तथा काँस्य के बर्तनों का उपयोग भी हड़प्पाई लोगों द्वारा किया जाता था।

धार्मिक जीवन

- धार्मिक रूढ़ियों एवं कर्मकाण्डों को महत्त्व दिया जाता था। मूर्तियों एवं ताबीजों के अतिरिक्त मुहरों पर अंकित चित्रों से पशु पूजा, वृक्ष पूजा इत्यादि की प्रवृत्ति सामने आती है।
- सिन्धु घाटी के लोग मातृशक्ति में विश्वास करते थे।
- मातृ देवी तथा पशुपति शिव की मूर्तियों तथा आकृतियों से इनकी आराधना की प्रवृत्ति स्पष्ट होती है।
- मोहनजोदड़ो से प्राप्त एक मुहर पर **पशुपति शिव की मूर्ति** उत्कीर्ण है, जिसके दाईं ओर चीता और हाथी तथा बाईं ओर गैंडा और भैंसा उत्कीर्ण हैं। आसन के नीचे दो हिरण बैठे हुए हैं। सिर पर त्रिशूल जैसा आभूषण है। इससे पशुपति शिव की पूजा के प्रचलन का पता चलता है।
- **कूबड़वाला बैल** तथा **शृंगयुक्त पशु** पवित्र पशु थे।
- हड़प्पा से पकी मिट्टी की स्त्री मूर्तिकाएँ भारी संख्या में मिली हैं। एक मूर्तिका में स्त्री के गर्भ से निकलता एक पौधा दिखाया गया है।
- **लिंग पूजा** प्रचलित थी। लोग अन्धविश्वास तथा जादू-टोना में विश्वास करते थे।
- अग्नि कुण्ड का साक्ष्य **कालीबंगा** से प्राप्त हुआ है। **स्वास्तिक, चक्र** तथा **क्रॉस** हड़प्पा सभ्यता की देन है।
- मृतकों के अन्तिम संस्कार की तीन विधियाँ प्रचलित थीं। *ये हैं*—पूर्ण समाधीकरण, आंशिक समाधीकरण तथा दाह-संस्कार।

क्विक डाइजेस्ट

- स्वातन्त्र्योत्तर भारत में सबसे अधिक संख्या में हड़प्पायुगीन स्थलों की खोज **गुजरात** प्रान्त में हुई।
- भारत में **चाँदी** की उपलब्धता के प्राचीनतम साक्ष्य हड़प्पा संस्कृति में मिलते हैं।
- सिन्धु सभ्यता की मुद्रा में **आद्य शिव** के समतुल्य चित्रांकन मिलता है।
- मोहनजोदड़ो स्नानागार के पूर्व में स्थित **स्तूप** का निर्माण कुषाण काल में किया गया।
- सिन्धु सभ्यता में **कुम्भकारों** के भट्ठों के अवशेष मोहनजोदड़ो से मिले हैं।

- **पूर्ण समाधीकरण** की प्रविधि ही अधिक प्रचलित थी। हड़प्पा तथा मोहनजोदड़ो से समाधीकरण के साक्ष्य मिले हैं।
- मोहनजोदड़ो का शाब्दिक अर्थ **मृतकों का टीला** है। कालीबंगा का शाब्दिक अर्थ काले रंग की चूड़ियाँ होता है।

आर्थिक जीवन

- हड़प्पा सभ्यता में उपजाए जाने वाली नौ फसलों की अब तक पहचान हुई है। गेहूँ, जौ के अतिरिक्त कपास, तरबूज तथा मटर भी उपजाए जाते थे।
- कपास को यूनानी लोग **सिन्डॉन** कहते हैं, क्योंकि इसके उपज की पहली जानकारी सिन्धु सभ्यता से प्राप्त हुई है।
- कृषि में **हल** का प्रयोग खेतों की जुताई के लिए किया जाता था।

- सिन्धु सभ्यता में कोई फावड़ा या फाल नहीं मिला है, परन्तु कालीबंगा मे हड़प्पा-पूर्व अवस्था में कृड़ो (हल रेखा) से ज्ञात होता है कि हड़प्पा काल में राजस्थान के खेतों में हल जोते जाते थे जो संभवतः लकड़ी के होते थे।
- व्यवस्थित सिंचाई का प्रमाण नहीं मिला है, किन्तु जल-संग्रह के लिए बाँधों के निर्माण का साक्ष्य **धौलावीरा** से प्राप्त हुआ है।
- धातुकर्म की जानकारी हड़प्पा सभ्यता के लोगों को थी। ताँबा तथा टिन मिश्रण से काँस्य निर्माण की प्रविधि उन्हें ज्ञात थी। बन्द ढलाई तथा लुप्त मोम प्रक्रिया से धातुओं से वस्तुएँ बनाई जाती थीं।
- माप-तौल के मानकीकरण को स्थापित किया गया था। फुट तथा क्यूबिक की जानकारी लोगों को थी। माप के लिए दशमलव प्रणाली तथा तौल के लिए द्वि-भाजन प्रणाली के साक्ष्य विभिन्न स्थलों से प्राप्त हुए हैं। **लोथल** से हाथीदाँत का एक पैमाना मिला है।
- मुहरों पर चित्रित जहाजों के डिजाइन हैं। **लोथल** से गोदीबाड़ा का साक्ष्य, फारस की मुहरें बाह्य व्यापार का संकेत देती हैं। **कालीबंगा** से मेसोपोटामिया की बेलनाकार मुहरें भी प्राप्त हुई हैं। अधिकांश मुहरें सेलखड़ी की बनी थीं।
- हड़प्पा सभ्यता के लोग आन्तरिक तथा बाह्य व्यापार में संलग्न थे। आन्तरिक व्यापार बैलगाड़ी के माध्यम से संचालित होता था।
- मेसोपोटामिया के साक्ष्यों में हड़प्पा स्थलों के लिए **मेलूहा** शब्द प्रयुक्त हुआ है। इन स्थलों का बाह्य व्यापार फारस की खाड़ी, मेसोपोटामिया अफगानिस्तान तथा तुर्कमेनिस्तान से भी होता था।
- हड़प्पा सभ्यता में वस्तु विनिमय प्रणाली प्रचलित थी। **तौल** की इकाई सम्भवतः 16 के अनुपात में थी।
- कृषि तथा वाणिज्य-व्यापार के अतिरिक्त, बढ़ईगिरी शिल्प कर्म, आभूषण निर्माण, चाक पर मिट्टी के बर्तन बनाना जैसी व्यावसायिक पद्धतियाँ भी हड़प्पा सभ्यता स्थलों में प्रचलित थीं।
- खुदाई में प्राप्त कताई-बुनाई के उपकरणों (तकली, सुई आदि) से पता चलता है कि कपड़ा बुनना एक प्रमुख उद्योग था।

आयातित वस्तुएँ

वस्तुएँ	*स्थल/क्षेत्र*	*वस्तुएँ*	*स्थल/क्षेत्र*
सोना	कर्नाटक, अफगानिस्तान	गोमेद	सौराष्ट्र (*गुजरात*)
चाँदी	ईरान, अफगानिस्तान	लाजवर्द मणि	बदख्शां (*अफगानिस्तान*)
ताँबा	खेतड़ी (राजस्थान), बलूचिस्तान	टिन	मध्य एशिया, अफगानिस्तान
सीसा	राजस्थान, ईरान, अफगानिस्तान	सेलखड़ी	बलूचिस्तान, राजस्थान, गुजरात

नगरीय योजना

- हड़प्पा सभ्यता क्षेत्रों में उत्खनन के बाद प्राप्त स्थलों में नगरीकरण के अवशेष मिले हैं। भवनों के निर्माण में एकरूपता के दर्शन होते हैं।
- हड़प्पा सभ्यता स्थल से प्राप्त नगरीय अवशेष प्रायः दो भागों में विभाजित हैं—ऊपरी तथा निम्न भाग। ऊपरी भाग **दुर्गीकृत** है, जिसमें राजकीय इमारतें, खाद्य भण्डार गृह इत्यादि निर्मित हैं, जबकि निम्न भाग में छोटे भवनों के साक्ष्य मिले हैं।
- सभी भवन समान क्षेत्रफल में निर्मित हैं। ये सड़कों के किनारे एक आधार पर निर्मित हैं तथा भवनों के दरवाजे गलियों की ओर खुलते हैं।
- यहाँ के निवासियों ने नगरों तथा घरों के विन्यास के लिए **ग्रीड पद्धति** अपनाई।
- प्रत्येक सड़क एक-दूसरे को समकोण पर काटती थी। सड़क तथा गली के दोनों ओर पक्की नालियाँ निर्मित थी। मकानों की खिड़कियाँ मुख्य सड़क की तरफ न खुल कर पीछे गली में खुलती थी। लोथल इसका अपवाद है। मुख्य सड़क की चौड़ाई 10 मीटर होती थी। इसे राजपथ कहा जाता था।
- भवनों का निर्माण पक्की ईंटों से हुआ है। हड़प्पा सभ्यता में जल निकास प्रणाली इसके शहरीकरण की प्रमुख विशेषता बताती है, जो इसके समकालीन **मिस्र** तथा **मेसोपोटामिया** की सभ्यता में अनुपस्थित थे।
- सभी भवनों में स्नानागार बनाए जाते थे तथा इनसे पानी के निकास के लिए पाइपों का निर्माण किया गया था।
- **मोहनजोदड़ो** से एक **विशाल स्नानागार** का साक्ष्य मिला है, जिसके मध्य स्थित स्नानकुण्ड 11.88 मी लम्बा, 7.01 मी चौड़ा तथा 2.43 मी गहरा है। इसका उपयोग सम्भवतः आनुष्ठानिक क्रिया-कलापों के लिए किया जाता था।
- गुजरात में स्थित **धौलावीरा** हड़प्पा सभ्यता का एक वृहद् स्थल है, यह नगरीय स्थल अन्य स्थलों की भाँति दो भागों में नहीं बल्कि तीन भागों में विभक्त है।
- धौलावीरा के दो भाग **दुर्गीकृत** हैं। यहाँ पत्थरों से निर्मित एक प्रवेश-द्वार तथा पॉलिशदार श्वेत पाषाण खण्ड भी मिला है।
- लोथल एवं सुरकोटदा के दुर्ग और नगर एक ही रक्षा प्राचीर से घिरे हैं।

लिपि तथा लेखन कला

- सैन्धवकालीन मुहरों से लिपि तथा धर्म की जानकारी मिलती है।
- सिन्धु लिपि (हड़प्पा सभ्यता में प्रचलित लिपि) **चित्राक्षर लिपि** थी, जिसमें चित्रों के माध्यम से सम्प्रेषण होता था। इस लिपि को पढ़ने में अभी तक सफलता नहीं मिली है।
- इस सिन्धु लिपि में 64 मूल चिह्न तथा 250 से 400 तक चित्राक्षर (पिक्टोग्राफ) हैं। इनका अंकन **सेलखड़ी** की आयताकार मुहरों, ताम्र की गुटिकाओं इत्यादि पर हुआ है।
- लिखावट प्रायः दाईं से बाईं ओर है। इसे **बोस्ट्रोफेडन लिपि** भी कहा जाता है।
- लिपि में सबसे ज्यादा प्रयोग U आकार का तथा सबसे ज्यादा प्रचलित चिह्न मछली का है।
- हड़प्पा लिपि का सबसे पुराना नमूना 1853 में मिला था और 1923 ई. तक पूरी लिपि प्रकाश में आ गई, किन्तु इसे अभी तक पढ़ा नहीं जा सका है।

सिन्धु सभ्यता के पतन के कारण

- 1800 ई.पू. के आस-पास हड़प्पा सभ्यता बिखर गई। विद्वानों ने इसके पतन के कई कारण बताए हैं
- **आर्यों का आक्रमण**—ह्वीलर, स्टुअर्ट पिग्गट, गार्डन चाइल्ड
- **बाढ़**—मार्शल, मैके, एस.आर.राव
- **जलवायु परिवर्तन**—आरेल स्टाईन, ए.एन. घोष
- **जलप्लावन**—एम.आर. साहनी
- **महामारी, बीमारी**—के.यू.आर. केनेडी
- **पारिस्थितिक असंतुलन**—फेयर सर्विस

वैदिक काल

- आर्यों के द्वारा निर्मित सामाजिक-सांस्कृतिक तथा आर्थिक व्यवस्था वैदिक संस्कृति के रूप में जानी जाती है। 1500 ई.पू. से 600 ई.पू. के कालखण्ड को वैदिक काल कहा जाता है।
- इस सभ्यता के संस्थापक आर्य थे, इसलिए इसे आर्य सभ्यता भी कहा जाता है।
- यहाँ आर्य शब्द का अर्थ है श्रेष्ठ, उत्तम, उदात्त, अभिजात्य, कुलीन, उत्कृष्ट एवं स्वतन्त्र आदि।
- ईरान की पवित्र पुस्तक जेन्दावेस्ता तथा बोगजकोई अभिलेख से स्पष्ट होता है कि आर्य ईरान से होकर भारत आए थे। भारत आकर जिस क्षेत्र में बसे उसे **सप्त सैन्धव प्रदेश** कहा जाता है।
- आर्यों के जीवन को समझने के लिए वैदिक काल को दो भागों में बाँटा जाता है। 1500 ई.पू. से 1000 ई.पू. के. कालखण्ड को 'ऋग्वैदिक' या 'पूर्व वैदिक काल', जबकि 1000 ई.पू. से 600 ई.पू. तक के कालखण्ड को 'उत्तर वैदिक काल' कहा जाता है।

ऋग्वैदिक काल

- ऋग्वैदिक काल (1500 ई.पू. से 1000 ई.पू.) की जानकारी का स्रोत ऋग्वेद है। इस समय वैदिक आर्य अस्थायी जीवन व्यतीत करते थे। यह एक ग्रामीण व्यवस्था के अंग थे।
- ऋग्वेद आर्यों ने जिस विस्तृत क्षेत्र का निर्माण किया उसे सप्त सैन्धव प्रदेश कहा गया। इस क्षेत्र में प्रमुख सात नदियाँ प्रवाहित हैं। ये नदियाँ हैं—सिन्धु, सतलज, रावी, चिनाब, झेलम, व्यास तथा सरस्वती।
- ऋग्वेद में इस क्षेत्र को **ब्रह्मावर्त** भी कहा गया है। ऋग्वेद में हिमालय की चोटी को **मूजवन्त** कहा गया है।
- ऋग्वेद में शर्ध, व्रत तथा गण सैनिक इकाइयों का उल्लेख है। पथी-कृत का प्रयोग अग्नि देव के लिए किया गया है। इस काल में राजा की कोई नियमित सेना नहीं थी।

सामाजिक संरचना

- ऋग्वैदिक सामाजिक संरचना का आधार परिवार था। परिवार **पितृसत्तात्मक** था। परिवार के मुखिया को **कुलप** कहा जाता था, जिसे अन्य सदस्यों से अधिक महत्त्व प्राप्त होता था।
- पितृ प्रधान समाज में महिलाओं को उचित सम्मान दिया जाता था। महिलाएँ अधिक स्वच्छन्द तथा स्वतन्त्र जीवन-यापन करती थीं। उन्हें पारिवारिक जीवन में यथोचित महत्त्व मिलता था।
- महिलाओं को शिक्षा प्राप्त करने तथा राजनीतिक संस्थाओं में शामिल होने की स्वतन्त्रता भी प्राप्त थी। ऋग्वैदिक काल में **अपाला, सिकता, घोषा, विश्ववारा, लोपामुद्रा** जैसी विदुषी महिलाओं का उल्लेख है।
- ऋग्वैदिक समाज एक कबीलाई समाज था। ऋग्वैदिक काल में वर्ण व्यवस्था के चिह्न दिखाई देते हैं। ऋग्वेद के पुरुषसूक्त में चार वर्णों—ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य तथा शूद्र की चर्चा मिलती है, किन्तु तब यह विभाजन जन्ममूलक न होकर कर्ममूलक था।
- इसमें कहा गया है कि ब्राह्मण परम-पुरुष के मुख से, क्षत्रिय उसकी भुजाओं से, वैश्य उसकी जाँघों से एवं शूद्र उसके पैरों से उत्पन्न हुआ है।
- ऋग्वेद में कुल 10 मंडल हैं। ऋग्वेद के ऋषियों में प्रमुख गृत्समद, विश्वामित्र, वामदेव, अत्रि, भारद्वाज और वशिष्ठ को क्रमशः दूसरे, तीसरे, चौथे, पाँचवें, छठे और सातवें मण्डल का रचनाकार माना

जाता है। ऋग्वेद का आठवाँ मण्डल कण्व और अंगिरस वंश को समर्पित है। नवें मण्डल में सोम की चर्चा है।

- गाय को **अघन्या** (न मारने-योग्य) माना जाता था।
- दस्यु की चर्चा ऋग्वेद में 'अदेवयु' (देवताओं में श्रद्धा नहीं रखने वाले), 'अब्रह्मन' (वेदों को न मानने वाले), 'अयज्वन' (यज्ञ नहीं करने वाले) इत्यादि रूपों में की गई है।
- ऋग्वैदिक समाज में 'संस्कारों' को महत्त्व दिया जाता था। कन्या का विवाह मन्त्रोच्चार के साथ सम्पन्न होता था। लम्बे समय तक विवाह न करने वाली कन्याओं को **अमाजू** कहा जाता था।
- बहुपत्नी प्रथा अनुपस्थित थी। विवाह के अवसर पर वर को उपहार देने की प्रथा थी, लेकिन इसे 'दहेज' नहीं कहा जा सकता।
- कन्या के विदाई के समय जो उपहार एवं द्रव्य दिया जाता था, उसे 'वहतु' कहा जाता था।
- बाल विवाह की प्रथा नहीं थी। समाज में सती-प्रथा का कोई अस्तित्व नहीं था। विधवाओं को पुनर्विवाह की स्वीकृति थी।
- **सोम** आर्यों का मुख्य पेय था, जिसे मुख्य आयोजनों के दौरान परोसा जाता था। दूध तथा दूध से बने व्यंजनों की चर्चा भी मिलती है।
- स्त्री तथा पुरुष आभूषणों के शौकीन थे। सोने, चाँदी, ताँबे तथा बहुमूल्य धातुओं के आभूषण प्रयोग में लाए जाते थे। स्त्रियाँ साड़ी तथा पुरुष धोती तथा अंगोछे का उपयोग परिधान के रूप में किया करते थे।
- ऋग्वैदिक आर्यों के मनोरंजन के साधन संगीत, नृत्य, शिकार, घुड़दौड़ तथा चौपड़ का खेल था। कई अवसरों पर प्रतिस्पर्द्धा का आयोजन भी किया जाता था।
- आर्यों के परिधानों को तीन भागों —**वास** (शरीर के ऊपर धारण किया जाने वाला मुख्य वस्त्र), **अधिवास** (कमर के नीचे धारण किया जाने वाला मुख्य वस्त्र) तथा **उष्णीय** (पगड़ी) में बाँटा जाता है। परिधान के नीचे पहने जाने वाले अधोवस्त्र को **नीवी** कहा जाता था।

आर्थिक जीवन

- आर्यों का जीवन भौतिकता से प्रेरित था। अर्थव्यवस्था में पशुओं का महत्त्व सर्वाधिक था। गाय के लिए युद्धों (गवेषणा) का विवरण ऋग्वेद में मिलता है।
- सम्पत्ति की गणना **रयि** अर्थात् मवेशियों के रूप में होती थी। गाय के अतिरिक्त बकरियाँ (अजा), भेड़ (अवि) तथा घोड़े भी पाले जाते थे।
- पशुपालन की तुलना में कृषि का महत्त्व नगण्य था। **कृषि** के लिए ऊर्दर, धान्य तथा सम्पत्ति जैसे शब्दों का प्रयोग होता था।
- ऋग्वेद में **उर्वरा** जुते हुए खेत को कहा जाता था, **खिल्य** पशुचारण योग्य भूमि या चरागाह को; **सीर** हल को; **सृणि** फसल काटने के यन्त्र (हँसिया) को तथा **करीष**, शब्द का प्रयोग गोबर की खाद के लिए होता था, **अवट** शब्द का प्रयोग कूपों के लिए होता था। **सीता** शब्द का प्रयोग हल से बनी नालियों (निशान) के लिए होता था।
- ऋग्वेद में **यव** (जौ) तथा धान्य की चर्चा है अर्थात् ऋग्वैदिक आर्य 'जौ' की खेती पर अधिक ध्यान देते थे। वस्तुतः इस समय की कृषि विजित लोगों का व्यवसाय मानी गई।
- यायावर जीवन व्यतीत करने के कारण भी ऋग्वैदिक आर्यों ने कृषि पर अधिक ध्यान नहीं दिया। निर्वाह अर्थव्यवस्था में कृषि के साथ वाणिज्य-व्यापार को भी अधिक महत्त्व नहीं मिला था। वस्तु विनिमय प्रणाली प्रचलित थी। निष्क एवं शतमान नामक सिक्कों का उल्लेख मिलता है।

ऋग्वैदिककालीन नदियाँ

प्राचीन नाम	*आधुनिक नाम*
कुभ्र	कुर्रम
कुभा	काबुल
वितस्ता	झेलम
अस्किनी	चिनाब
परुष्णी	रावी
शतुद्रि	सतलज
विपाशा	व्यास
सदानीरा	गण्डक
दृष्द्वती	घग्घर
गोमती	गोमल
सुवस्तु	स्वात्
सुषोमा	सोहन
मरुद्वद्धा	मरुवर्मन

- ऋग्वेद में कुछ व्यवसायियों के नाम भी मिलते हैं; जैसे—तक्षण (बढ़ई), बेकनाट (सूदखोर), कर्मकार, स्वर्णकार, चर्मकार, वाय (जुलाहा) आदि।
- ऋग्वेद में उल्लिखित **समुद्र** शब्द मुख्यतः जलराशि का वाचक है।
- विनिमय के माध्यम के रूप में **निष्क** का भी उल्लेख हुआ है। व्यापारियों को 'पणि' कहा जाता था।
- **बेकनाट** (सूदखोर) वे ऋणदाता थे, जो बहुत अधिक ब्याज लेते थे।

- ऋग्वेद में सर्वाधिक पवित्र नदी के रूप में 'सरस्वती' (नदीतमा) का वर्णन हुआ है तथा ऊषा, अदिति, सूर्या जैसी देवियों का भी उल्लेख है।
- **सत्यमेव जयते** 'मुण्डकोपनिषद' से तथा **असतो मा सद् गमय** ऋग्वेद से लिया गया है। **गायत्री मन्त्र** का उल्लेख भी ऋग्वेद के तीसरे मण्डल में मिलता है।

राजनीतिक व्यवस्था

- ऋग्वैदिक राजनीतिक संरचना की सबसे छोटी इकाई कुल अथवा परिवार होता था, जिसका प्रधान **कुलप** होता था।
- परिवारों को मिलाकर ग्राम बनता था, जिसके प्रधान को **ग्रामणी** कहा जाता था। अनेक गाँव मिलकर **'विश'** बनाते थे। विश का प्रधान विशपति होता था। अनेक विशों का समूह 'जन' होता था। जन के अधिपति को **जनपति** या **राजा** कहा जाता था। इस प्रकार एक कबीलाई संरचना का राजनीतिक ढाँचा ऊर्ध्वमुखी था, जिसमें सबसे नीचे परिवार होता था।
- ऋग्वेद में **दाशराज्ञ युद्ध** का वर्णन है, जिसमें भरत जन के स्वामी सुदास ने रावी नदी के तट पर दस राजाओं के संघ को हराया था। इसमें पाँच आर्य तथा पाँच आर्येत्तर जनों के प्रधान थे। भरत जन सरस्वती तथा यमुना नदियों के बीच के प्रदेश में निवास करते थे।
- राजा का कर्त्तव्य कबीले की सम्पत्ति की रक्षा करना होता था। राजा कोई पैतृक शासक नहीं था। सभा तथा समितियाँ उसका चयन करती थीं।
- **सभा**, **समिति** तथा **विदथ** जनप्रतिनिधि संस्थाएँ थीं। इन संस्थाओं में राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक तथा आर्थिक प्रश्नों पर विचार किया जाता था।
- राजा का राज्याभिषेक होता था। इस अवसर पर ग्रामणी, रथकार, कर्मादिक, पुरोहित, सेनानी जैसे अधिकारी उपस्थित होते थे। इन अधिकारियों को सामूहिक रूप से **रत्निन** कहा जाता था। इन अधिकारियों के साथ 'पुरप' तथा 'दूत' भी उल्लेखनीय हैं। **पुरप** दुर्गों की रक्षा के प्रति उत्तरदायित्व होता था।
- **सभा** समाज के विशिष्ट जनों की संस्था थी, जिसमें स्त्रियाँ भी भाग लेने के लिए स्वतन्त्र थीं। इसके सदस्यों को सुजान कहा जाता था। **समिति** समुदाय की आम सभा थी जिसके अध्यक्ष को 'ईशान' कहते थे। समिति की सदस्यता आम लोगों के लिए खुली होती थी। समिति ही राजा का निर्वाचन करती थी।
- **विदथ**, आर्यों की सर्वाधिक प्राचीन संस्था थी। इसे जनसभा भी कहा जाता था। इसमें लुटी वस्तुओं का बँटवारा होता था।
- राजा को जनस्यगोपा, पुरमेत्ता, विशपति, गणपति, गोपति कहा जाता था। बलि प्रजा द्वारा राजा को स्वेच्छा से दिया जाने वाला उपहार था।

धार्मिक जीवन

- ऋग्वैदिक आर्यों की धार्मिक प्रवृत्तियों पर उनके भौतिक जीवन तथा सिद्धान्तों का प्रभाव अत्यधिक था।
- पितृसत्तात्मक समाज में देवताओं की प्रधानता तथा देवियों की नगण्यता स्पष्ट दृष्टिगत होती है। देवकुल में स्थान प्राप्त देवताओं पर प्राकृतिक शक्तियों का प्रभाव देखा जा सकता है।
- इन्द्र, वरुण, सूर्य, मित्र, अग्नि, इत्यादि ऋग्वैदिक देवताओं में प्रमुख थे। **इन्द्र** सर्वप्रमुख देवता थे। **वरुण** को 'ऋतस्य गोपा' कहा जाता था। उसे नैतिक व्यवस्था बनाए रखने वाला देवता माना जाता था। **अग्नि** को देवता तथा मुनष्य के मध्य मध्यस्थता करने वाले के रूप में जाना जाता था।

ऋग्वैदिक देवता

देवता	*सम्बन्ध/विशेषता*
इन्द्र	युद्ध में नेतृत्वकर्ता
अग्नि	ब्रह्मा से जोड़ने वाला (यज्ञों का देवता)
वरुण	ऋत का संरक्षक
मरुत	आँधी-तूफान का देवता
आश्विन	विपत्तियों को हरने वाला (चिकित्सा का देवता)
पूषन	चरागाहों का स्वामी (पशुओं का संरक्षक)
द्यौ	आकाश का देवता (सबसे प्राचीन)
सोम	वनस्पतियों का स्वामी (पेय पदार्थों का देवता)
उषा	प्रगति एवं उत्थान का देवता
विष्णु	सृष्टि का नियामक
सूर्य	जीवन देने वाला देवता (भुवनचक्षु)
आर्ष	विवाह और सन्धि के देवता
त्वक्षा	धातुओं के देवता
अरण्यानी	जंगल की देवी
पर्जन्य	वर्षा का देवता
मित्र	शपथ एवं प्रतिज्ञा का देवता
यम	मृत्यु का देवता

- ऋग्वेद का सबसे महत्त्वपूर्ण देवता **इन्द्र** था, जिसे **पुरन्दर** कहा गया है। इसके बाद अग्नि एवं वरुण का स्थान था। ईश्वर की आराधना मोक्ष या मुक्ति के लिए नहीं बल्कि भौतिक सुखों के लिए की जाती थी।
- यज्ञ तथा बलि की प्रथा इस समय विद्यमान थी, किन्तु यज्ञ मन्त्रविहीन होते थे।

- ऋग्वैदिक आर्यों में टोटम सम्बन्धी आस्थाओं का प्रचलन मिलता है। कबीलाई जीवन के कई अन्धविश्वास इस समय प्रचलित थे।

उत्तर वैदिक काल

- उत्तर वैदिक काल (1000 ई.पू. – 600 ई.पू.) की जानकारी के स्रोत तीन अन्य वेद (ऋग्वेद के अतिरिक्त) हैं—यजुर्वेद, सामवेद तथा अथर्ववेद। इस समय आर्यों का विस्तार पूर्व तथा दक्षिण-पूर्व की ओर होने लगा था तथा आर्य पंजाब से कुरुक्षेत्र अर्थात् गंगा-यमुना दोआब में फैल गए थे।
- आर्यों ने स्थायी जीवन व्यतीत करना आरम्भ कर दिया। पशुपालन की जगह कृषि को अधिक महत्त्व मिलने लगा। उत्तर वैदिक आर्यों ने जिस विस्तृत क्षेत्र पर निवास किया, उसे **आर्यावर्त** की संज्ञा दी गई। चित्रित धूसर मृद्भाण्ड तथा लोहा इस काल की विशिष्टता है।

ऐतरेय ब्राह्मण में वर्णित शासन-प्रणाली

क्षेत्र	***शासन***	***उपाधि***
पूर्व (प्राची)	साम्राज्य	सम्राट
पश्चिम (प्रतीची)	स्वराज्य	स्वराट
उत्तर (उदीची)	वैराज्य	विराट
दक्षिण	भोज्य	भोज
मध्य प्रदेश	राज्य	राजा

सामाजिक संरचना

- समाज में स्त्रियों की स्थिति में गिरावट उत्तर वैदिक काल में दर्ज की गई। महिलाएँ अब अधिक स्वतन्त्र नहीं थीं। उन्हें 'सभा' की सदस्यता से वंचित किया गया।
- महिलाएँ परिवार में सम्माननीय थीं तथा धार्मिक कार्यों में भाग लेती थीं, किन्तु उत्तर वैदिक ग्रन्थों में पुत्री जन्म को अच्छा नहीं माना गया था।
- समाज में अनेक धार्मिक श्रेणियों का उदय हुआ जो कठोर होकर विभिन्न जातियों में बदलने लगी। व्यवसाय आनुवांशिक होने लगे।
- उत्तरवैदिक ग्रन्थ छान्दोग्य उपनिषद् में केवल तीन आश्रमों (ब्रह्मचर्य, गृहस्थ तथा वानप्रस्थ) की जानकारी मिलती है। सर्वप्रथम **जाबालोपनिषद्** में चारों आश्रमों का वर्णन मिलता है अर्थात् इसमें संन्यास का भी वर्णन मिलता है।
- पच्चीस वर्ष की अवस्था तक ब्रह्मचर्य आश्रम में रहते हुए विद्यार्थी गुरुकुल में रहकर शिक्षा ग्रहण करते थे।
- गृहस्थ आश्रम में मनुष्यों को तीन ऋणों–देवऋण, ऋषि ऋण तथा पितृ ऋण से मुक्ति पाने का संस्कार करना पड़ता था।
- गृह निर्माण तथा वेशभूषा के तरीकों में अधिक परिवर्तन नहीं हुआ था। संगीत तथा नृत्य मनोरंजन के साधन थे। नाटकों का मंचन होने लगा था, इसे **शैलूष** कहा गया है। वीणा वादकों के बारे में भी जानकारी मिलती है।
- तैत्तिरीय ब्राह्मण के अनुसार, ब्राह्मण सूत का, क्षत्रिय सन का और वैश्य ऊन का यज्ञोपवीत धारण करते थे। श्वेताश्वर उपनिषद् **रुद्र देवता** को समर्पित है, जिसमें उनका शिव के रूप में वर्णन है।
- अथर्ववेद में मवेशियों की वृद्धि के लिए प्रार्थना की गई है। सबसे बड़ा तथा सर्वाधिक लौह पुंज अतरंजीखेड़ा से मिला है।
- पांचाल राज्य अपने दार्शनिक राजाओं और तत्त्वज्ञानी ब्राह्मणों को लेकर विख्यात था।
- **व्रात्य** तथा **निषाद** नामक अनार्य जातियों की चर्चा उत्तर वैदिक ग्रन्थों में मिलती है। वे वैदिक संस्कृति का पालन नहीं करने के कारण ही अनार्य कहलाए।

आर्थिक जीवन

- सम्पत्ति पर एकाधिकारिता की प्रवृत्ति उभरी। लोगों ने खेती के व्यवसाय को अपनाया, क्योंकि लोहे के प्रसार ने खेती को सुलभ बना दिया।
- निष्क, शतमान जैसे सिक्कों की चर्चा मिलती है। वणिक संघों—**गण** तथा **श्रेष्ठिन** के अस्तित्व में आने की सूचना उत्तर वैदिक ग्रन्थों से भी मिलती है।
- बाट की मूलभूत इकाई सम्भवतः कृष्णल था। रत्तिका तथा गुंजा भी तौल की एक इकाई थी।
- रथ निर्माण, धनुष बनाने तथा वस्त्र निर्माण से शासकों को राजकीय करों की प्राप्ति होती थी।
- वाणिज्य में विस्तार के कारण वैश्यों को भी महत्त्व मिला।
- **शतपथ ब्राह्मण** में कृषि की चारों क्रियाओं–जुताई, बुआई, कटाई तथा मड़ाई का उल्लेख हुआ है। हल को 'सीर' कहा जाता था।
- मिट्टी के एक विशेष प्रकार के बर्तन बनाए जाते थे, जिन्हें **चित्रित धूसर मृद्भाण्ड** (Painted Grey Ware-PGW) कहा जाता है।
- **काठक** संहिता में 24 बैलों द्वारा खींचे जाने वाले हलों का उल्लेख मिलता है।
- तैत्तिरीय उपनिषद में अन्न को ब्रह्मा तथा यजुर्वेद में हल को 'सीर' कहा गया है।

उत्तर वैदिक अधिकारी वर्ग

कार्य	*अधिकारी*	*कार्य*	*अधिकारी*
राजा का सलाहकार	पुरोहित	आखेट में राजा का साथी	गोविकर्तन
राजा का उत्तराधिकारी	युवराज	दूत	पालागल
रथवाहक (सारथी)	सूत	ग्राम प्रशासक	ग्रामणी
कोषाध्यक्ष	संगृहित	सेना का प्रधान	सेनानी
कर संग्रह करने वाला	भागदुध	पुलिस अधिकारी	जीवग्रिभ
जुए का निरीक्षक	अक्षवाप	न्यायाधीश	ग्राम्यवादिन

उत्तर वैदिक यज्ञ

राजसूय	राजा के राज्याभिषेक के अवसर पर यह यज्ञ किया जाता था। इस यज्ञ के माध्यम से राजा में दिव्य शक्तियाँ प्रत्यारोपित करने का कार्य होता था। इसमें 'सोम' ग्रहण किया जाता था। इस यज्ञ के दौरान राजा 'रत्निनों' के घर जाता था।
वाजपेय	राजा अपने शौर्य तथा शक्ति-प्रदर्शन के लिए इस यज्ञ का आयोजन करता था। इसमें रथ दौड़ के माध्यम से जनता का मनोरंजन भी किया जाता था।
अश्वमेघ	साम्राज्य विस्तार तथा पड़ोसी शासकों को चुनौती देने के लिए यह यज्ञ आयोजित किया जाता था। इस यज्ञ में घोड़ा राजा के प्रभुत्व का प्रतीक माना जाता था। यह राजकीय यज्ञों में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण एवं प्रसिद्ध था। शतपथ ब्राह्मण में भारत के दो राजाओं भरत दोषयन्ति और शतानिक सत्राजित द्वारा अश्वमेघ करने का उल्लेख है।
अग्निष्टोम	पशु बलि की प्रणाली को इस यज्ञ का मूल माना जाता था। अग्नि देव को प्रसन्न करने के लिए इसका आयोजन होता था।

राजनीतिक व्यवस्था

- राजा का पद वंशानुगत होने लगा। ऋग्वैदिककालीन कबीलों ने **जनपद** रूप ग्रहण किया। सभा तथा समिति जैसी संस्थाओं का नियन्त्रण कम हुआ और 'राजा' या 'राजन' अधिक शक्ति सम्पन्न होने लगे।
- उत्तरवैदिक काल में अनेक दार्शनिक राजा भी सतारूढ़ हुए, जिनमें प्रमुख थे – विदेह के जनक, कैकेय के अश्वपति, काशी के अजातशत्रु और पांचाल के प्रवाहण जाबालि।
- राजा मन्त्रियों तथा अधिकारियों की सहायता से शासन करता था। अधिकारी वर्ग **रत्निन** कहा जाता था।
- न्याय-व्यवस्था में राजा का निर्णय महत्त्वपूर्ण था। सामान्य मुकदमे घरेलू स्तर पर ही निपटाए जाते थे।
- इस काल में संग्रहित, भागदुध, सूत गोवितकर्तन जैसे अधिकारियों का अस्तित्व सामने आया। प्रान्तीय शासन तथा पुलिस व्यवस्था भी सामने आई।
- राष्ट्र शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम इसी समय हुआ था।

धार्मिक जीवन

- यज्ञ तथा बलि की पद्धति उत्तर वैदिक धर्म का मूल आधार बन गया। यज्ञ के साथ-साथ कई अन्य अनुष्ठानों का प्रचलन भी आरम्भ हुआ, जिसमें पुरोहितों की भूमिका महत्त्वपूर्ण हो गई।
- इस काल में इन्द्र के स्थान पर **प्रजापति** सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण देवता हो गए थे। **विष्णु** को मनुष्य जाति के दुःखों का अन्त करने वाला माना गया।
- विभिन्न कर्मकाण्डों तथा अन्धविश्वासों का विस्तार हुआ। जादू-टोने तथा भूत-पिशाचों के विश्वास ने धर्म में स्थान बनाया।
- उत्तर वैदिक काल में प्रजापति जो देवकुल में सृष्टि के निर्माता थे, को सर्वोच्च स्थान प्राप्त हो गया।
- उत्तर वैदिक काल में ही बहुदेववाद, वासुदेव सम्प्रदाय एवं षडदर्शनों का बीजारोपण हुआ।
- **पूषन** शूद्रों के देवता के रूप में प्रचलित थे। ऋग्वैदिक काल में वह पशुओं के देवता थे।
- धार्मिक अनुष्ठान तथा यज्ञों में मन्त्रोच्चारण की प्रधानता के कारण ब्राह्मणों का वर्चस्व बढ़ा। ब्रह्म, जीव, आत्मा के दार्शनिक मतों पर भी चर्चा की जाने लगी।

पंच महायज्ञ

- **ब्रह्म यज्ञ** पठन-पाठन या प्राचीन ऋषि के प्रति कृतज्ञता
- **देव यज्ञ** हवन द्वारा देवताओं की पूजा-अर्चना
- **पितृ यज्ञ** पितरों का तर्पण (जल और भोजन) द्वारा
- **नृयज्ञ या मनुष्य यज्ञ** अतिथि-सत्कार द्वारा
- **भूत यज्ञ या बलि** चींटियों, पक्षियों आदि को भोजन देना

वैदिक साहित्य

- आर्यों के बारे में जानकारी का मुख्य स्रोत वैदिक साहित्य हैं। इस सम्पूर्ण वैदिक साहित्य को दो भागों में बाँटा जाता है। ये हैं– श्रुति साहित्य तथा स्मृति साहित्य।
- **श्रुति साहित्य** में वेदों के अतिरिक्त ब्राह्मण ग्रन्थ, आरण्यक ग्रन्थ तथा उपनिषद् आते हैं। यह साहित्य लम्बे समय तक मौखिक रूप से चलते रहे तथा बाद में उनका संकलन किया गया।
- **स्मृति साहित्य** मनुष्यों द्वारा रचित है। इसमें वेदांग, सूत्र तथा स्मृति ग्रन्थ शामिल हैं। श्रुति साहित्य स्मृति साहित्य की तुलना में अधिक पवित्र तथा श्रेष्ठ माने जाते हैं।

श्रुति साहित्य

- श्रुति साहित्य में वेदों का प्रथम स्थान है। वेद शब्द 'विद्' धातु से बना है, जिसका अर्थ होता है 'जानना'; वेदों से आर्यों के जीवन तथा दर्शन का पता चलता है।
- वेदों की संख्या चार है। ये हैं—ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद तथा अथर्ववेद; वेदों को **संहिता** भी कहा जाता है। वेदों के संकलन का श्रेय महर्षि कृष्ण द्वैपायन वेद-व्यास को प्राप्त है।

ऋग्वेद

- ऋग्वेद **10 मण्डलों** में विभाजित है। इसमें देवताओं की स्तुति में **1028** श्लोक हैं, जिसमें 11 बालाखिल्य श्लोक हैं। ऋग्वेद में 10,462 मन्त्रों का संकलन है।
- ऋग्वेद का पाठ करने वाले होता या होतृ वर्ग के पुरोहित होते थे।
- ऋग्वेद का **पहला** तथा **10वाँ** मण्डल क्षेपक माना जाता है। नौवें मण्डल में **सोम** की चर्चा है। प्रसिद्ध **गायत्री मन्त्र** ऋग्वेद के **तीसरे मण्डल** से लिया गया है, जिसमें सवितृ नामक देवता को सम्बोधित किया गया है। आठवें मण्डल की हस्तलिखित ऋचाओं को **खिल** कहा जाता है।
- ऋग्वेद की अनेक बातें ईरानी ग्रन्थ अवेस्ता से मिलती हैं। देवताओं में इन्द्र, वरुण, अग्नि, सोम तथा सूर्य प्रमुख माने गए हैं।
- ऋग्वेद में घोषा, लोपामुद्रा, विश्ववारा इत्यादि विदुषी महिलाओं का उल्लेख है। आजीवन धर्म तथा दर्शन की अध्येता महिलाओं को ऋग्वेद में **ब्रह्मवादिनी** कहा गया है।
- ऋग्वेद में आर्यों तथा अनार्यों के बीच संघर्ष का उल्लेख है। इसमें प्रसिद्ध **दाशराज्ञ युद्ध** की चर्चा है।
- आर्यों का प्रसिद्ध कबीला **भरत** था। भरत ने दाशराज्ञ युद्ध में आर्यों का नेतृत्व किया। भरत कबीले का शासक सुदास था, जिसने वशिष्ठ को अपना पुरोहित बनाया; इसी कारण विश्वामित्र ने अनार्यों का साथ दिया।
- जंगल की देवी के रूप में **अरण्यानी** का उल्लेख ऋग्वेद में हुआ है।
- **ऋग्वेद की शाखाएँ** शाकल, वाष्कल, आश्वलायन, शंखायन तथा माण्डुक्य हैं।
- राजा के लिए 'पुराम्भेत्ता', यायावर प्रजा के लिए 'चर्षणि' शब्द का प्रयोग हुआ है तथा स्थायी निवास करने वालों को 'कृष्टि' तथा उत्पादन में सक्षम जनता को 'अर्य' कहा गया है।
- ब्रह्मा को ऋग्वेद में विधातृ, हिरण्यगर्भ, प्रजापति, बृहस्पति, विश्वकर्मन इत्यादि नामों से सम्बोधित किया गया है। इन्द्र को **पुरन्दर**, **दस्युहन**, **पुरोभिद** जैसे नामों से पुकारा गया है। अग्नि को पथिकृत अर्थात् **पथ का निर्माता** कहा गया है।
- ऋग्वेद की रचना पंजाब के क्षेत्र में हुई थी। पंजाब तथा पश्चिमोत्तर भारत की नदियों की बार-बार चर्चा ऋग्वेद में मिलती है। इसे **सप्त सैंधव** कहा गया है।
- **सरस्वती** ऋग्वेद में एक पवित्र नदी के रूप में उल्लिखित है। सरस्वती के प्रवाह-क्षेत्र को **देवकृत योनि** कहा गया है।
- ऋग्वेद में आकाश के देवता हैं—सवितृ (सावित्री), सूर्य, ऊषा, पूषन्, विष्णु, नासत्य, उरुक्रम।

यजुर्वेद

- यजुर्वेद में अनुष्ठानों तथा कर्मकाण्डों में प्रयुक्त होने वाले श्लोकों तथा मन्त्रों का संग्रह है। इसका गायन करने वाले पुरोहित **अध्वर्यु** कहलाते थे।
- यजुर्वेद गद्य तथा पद्य दोनों में रचित है। *इसके दो पाठान्तर हैं*
  1. कृष्ण यजुर्वेद
  2. शुक्ल यजुर्वेद
- शुक्ल यजुर्वेद को 'वाजसनेमी संहिता' भी कहा जाता है।
- कृष्ण यजुर्वेद 'गद्य' तथा शुक्ल यजुर्वेद 'पद्य' में रचित पाठान्तर हैं।
- कृष्ण यजुर्वेद में तैत्तिरीय, मैत्रायणी तथा काठक पाठान्तर हैं, जबकि शुक्ल यजुर्वेद वाजसनेय पाठान्तर में सुरक्षित है।
- यजुर्वेद में कृषि तथा सिंचाई की प्रविधियों की चर्चा है। चावल का 'व्रीही' के रूप में उल्लेख मिलता है।
- यजुर्वेद में राजसूय, वाजपेय तथा अश्वमेघ यज्ञ की चर्चा है। रत्निनों में (वैदिक अधिकारियों) की चर्चा भी यजुर्वेद में हुई है।
- यजुर्वेद में 40 मण्डल तथा 2000 ऋचाएँ (मन्त्र) हैं।

सामवेद

- सामवेद के अधिकांश श्लोक तथा मन्त्र ऋग्वेद से लिए गए हैं। इस वेद से सम्बन्धित श्लोक तथा मन्त्रों का गायन करने वाले पुरोहित **उद्गातृ** कहलाते थे।
- सामवेद का सम्बन्ध **संगीत** से है तथा इसमें संगीत के विविध पक्षों का उल्लेख हुआ है। इसमें कुल 1549 श्लोक हैं, जिनमें से 75 को छोड़कर सभी ऋग्वेद से लिए गए हैं। सामवेद में मन्त्रों की संख्या 1810 है।
- इसकी तीन शाखाएँ हैं—कौथुम, जैमिनीय एवं राणायनीय।

अथर्ववेद

- अथर्ववेद की रचना **अथर्वा ऋषि** ने की थी। अथर्ववेद की दो शाखाएँ हैं— शौनक एवं पिप्लाद।
- अथर्ववेद के अधिकांश मन्त्रों का सम्बन्ध तन्त्र-मन्त्र या जादू-टोनों से है। रोग निवारण की औषधियों की चर्चा भी इसमें मिलती है। अथर्ववेद के मन्त्रों को भारतीय विज्ञान का आधार भी माना जाता है।
- अथर्ववेद में **सभा** तथा **समिति** को प्रजापति की दो पुत्रियाँ कहा गया है।
- सर्वोच्च शासक को अथर्ववेद में **एकराट्** कहा गया है। 'सम्राट' शब्द का भी उल्लेख मिलता है।
- सूर्य का वर्णन एक ब्राह्मण विद्यार्थी के रूप में **अथर्ववेद** में हुआ है।

वेदांग

- वेदांगों की संख्या 6 बताई जाती है। ये हैं— शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छन्द और ज्योतिष।
- **शिक्षा** की सबसे प्रामाणिक रचना प्रातिशाख्य सूत्र है। इसमें शुद्ध उच्चारण की पद्धति बताई गई है।
- **कल्प** यज्ञों के सम्पादन से जुड़े नियमों की जानकारी देते हैं। श्रौत सूत्र तथा गृह्य सूत्र कल्प की रचनाएँ हैं।
- **व्याकरण** की सबसे पहली तथा व्यापक रचना पाणिनी की **अष्टाध्यायी** है।
- निरुक्त विषय पर **यास्क** तथा छन्द पर **पिंगल** ने मानक रचनाएँ कीं।
- ज्योतिष में खगोल विज्ञान के अध्ययन का विवरण मिलता है।
- ज्योतिष का पहला ग्रन्थ, आचार्य लागद्य मुनि द्वारा रचित **वेदांग ज्योतिष** है।
- वेदांग ज्योतिष को 'वेद की आँख' भी कहा गया है।

वेदों की शरीर रचना

छन्द	वेद के पाद
कल्प	वेद के हाथ
ज्योतिष	वेद की आँखें
निरुक्त	वेद के कान
शिक्षा	वेद की नासिका
व्याकरण	वेद के मुख

वेदांग एवं सम्बन्धित विषय

शिक्षा	शुद्ध उच्चारण
कल्प	यज्ञों का सम्पादन
व्याकरण	व्याकरणिक नियम
निरुक्त	शब्दों की व्युत्पत्ति
छन्द	छन्दों का प्रयोग
ज्योतिष	खगोलविज्ञान

ब्राह्मण ग्रन्थ

- वेदों की आध्यात्मिक व्याख्या के लिए ब्राह्मण ग्रन्थों की रचना की गई। यह गद्य में है।
- **ऐतरेय ब्राह्मण** में 8 मण्डल हैं। प्रत्येक मण्डल में 6 पाठ हैं। इसे 'पंचिका' भी कहा जाता है। ऐतरेय ब्राह्मण की रचना महिदास ऐतरेय ने की थी। कौशीतकी ब्राह्मण में 30 अध्याय हैं। इसे संख्यायन ब्राह्मण भी कहा जाता है।
- पंचविश ब्राह्मण में 25 मण्डल हैं। इसे ताण्ड्य ब्राह्मण भी कहा जाता है।

वेद, उपवेद एवं प्रमुख ब्राह्मण ग्रन्थ

वेद	***उपवेद (रचनाकार)***	***ब्राह्मण ग्रन्थ***
ऋग्वेद	आयुर्वेद (प्रजापति)	ऐतरेय, कौषीतकी
यजुर्वेद	धनुर्वेद (विश्वामित्र)	तैत्तिरीय, शतपथ
सामवेद	गन्धर्ववेद (नारद)	पंचविश, जैमनीय, षडविश, ताण्ड्य
अथर्ववेद	शिल्प वेद (विश्वकर्मा)	गोपथ

आरण्यक

- ऋषियों द्वारा जंगलों में रचित ग्रन्थों को आरण्यक कहा गया है।
- सभी आरण्यक ग्रन्थ ब्राह्मण ग्रन्थों से जुड़े हैं। प्रमुख **आरण्यक** ग्रन्थ हैं— ऐतरेय, शंखायन, वृहदारण्यक, छान्दोग्य, जैमिनी।

उपनिषद्

- वेदों की दार्शनिक व्याख्या के लिए उपनिषदों की रचना की गई।
- उपनिषदों की संख्या 108 बताई जाती है। 'उपनिषद्' का शाब्दिक अर्थ एकान्त में प्राप्त ज्ञान है।
- उपनिषदों में आत्मा, जीव, जगत, ब्रह्म जैसे गूढ़ दार्शनिक मतों को समझाने का प्रयास किया गया है।

- उपनिषदों को **वेदान्त** भी कहा जाता है। ये वैदिक साहित्य (श्रुति साहित्य) की अन्तिम रचनाएँ हैं, जिस कारण इन्हें वेदान्त कहा जाता है।
- वृहदारण्यक, छान्दोग्य, कठ, मण्डूक इत्यादि प्रसिद्ध उपनिषद् हैं। भारत का सूत्र वाक्य **सत्यमेव जयते** मुण्डकोपनिषद् से लिया गया है।
- यम तथा नचिकेता के बीच प्रसिद्ध संवाद की कथा कठोपनिषद् में वर्णित है।
- श्वेतकेतु एवं उसके पिता का संवाद छान्दोग्योपनिषद् में वर्णित है।

स्मृति साहित्य

- स्मृति साहित्य के अन्तर्गत स्मृति, पुराण तथा धर्मशास्त्र आते हैं।
- **मनु स्मृति** सबसे प्राचीन स्मृति ग्रन्थ है। इसकी रचना दूसरी शताब्दी ई.पू. में शुंगकाल में हुई थी।
- पुराणों की संख्या 18 है। इनमें मत्स्य, वायु, वामन, मार्कण्डेय, विष्णु इत्यादि प्रमुख हैं।
- पुराण वस्तुतः ऐतिहासिक प्रवृत्तियों को सामने लाता है। पुराणों के संकलन का श्रेय **महर्षि लोमहर्ष** तथा उनके पुत्र **उग्रश्रवा** को दिया जाता है।
- सबसे प्राचीन पुराण **मत्स्य पुराण** है, जिसमें विष्णु के दस अवतारों की चर्चा मिलती है।
- रामायण तथा महाभारत धर्मशास्त्र की श्रेणी में आते हैं।
- रामायण की रचना **महर्षि वाल्मीकि** ने की थी। यह संस्कृत भाषा में है। रामायण 7 काण्डों में विभक्त है। इसे चतुर्विंशति सहस्त्री संहिता भी कहा जाता है।
- महाभारत की रचना **वेदव्यास** ने की थी। इसमें कौरव तथा पाण्डवों के बीच युद्ध का वर्णन है। महाभारत 18 पर्वों में विभक्त है। इसे 'जयसंहिता' या 'शतसाहस्त्र संहिता' भी कहा जाता है।
- **श्रीमद्‌भागवत गीता** महाभारत के भीष्म पर्व का अंश है।

सूत्र साहित्य

कल्प सूत्र	विधि एवं नियमों का प्रतिपादन
श्रोत सूत्र	यज्ञ से सम्बन्धित विस्तृत विधि-विधानों की व्याख्या
शुल्व सूत्र	यज्ञ स्थल तथा अग्निवेदी के निर्माण तथा माप से सम्बन्धित नियम हैं। इसमें भारतीय ज्यामिति का प्रारम्भिक रूप दिखाई देता है।
धर्म सूत्र	सामाजिक-धार्मिक कानून तथा आचार संहिता है।
गृह सूत्र	मनुष्य के लौकिक एवं पारलौकिक कर्त्तव्य

षड्‌दर्शन

यह वैदिक साहित्य के अतिरिक्त भारतीय समाज तथा दर्शन को दिशा देने वाले ग्रन्थ भी हैं, जिनसे भारतीय दर्शन का निर्माण हुआ है। इनमें आत्मा, जीव, जगत, ब्रह्म इत्यादि को विभिन्न प्रकार से समझाने का प्रयास किया गया है।

भारतीय दर्शन

दर्शन	*प्रवर्तक*	*दर्शन*	*प्रवर्तक*
सांख्य	कपिल	वैशेषिक	कणाद या उलूक
न्याय	गौतम	पूर्व मीमांसा	जैमिनी
योग	पतंजलि	उत्तर मीमांसा	बादरायण

धार्मिक आन्दोलन

- छठी शताब्दी ई.पू. धार्मिक आन्दोलनों की शताब्दी मानी जाती है। इस समय यूनान में हेराक्लिज, ईरान में जरथ्रुष्ट, चीन में कन्फ्यूशियस तथा भारत में जैन तथा बौद्ध धर्म अस्तित्व में आये। भारत में वैदिक धर्म की यज्ञ-बलि तथा कर्मकाण्डों की प्रतिक्रिया में समता पर आधारित सम्प्रदायों का प्रभाव कायम हुआ।
- जैन तथा बौद्ध धर्म ने ब्राह्मणवादी श्रेष्ठता को समाप्त कर वर्ण प्रधान सामाजिक व्यवस्था को चुनौती दी। नवीन नागरिक जीवन का उदय इस दौरान हुआ।

जैन धर्म

जैन धार्मिक विचार के अनुसार जैनों के 24 तीर्थंकर हुए। **ऋषभदेव** (आदिनाथ) पहले तीर्थंकर थे। जिन्हें जैन धर्म का संस्थापक माना जाता है। ऋग्वेद में **ऋषभदेव** तथा **अरिष्टनेमि** नामक तीर्थंकरों की चर्चा है।

जैन तीर्थंकर

1. ऋषभदेव	2. अजितनाथ
3. सम्भवनाथ	4. अभिनन्दन स्वामी
5. सुमतिनाथ	6. पद्मप्रभु
7. सुपार्श्वनाथ	8. चन्द्रप्रभु
9. सुविधिनाथ	10. शीतलनाथ
11. श्रेयांसनाथ	12. वासुमूल्य
13. विमलनाथ	14. अनन्तनाथ
15. धर्मनाथ	16. शान्तिनाथ
17. कुन्थुनाथ	18. अर्रनाथ
19. मल्लिनाथ	20. मुनिसुब्रत
21. नेमिनाथ	22. अरिष्टनेमि
23. पार्श्वनाथ	24. महावीर स्वामी

- जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर **पार्श्वनाथ** थे। पार्श्वनाथ काशी नरेश अश्वसेन के पुत्र थे। उनका निर्वाण **सम्मेद शिखर** पर हुआ था।

महावीर स्वामी

- जैन धर्म के मुख्य प्रवर्तक तथा 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी थे। इनके बचपन का नाम **वर्धमान** था।
- महावीर का जन्म 540 ई.पू. में वैशाली के निकट **कुण्डग्राम** (ज्ञातृक कुल) में हुआ था। इनके पिता का नाम **सिद्धार्थ** तथा माता का नाम **त्रिशला** था। त्रिशला लिच्छवि शासक चेटक की बहन थी।
- महावीर का विवाह यशोदा से हुआ था तथा प्रियदर्शनी (अणोज्जा) नाम की उनकी एक पुत्री थी। तीस वर्ष की अवस्था में उन्होंने गृह त्याग दिया तथा संन्यासी हो गए।
- 12 वर्षों की कठिन तपस्या के बाद **ऋजुपालिका** नदी के तट पर जृम्भिक ग्राम में उन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ, जिसके बाद उन्हें 'जिन', निर्ग्रन्थ (बन्धन रहित), महावीर, अर्हत (योग्य) तथा 'केवलिन' कहा गया।
- इन्होंने अपना प्रथम उपदेश राजगृह में प्राकृत (अर्द्धमगधी) भाषा में दिया तथा इनकी मृत्यु पावापुरी में 72 वर्ष की आयु में 468 ई. पू. में हुई।
- जैन ग्रन्थ **कल्पसूत्र** तथा **आचरांगसूत्र** में महावीर की कठोर तपस्या तथा ज्ञान प्राप्ति की चर्चा मिलती है।

जैन तीर्थंकर	*प्रतीक चिह्न*
ऋषभदेव	साँड (वृषभ)
अजितनाथ	हाथी (गज)
संभवनाथ	घोड़ा (अश्व)
नेमिनाथ	शंख (नीलोत्पल)
पार्श्वनाथ	सर्प (सर्पफण)
महावीर	सिंह

- जैन धर्म मानने वाले प्रमुख राजा उदायिन, चन्द्रगुप्त मौर्य, सम्प्रति, कलिंग नरेश खारवेल, राष्ट्रकूट शासक **अमोघवर्ष**, गंग नरेश, गुजरात के सोलंकी शासक थे।
- मैसूर के गंग वंश के मंत्री ने गोमतेश्वर में महावीर की विशाल मूर्ति का निर्माण करवाया था।
- महावीर स्वामी की मृत्यु के पश्चात जैन संघ का प्रथम अध्यक्ष सुधर्मन बना।

जैन दर्शन तथा सिद्धान्त

- महावीर से पहले पार्श्वनाथ ने चार जैन-सिद्धान्त दिए थे। ये हैं—सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह तथा अस्तेय। महावीर ने इसमें पाँचवाँ सिद्धान्त **ब्रह्मचर्य** जोड़ा।
- जैन दर्शन वैदिक सांख्य-दर्शन के निकट है। जैन धर्म में कर्म सिद्धान्त को महत्त्व दिया गया है। मोक्ष को जीव का परम लक्ष्य बताया गया है।
- जैन धर्म में **स्यादवाद** का दर्शन है, जिसमें सात सत्य शामिल किए गए हैं। इसे **अनेकान्तवाद** भी कहा जाता है।
- **आठ कर्म** तथा **अठारह पापों** की चर्चा जैन धर्म में की गई है। कर्म तथा पापों के त्याग से मोक्ष की प्राप्ति ही लक्ष्य माना गया है। इसके लिए **त्रिरत्न** (रत्नत्रैय) का विचार दिया गया है।
- **त्रिरत्न** जैन दर्शन के अनुसार मोक्ष के लिए तीन तत्त्वों का होना जरूरी है। ये हैं— सत्य-विश्वास (सम्यक् दर्शन), सत्य ज्ञान (सम्यक् ज्ञान) तथा सत्य कर्म (सम्यक् कर्म)।
- जैन धर्म में आत्मा की सर्वोपरि स्थिति को माना गया है। जाति व्यवस्था का निषेध किया गया, किन्तु मूर्ति पूजा को स्वीकृति दी गई है।

जैन संघ

- महावीर ने समस्त अनुयायियों को 11 गणों में विभक्त किया तथा प्रत्येक गण में एक प्रधान (गणधर) नियुक्त कर धर्म प्रचार का उत्तरदायित्व प्रदान किया। जैन संघ के सदस्यों को चार वर्गों में विभाजित किया गया। ये हैं—भिक्षु, भिक्षुणी, श्रावक, श्राविका। भिक्षु तथा भिक्षुणी संन्यासी जीवन व्यतीत करते थे, जबकि श्रावक एवं श्राविका को गृहस्थ जीवन व्यतीत करने की स्वीकृति थी।
- जैन संघ दो भागों में विभाजित हुआ—दिगम्बर (**भद्रबाहु** के समर्थक) तथा श्वेताम्बर (**स्थूलभद्र** के समर्थक) इन सम्प्रदायों का विभाजन वैचारिक भिन्नता के आधार पर हुआ था। **श्वेताम्बर** सफेद वस्त्र धारण करते थे, जबकि **दिगम्बर** बिना वस्त्रों के जीवन व्यतीत करते थे।

जैन संगीतियाँ

संगीति	*काल*	*स्थान*	*अध्यक्ष*
प्रथम संगीति	322 से 298 ई.पू.	पाटलिपुत्र	स्थूलभद्र
द्वितीय संगीति	512 ई.	वल्लभी	देवर्धि क्षमाश्रवण

जैन धर्म ग्रन्थ

- जैन धर्म ग्रन्थों की रचना **प्राकृत** भाषा में हुई है।
- जैन ग्रन्थों को **पूर्व या आगम** कहा जाता है। इसमें 12 अंग, 12 उपांग, 10 प्रकीर्ण, 6 छेदसूत्र, 4 मूलसूत्र शामिल हैं।
- चन्द्रगुप्त मौर्य के शासनकाल में आयोजित प्रथम जैन संगीति में आगमों का संकलन 'अंगों' में हुआ।

- आचरांग सूत्र में जैन भिक्षुओं के आचार नियम, भगवती सूत्र में महावीर के जीवन, नायाधम्मकहा में महावीर की शिक्षाओं का संग्रह तथा उदासक दशांग में उपासकों के जीवन सम्बन्धी नियम दिए गए हैं।
- जैन तीर्थंकरों का जीवनचरित भद्रबाहु रचित **कल्पसूत्र** में है।

क्विक डाइजेस्ट

- प्रथम जैन संगीति का दक्षिणी जैनों (दिगम्बरों) ने विरोध किया था।
- चम्पा के शासक दधिवाहन की पुत्री चन्दना महावीर की पहली महिला भिक्षुणी थी।
- महावीर के प्रथम अनुयायी उनके दामाद (प्रियदर्शनी के पति) जमालि बने थे।
- जैन मठों को **बसादी** (बसदिस) कहा जाता है।

बौद्ध धर्म

छठी शताब्दी ईसा पूर्व के धार्मिक आन्दोलनों में बौद्ध धर्म सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण था। बौद्ध धर्म के त्रिरत्न हैं— बुद्ध, धम्म एवं संघ।

महात्मा बुद्ध

- महात्मा बुद्ध का जन्म 563 ई.पू. में कपिलवस्तु के निकट **लुम्बिनी** में हुआ था। बुद्ध के बचपन का नाम **सिद्धार्थ** था।
- बुद्ध के पिता शुद्धोधन **शाक्य** गणराज्य के शासक थे। उनकी माता का नाम **महामाया** था। माता की मृत्यु के बाद मौसी **प्रजापति गौतमी** ने उनका पालन-पोषण किया।
- बुद्ध का विवाह 16 वर्ष की अवस्था में **यशोधरा** से हुआ था। यशोधरा से जन्मे उनके पुत्र का नाम राहुल था। पुत्र जन्म के कुछ समय पश्चात् ही 29 वर्ष की अवस्था में उन्होंने गृह त्याग (महाभिनिष्क्रमण) कर दिया। गृह त्यागने के बाद सर्वप्रथम महात्मा बुद्ध आलार कलाम के शिष्य बनें।
- **फल्गु** (निरंजना) नदी के तट पर **उरूवेला** (बोधगया) नामक स्थान पर उन्हें ज्ञान की प्राप्ति (सम्बोधि) हुई, जिसके बाद वे 'बुद्ध' कहलाए।
- महात्मा बुद्ध ने अपना पहला उपदेश सारनाथ में दिया, जो **धर्मचक्रप्रवर्तन** कहलाता है।
- 483 ई.पू. में 80 वर्ष की अवस्था में मल्ल गणराज्य की राजधानी कुशीनारा (कुशीनगर) में महात्मा बुद्ध का **महापरिनिर्वाण** हुआ।
- बिम्बिसार, प्रसेनजित अजातशत्रु, जीवक, अनाथपिण्डक, क्षेमा आम्रपाली आदि समकालीन महत्त्वपूर्ण लोग बौद्ध धर्म के अनुयायी थे।

बौद्ध दर्शन तथा सिद्धान्त

- बौद्ध धर्म के सिद्धान्त 'चार आर्यसत्य' पर आधारित हैं— दुख है, दुख का कारण है, दुख का निदान है और दुखः निदान के उपाय हैं। इन उपायों को अष्टांगिक मार्ग के रूप में देखा गया, *जो निम्न हैं*

1. सम्यक् दृष्टि	2. सम्यक् संकल्प
3. सम्यक् वाणी	4. सम्यक् कर्म
5. सम्यक् आजीव	6. सम्यक् व्यायाम
7. सम्यक् स्मृति	8. सम्यक् समाधि

- बौद्ध धर्म में ईश्वर को नहीं माना गया है। नैतिकता पर बल दिया गया है।
- महात्मा बुद्ध ने कर्म के सिद्धान्त पर बल दिया तथा सत्य और अहिंसा को प्रमुखता दी। निर्वाण (मोक्ष) को अन्तिम लक्ष्य स्वीकार किया गया।
- बौद्ध धर्म में वेदों की प्रामाणिकता को अस्वीकार किया गया है।
- बौद्ध धर्म मूलतः अनीश्वरवादी है। बुद्ध ने आत्मा की परिकल्पना को भी अस्वीकार किया।

बौद्ध संघ

- बौद्ध भिक्षुओं के मार्गदर्शन के लिए महात्मा बुद्ध ने बौद्ध संघ की स्थापना की।
- बौद्ध संघ में भिक्षुओं के प्रवेश को **उपसम्पदा** कहा जाता था। गृहस्थ जीवन में रहकर बौद्ध धर्म को मानने वाले 'उपासक' कहलाते थे।
- पहले बौद्ध संघ में महिलाओं को प्रवेश नहीं दिया गया था, किन्तु **आनन्द** के कहने पर महिलाओं के लिए अलग से बौद्ध संघ की स्थापना की गई थी।

बौद्ध संगीतियाँ

संगीति	*समय*	*स्थान*	*शासक*	*अध्यक्ष*
प्रथम बौद्ध संगीति	483 ई.पू.	राजगृह	अजातशत्रु	महाकस्सप
द्वितीय बौद्ध संगीति	383 ई.पू.	वैशाली	कालाशोक	साबकमीर (*सर्वकामिनी*)
तृतीय बौद्ध संगीति	250 ई.पू.	पाटलिपुत्र	अशोक	मोग्गलिपुत्त तिस्स
चतुर्थ बौद्ध संगीति	प्रथम सदी ई.	कुण्डलवन (*कश्मीर*)	कनिष्क	वसुमित्र

बौद्ध ग्रन्थ

- अधिकांश बौद्ध ग्रन्थों की रचना **पालि** भाषा में हुई है। बौद्ध ग्रन्थों में सबसे महत्त्वपूर्ण **त्रिपिटक** हैं। **सुत्त, विनय** तथा **अभिधम्म** पिटक में बौद्ध धर्म की सम्पूर्ण प्रवृत्तियाँ अन्तर्निहित हैं।
- **दीपवंश** तथा **महावंश** अन्य महत्त्वपूर्ण रचनाएँ हैं, जिसमें बौद्ध दर्शन तथा सिद्धान्तों की चर्चा मिलती है।

त्रिपिटक

- **सुत्तपिटक** इसमें बौद्ध धर्म के सिद्धान्तों का उल्लेख है।
- **विनयपिटक** इसमें बौद्ध संघ के नियमों की व्याख्या की गई है।
- **अभिधम्मपिटक** इसमें बौद्ध दर्शन पर प्रकाश डाला गया है।

बौद्ध सम्प्रदाय

- महात्मा बुद्ध के महापरिनिर्वाण के बाद बौद्ध धर्म कई सम्प्रदायों में विभक्त हो गया। इसमें प्रमुख हैं—हीनयान तथा महायान। यह विभाजन चौथी बौद्ध संगीति में हुआ।
- **हीनयान** महात्मा बुद्ध के दर्शन तथा सिद्धान्तों में विश्वास करने वाला सम्प्रदाय था, जबकि महायान सम्प्रदाय को मानने वाले बुद्ध के साथ बोधिसत्वों के जीवन तथा सिद्धान्तों में भी विश्वास रखते थे।
- आगे बौद्ध धर्म में तान्त्रिक विचारधारा भी प्राबल्य हुई जिसके प्रभाव में 'वज्रयान' सम्प्रदाय अस्तित्व में आया।

बुद्ध के जीवन से सम्बन्धित प्रतीक

घटना	प्रतीक	घटना	प्रतीक
जन्म	कमल, सांड	मृत्यु	स्तूप
गृहत्याग	घोड़ा	ज्ञान	पीपल (बोधिवृक्ष)
निर्वाण	पदचिह्न		

क्विक डाइजेस्ट

- बोरोबुदूर का **बौद्ध स्तूप** जो विश्व का सबसे विशाल तथा अपने प्रकार का एकमात्र स्तूप, का निर्माण शैलेन्द्र राजाओं ने मध्य जावा इण्डोनेशिया में कराया था।
- महात्मा बुद्ध से जुड़े आठ स्थान लुम्बिनी, गया, सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, संकास्य, राजगृह तथा वैशाली को बौद्ध ग्रन्थों में **अष्टमहास्थान** नाम से जाना गया है।
- बुद्ध के घोड़े का नाम कंथक तथा सारथी का नाम छन्न था।
- बुद्ध के प्रारम्भिक गुरु आलार कलाम एवं रुद्रक रामपुत्र थे।
- प्रथम बौद्ध संगीति में सुतपिटक (आनन्द द्वारा) तथा विनयपिटक (उपालि) बौद्ध ग्रन्थ का संकलन हुआ।
- द्वितीय बौद्ध संगीति में बौद्ध धर्म का महासंधिक तथा स्थाविरवाद में विभाजन हुआ।
- चतुर्थ बौद्ध संगीति में बौद्ध धर्म का हीनयान तथा महायान दो सम्प्रदायों में विभाजन हुआ।

अन्य धार्मिक सम्प्रदाय

- बौद्ध तथा जैन धर्म के समानान्तर कई अक्रियावादी सम्प्रदाय भी अस्तित्व में थे, जिनमें **आजीवक** सम्प्रदाय प्रमुख था।

सम्प्रदाय	*संस्थापक*
आजीवक	मक्खलिपुत्त गोशाल
घोर अक्रियावादी	पूरण कश्यप
भौतिकवादी	अजित केशकम्बलिन
अनिश्चयवादी	संजय वेट्ठिलपुत्त
नियतिवादी	पकुध कच्चायन

- भागवत तथा शैव सम्प्रदाय भी इसी समय अस्तित्व में आया था। विष्णु तथा उसके अवतार भागवत सम्प्रदाय के दर्शन तथा सिद्धान्तों के केन्द्र में थे। **भगवद्गीता** भागवत सम्प्रदाय का श्रेष्ठ धार्मिक ग्रन्थ है।

शैव धर्म

- लिंग पूजा का प्रथम स्पष्ट उल्लेख **मत्स्य पुराण** में मिलता है। महाभारत के अनुशासन पर्व में भी लिंगोपासना का उल्लेख है।
- शिव की प्राचीनतम मूर्ति गुडीमल्लम लिंग आन्ध्र प्रदेश के 'रेनुगुंटा' से मिली है। शैव सम्प्रदायों का प्रथम उल्लेख पतंजलि के 'महाभाष्य' में शिव भागवत नाम से हुआ।
- वामन पुराण में शैव सम्प्रदाय की संख्या चार बताई गई है, *ये हैं*
  1. शैव 2. पाशुपत
  3. कापालिक 4. कालामुख
- **पाशुपत** शैव मत का सबसे पुराना सम्प्रदाय है। इस सम्प्रदाय के संस्थापक लकुलीश या नकुलीश थे।
- कापालिकों के इष्टदेव भैरव थे, जो शंकर का अवतार माने जाते थे।
- कुषाण शासकों की मुद्राओं पर शिव एवं नन्दी का एक साथ अंकन प्राप्त होता है।
- ऐलोरा के प्रसिद्ध **कैलाश मन्दिर** का निर्माण राष्ट्रकूट नरेश **कृष्ण प्रथम** ने कराया था।
- कश्मीरी शैव शुद्ध रूप से दार्शनिक तथा ज्ञानमार्गी था। इसके संस्थापक वसुगुप्त थे।
- दक्षिण भारत में भी शैव धर्म का विस्तार हुआ। इस धर्म के उपासक दक्षिण में लिंगायत या जंगम कहे जाते हैं।
- दक्षिण व उत्तर भारत में शैव धर्म का प्रचार आडियार संतों द्वारा किया गया, ये संख्या में 63 थे। नम्बि अण्डाल नम्बि एक प्रमुख अडयार संत थे।

वैष्णव धर्म

- इस धर्म के संस्थापक वासुदेव कृष्ण थे, जो वृष्णिवंशीय यादव कुल के नेता थे।
- **छान्दोग्य** उपनिषद में श्रीकृष्ण का उल्लेख सर्वप्रथम मिलता है। उसमें कृष्ण को देवकी-पुत्र व ऋषि घोर अंगिरस का शिष्य बताया गया।
- भागवत धर्म का सिद्धान्त भगवद्गीता में निहित है। भागवत सम्प्रदाय के मुख्य तत्त्व भक्ति और अहिंसा हैं। भगवद्गीता में प्रतिपादित अवतार सिद्धान्त भागवत धर्म की महत्त्वपूर्ण विशेषता थी।
- मत्स्य पुराण में विष्णु के दस अवतारों का उल्लेख मिलता है।
- 'नारायण' का प्रथम उल्लेख 'शतपथ ब्राह्मण' में मिलता है।
- मेगस्थनीज ने कृष्ण को **हेराक्लीज** कहा।
- भागवत सम्प्रदाय के प्रमुख देवता संकर्षण, वासुदेव, प्रद्युम्न, साम्ब, अनिरुद्ध हैं।

भागवत सम्प्रदाय के नायक

- वासुदेव
- साम्ब
- संकर्षण
- प्रद्युम्न
- अनिरुद्ध

शाक्त धर्म

- शक्ति (शाक्त) सम्प्रदाय का शैव मत के साथ घनिष्ठ सम्बन्ध है। शक्ति सम्प्रदाय या देवी की पूजा का उल्लेख महाभारत में प्राप्त होता है।
- ऋग्वेद के **दशम मण्डल** में एक पूरा सूक्त ही शक्ति की उपासना में विवृत है, जिसे 'तान्त्रिक देवी सूक्त' कहते हैं।
- शाक्तों के दो वर्ग हैं— कौलमार्गी एवं समयाचारी।
- कौलमार्गी पंचमकार की उपासना करते हैं, जिसमें मद्य, मांस, मत्स्य, मुद्रा और मैथुन है, जो 'म' से प्रारम्भ होते हैं।

ईसाई धर्म

- ईसाई धर्म के संस्थापक **ईसा मसीह** थे, जिनका जन्म जेरूसलम के निकट बैथलेहम नामक स्थान पर हुआ था। इनकी माता का नाम मेरी और पिता का नाम जोसेफ था।
- ईसा मसीह के प्रथम दो शिष्य–एंड्रूस व पीटर थे। इन्हें 33 ई. में रोमन गवर्नर पोन्टियस ने सूली पर चढ़ाया। ईसाई धर्म का प्रमुख ग्रन्थ **बाइबिल** तथा सबसे पवित्र चिह्न **क्रॉस** है। ईसा मसीह के जन्म दिवस को **क्रिसमस** के रूप में मनाया जाता है।

पारसी धर्म

- पारसी धर्म के पैगम्बर जरथ्रुस्ट (ईरानी) थे। इनकी शिक्षाओं का संकलन **जेन्द अवेस्ता** नामक ग्रंथ में है, जो पारसियों का धार्मिक ग्रन्थ है। पारसी धर्म के अनुयायी एक ईश्वर 'अहुर' को मानते हैं तथा इनके अनुयायियों को 'अग्नि-पूजक' भी कहा जाता है।

महाजनपद काल

- छठी शताब्दी ई.पू. में 16 महाजनपदों का उदय हुआ, जिसमें मगध सर्वाधिक शक्तिशाली महाजनपद था। बौद्ध ग्रन्थ अंगुत्तर निकाय में पहली बार 16 महाजनपदों की चर्चा मिलती है।
- इन महाजनपदों में एकमात्र **अश्मक** (नर्मदा के दक्षिण) दक्षिण भारत में था, जहाँ इक्ष्वाकु वंश के शासकों ने शासन किया।
- जैन ग्रन्थ 'भगवती सुत्त' में भी 16 महाजनपदों की चर्चा है। इसमें वज्जि संघ पर मगध के आक्रमण का वर्णन भी मिलता है।
- महाजनपद काल में 10 गणतन्त्र भी विद्यमान थे, जिनमें लिच्छवि (वैशाली), शाक्य (कपिलवस्तु), भग्ग (सुमसुमागिरि) इत्यादि प्रमुख थे।
- विश्व का पहला गंणतंत्र **लिच्छवि** (वैशाली) गणराज्य में ही स्थापित था।

महाजनपद एवं उनकी राजधानी

महाजनपद	*राजधानी*	*महाजनपद*	*राजधानी*
मगध	राजगृह	वत्स	कौशाम्बी
कोसल	श्रावस्ती	कुरु	हस्तिनापुर
वज्जि	वैशाली	मत्स्य	विराटनगर
अवन्ति	उज्जयिनी/ महिष्मती	पांचाल	अहिच्छत्र/काम्पिल्य
काशी	वाराणसी	शूरसेन	मथुरा
अंग	चम्पा	गान्धार	तक्षशिला
मल्ल	कुशीनारा	कम्बोज	राजापुर
चेदि	सुक्तिमती	अश्मक	पोतन

मगध साम्राज्य

- महाजनपदों के काल में मगध ने अपनी शक्ति का विस्तार किया तथा धीरे-धीरे सम्पूर्ण उत्तर भारत को अपने आधिपत्य में ले लिया।
- मगध पर शासन करने वाला पहला शासकीय वंश **हर्यंक वंश** था। इसके बाद **शिशुनाग** तथा **नन्द वंश** ने शासन किया। नन्दों को समाप्त कर मौर्य वंश ने शासन आरम्भ किया।

हर्यंक वंश

- **बिम्बिसार** हर्यंक वंश का पहला साम्राज्यवादी शासक था। बौद्ध ग्रन्थ 'महावंश' के अनुसार उनके पिता का नाम भट्टिय था। उसकी राजधानी राजगृह (गिरिव्रज) थी।
- बिम्बिसार का शासनकाल 544-493 ई.पू. माना गया है। उसने 52 वर्षों तक शासन किया।
- बिम्बिसार ने अपनी शक्ति तथा राज्य विस्तार के लिए वैवाहिक सम्बन्धों की नीति को अपनाया। मद्र, कोसल, लिच्छवि तथा गान्धार से उसने विवाह सम्बन्ध स्थापित किए। वह **महात्मा बुद्ध** का समकालीन था। जीवक उसका राजवैद्य था।
- 493 ई.पू. में अजातशत्रु (कुणिक) ने अपने पिता बिम्बिसार की हत्या कर सिंहासन प्राप्त किया।
- **अजातशत्रु** ने राज्य विस्तार के लिए युद्ध विजय को अपनाया। वज्जि संघ पर विजय के लिए अपने मन्त्री वस्सकार की कूटनीति का प्रयोग किया।
- लिच्छवियों के आक्रमण से सुरक्षा हेतु अजातशत्रु ने अपनी राजधानी राजगृह में सुदृढ़ दुर्ग का निर्माण कराया। उदायिन जैन धर्मावलम्बी था।
- अजातशत्रु ने रथमूसल तथा महाशिलाकण्टक जैसे हथियारों का इस्तेमाल युद्ध में किया। उसने वैशाली को मगध साम्राज्य का हिस्सा बनाया।
- अजातशत्रु के बाद उसका पुत्र **उदायिन** शासक बना। उदायिन जैन धर्मावलम्बी था। उसने **पाटलिपुत्र नगर** (कुसुमपुरा) की स्थापना की तथा उसे अपनी राजधानी बनाया।

शिशुनाग वंश

- हर्यंक वंश के अन्तिम शासक नागदशक की हत्या कर 412 ई.पू. में शिशुनाग ने इस वंश की स्थापना की।
- शिशुनाग ने अवन्ति, वत्स तथा कोसल महाजनपदों को मगध में मिला लिया। शिशुनाग ने पाटलिपुत्र के अतिरिक्त वैशाली को अपनी दूसरी राजधानी बनाया।
- शिशुनाग का उत्तराधिकारी **कालाशोक** या **काकवर्ण** था। उसके समय द्वितीय बौद्ध संगीति का आयोजन वैशाली में हुआ था।

नन्द वंश

- शिशुनाग वंश के अन्तिम शासक नंदिवर्धन की हत्या कर महापद्मनन्द ने 'नन्द वंश' की नींव रखी। बौद्ध ग्रन्थ महाबोधिवंश में उसे **उग्रसेन** कहा गया है।
- पुराणों में महापद्मनन्द को सर्वक्षत्रान्तक, **एकराट्** कहा गया है। पुराणों में खारवेल के हाथीगुम्फा अभिलेख में उसके **कलिंग विजय** का उल्लेख है। उसने तत्कालीन राज्यों को जीतकर मगध को विशाल साम्राज्य में बदल दिया।
- **धनानन्द** नन्दवंश का अन्तिम शासक था। यह सिकन्दर का समकालीन था। इसके शासनकाल में पश्चिमोत्तर भारत पर सिकन्दर का आक्रमण हुआ था।
- धनानन्द के शासन के दौरान जनता के असन्तोष का लाभ उठाकर चन्द्रगुप्त मौर्य ने चाणक्य की सहायता से मगध पर आधिपत्य कायम किया।

मगध के उत्थान के कारण

मगध 16 महाजनपदों में से एक था, जिसके शासकों ने सम्पूर्ण उत्तर भारत तथा दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों पर साम्राज्य विस्तार कर इसे शक्ति का केन्द्र बनाया। मगध के उत्थान के निम्नलिखित कारण विद्वानों द्वारा बताए जाते हैं

भौगोलिक स्थिति

- गंगा तथा उसकी सहायक नदियों के मैदान में कृषि तथा वाणिज्य का अत्यधिक विस्तार हुआ।
- गंगा, सोन तथा पुनपुन नदियों के संगम पर स्थित होने के कारण पाटलिपुत्र एक जलदुर्ग था, जिसके कारण यहाँ किसी शासक का आक्रमण करना आसान नहीं था। राजगृह भी सामरिक रूप से एक सुरक्षित स्थान था।
- उत्तर भारत में पाटलिपुत्र व्यापार का एक केन्द्र था, जिससे शासकों को आर्थिक समृद्धि का मौका मिला।

सैन्य संगठन

- मगध साम्राज्य की राजधानी के निकट उस समय घने जंगल थे, जिनसे प्राप्त हाथियों का उपयोग सैन्य शक्ति को बढ़ाने में किया गया। हाथी मगध सेना की सबसे बड़ी शक्ति थी।
- जंगलों में अनेक लौह खदानें थीं, जिनसे लोहा प्राप्त होता था। लोहे का उपयोग अस्त्र-शस्त्रों में किया जाता था, जबकि अन्य महाजनपदों में इसका अभाव था।

शासकों का योगदान

- साम्राज्यवादी विचार के शासकों ने राज्य विस्तार को प्रोत्साहित किया। इस समय कूटनीति तथा सैन्य शक्ति दोनों का इस्तेमाल राज्य विस्तार में किया गया।
- साम्राज्य विस्तार का उत्साह अन्य क्षेत्रों से अधिक था। अनार्य तत्त्वों के प्रभाव से युद्ध के लिए तैयार जनसंख्या का उपयोग शासकों ने भरपूर किया।

विदेशी आक्रमण

- भारत पर प्रथम विदेशी आक्रमण ईरान के **हखामनी** वंश के राजाओं ने किया था।
- हखामनी शासक दारा प्रथम ने ही भारत पर पहला सफल आक्रमण किया था।

सिकन्दर का आक्रमण

- 326 ई.पू. में सिकन्दर ने भारत पर आक्रमण किया। वह यूनान के मकदूनिया का शासक था। सिकन्दर ने 326 ई. पू. में बल्ख (बैक्ट्रिया) को जीतने के बाद काबुल होते हुए हिन्दूकुश पर्वत को पार किया।
- सिकन्दर महान दार्शनिक अरस्तू का शिष्य था।
- सिकन्दर के आक्रमण के समय पश्चिमोत्तर भारत में कई छोटे-छोटे राजतन्त्र तथा गणराज्य स्थित थे। इसमें पोरस सबसे अधिक शक्तिशाली था। जो आम्भी **तक्षशिला** का शासक था। उसने सिकन्दर से सन्धि कर ली।
- सिकन्दर के आक्रमण के समय मगध पर नन्दवंश के शासक धनानन्द का शासन था। जनता में अलोकप्रिय होने के बावजूद उसकी सैन्य शक्ति प्रबल थी।
- पंजाब के शासक पोरस के साथ सिकन्दर ने हाइडेस्पीज का युद्ध (झेलम का युद्ध) लड़ा, जिसमें घायल होने के बाद पोरस को बन्दी बना लिया।
- 326 ई.पू. में **व्यास नदी** तक पहुँचकर सिकन्दर के सैनिकों ने आगे बढ़ने से मना कर दिया।
- सिकन्दर को सैनिकों के निर्णय के आगे झुकना पड़ा। 323 ई.पू. में वापस यूनान जाते हुए **बेबीलोन** में सिकन्दर की मृत्यु हो गई।
- भारत के बड़े भाग पर मौर्य साम्राज्य स्थापित होने के कारण राष्ट्रीय एकता के नए युग का सूत्रपात हुआ।

सिकन्दर के आक्रमण के प्रभाव

- सिकन्दर के आक्रमण के बाद भारत तथा यूनान के बीच व्यापारिक तथा सांस्कृतिक सम्बन्ध कायम हुए।
- भारत में कई स्थानों पर यूनानी बस्तियाँ स्थापित हुईं तथा हिन्द-यवन राज्यों की स्थापना पश्चिमोत्तर भारत में हुई।
- भारतीयों को नक्षत्र शास्त्र का ज्ञान हुआ तथा भारत ने सिक्कों की ढलाई करना सीखा।
- भारतीय स्थापत्य तथा शिल्पकला पर यूनानी प्रभाव देखने को मिला।

मौर्य साम्राज्य

चन्द्रगुप्त मौर्य (322-298 ई. पू.)

- चाणक्य की सहायता से अन्तिम नन्द शासक धनानन्द को अपदस्थ कर 322 ई.पू. में चन्द्रगुप्त मौर्य मगध का शासक बना। उसने मौर्य साम्राज्य की नींव रखी।
- साम्राज्य विस्तार के दौरान 305 ई. पू. में चन्द्रगुप्त मौर्य का संघर्ष यूनानी शासक **सेल्यूकस** निकेटर (सिकन्दर का सेनापति) से हुआ, जिसमें सेल्यूकस की हार हुई थी।
- सेल्यूकस ने 500 हाथियों के बदले एरिया (हेरात), अराकोसिया (कान्धार) जेड्रोसिया एवं पेरोपनिसडाई (काबुल) के क्षेत्रों के कुछ भाग चन्द्रगुप्त को दिए। **सेल्यूकस** की पुत्री का विवाह चन्द्रगुप्त के साथ हुआ।
- चन्द्रगुप्त तथा सेल्यूकस के युद्ध का वर्णन एप्पियानस ने किया है।
- सेल्यूकस ने चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में अपने राजदूत मेगास्थनीज को भेजा था।
- मेगास्थनीज ने पाटलिपुत्र में रहते हुए **इण्डिका** की रचना की।
- स्ट्रैबो तथा जस्टिन की रचनाओं में चन्द्रगुप्त मौर्य को 'सैण्ड्रोकोटस' कहा गया है, जबकि एरियन तथा प्लूटार्क ने उसे 'एण्ड्रोकोटस' कहा है।
- विलियम जोंस ने सबसे पहले यह प्रमाणित किया कि सैण्ड्रोकोटस ही चन्द्रगुप्त मौर्य है।
- मुद्राराक्षस (विशाखदत्त) में चन्द्रगुप्त मौर्य के लिए 'वृषल' तथा कुलहीन शब्द का प्रयोग हुआ है।
- चन्दुगुप्त मौर्य ने सौराष्ट्र, मालवा, अवन्ति के साथ सुदूर दक्षिण भारत के कुछ हिस्से को मगध साम्राज्य में मिलाया।

चन्द्रगुप्त के सम्बन्ध में धारणा

ब्राह्मण साहित्य	शूद्र
बौद्ध तथा जैन साहित्य	क्षत्रिय
मुद्राराक्षस	निम्न कुलोत्पन्न
जस्टिन	साधारण कुल में उत्पन्न
विष्णु पुराण	निम्न कुल में उत्पन्न

- **प्लूटार्क** के अनुसार चन्द्रगुप्त ने छः लाख सैनिक लेकर सम्पूर्ण भारत को रौंद डाला।
- तमिल ग्रन्थ **अहनानूरू** तथा **पुरनानुरू** से ज्ञात होता है कि चन्द्रगुप्त मौर्य ने दक्षिण भारत पर आक्रमण किया था।
- अपने अन्तिम समय में चन्द्रगुप्त जैन संन्यासी भद्रबाहु के साथ **श्रवणबेलगोला** (कर्नाटक) पहुँचा। उसने चन्द्रगिरि पर्वत पर 'चन्द्रगुप्त बस्ती' बसाई, जहाँ 298 ई. पू. में लम्बे उपवास के बाद उसका निधन हो गया।

चाणक्य

अर्थशास्त्र का रचनाकार कौटिल्य ही चाणक्य था। इसका अन्य नाम विष्णुगुप्त था। वह तक्षशिला विश्वविद्यालय में शिक्षक था, जहाँ चन्द्रगुप्त शिक्षा ग्रहण कर रहा था। चाणक्य ने चन्द्रगुप्त को नन्द वंश की समाप्ति के लिए रणनीतिक सहायता प्रदान की तथा मौर्य वंश की स्थापना की।

बिन्दुसार (298-273 ई.पू.)

- चन्द्रगुप्त के पश्चात् 298 ई.पू. में बिन्दुसार शासक बना। यूनानी लेखकों ने बिन्दुसार को अमित्रोचेटस कहा। वायु पुराण में उसे भद्रसार तथा जैन ग्रन्थों में सिंहसेन कहा गया है।
- बिन्दुसार के शासनकाल में तक्षशिला में दो विद्रोह हुआ, प्रथम को अशोक ने दबाया तथा दूसरे विद्रोह को सुसीम ने दबाया।
- सीरिया के शासक एण्टीओकस ने **डायमेकस** को बिन्दुसार के दरबार में अपना राजदूत बनाया। मिस्र के शासक टालेमी II फिलाडेल्फस ने **डायनिसियस** को बिन्दुसार के दरबार में राजदूत नियुक्त किया था।
- बिन्दुसार आजीवक सम्प्रदाय को संरक्षण देने वाला पहला मौर्य शासक था। 273 ई.पू. में उसकी मृत्यु हो गई।

अशोक (273-232 ई.पू.)

- सम्राट अशोक ने 273 ई. पू. में ही सिंहासन प्राप्त कर लिया था, परन्तु 4 साल तक गृह युद्ध में रत रहने के कारण अशोक का वास्तविक राज्याभिषेक 269 ई.पू. में हुआ।
- शासक बनने से पहले वह उज्जैन तथा तक्षशिला का गवर्नर था। उसने मन्त्री राधागुप्त की सहायता से गद्दी पाई थी।
- अशोक की माता का नाम **सुभद्रांगी** था और वह चम्पा (अंग) की राजकुमारी थी।
- उसने कश्मीर तथा खोतान पर अधिकार किया। कश्मीर में अशोक ने **श्रीनगर** की स्थापना की।
- राज्याभिषेक के 9वें वर्ष अर्थात् **261 ई.पू.** में अशोक ने कलिंग पर आक्रमण (13वें अभिलेख) किया।
- कलिंग के हाथीगुम्फा अभिलेख से प्रकट होता है कि सम्भवतः उस समय कलिंग पर नन्दराज नाम का कोई राजा राज्य कर रहा था।
- कलिंग युद्ध में व्यापक हिंसा के बाद उसने युद्ध विजय की जगह धम्म विजय को अपनाया तथा उपगुप्त नामक बौद्ध भिक्षु से बौद्ध धर्म की दीक्षा ली।
- बौद्ध धर्म अपनाने के बाद उसने बौद्ध धर्म का प्रचार-प्रसार किया। उसने अपने पुत्र **महेन्द्र** तथा पुत्री **संघमित्रा** को बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए श्रीलंका भेजा।
- अशोक ने शासन के 10वें वर्ष में **बोधगया** तथा 20वें वर्ष में **लुम्बिनी** की यात्रा की। नेपाल की तराई में स्थित निगालीसागर में कनकमुनि के स्तूप को संवर्द्धित करवाया।
- अशोक ने 'धम्म' को नैतिकता से जोड़ा। इसके प्रचार-प्रसार के लिए उसने शिलालेखों को उत्कीर्ण कराया। इसकी प्रेरणा उसे ईरानी शासक दारा प्रथम से मिली।
- अशोक ने 'विहार-यात्रा' की जगह बौद्ध तीर्थ स्थलों की यात्रा अर्थात् धम्म-यात्रा को प्रेरित किया।
- उसने 'धम्म' को स्थापित करने के लिए धम्ममहामात्र (13वें वर्ष) नामक अधिकारियों की नियुक्ति की।
- अशोक के **शिलालेख** ब्राह्मी, ग्रीक, अरमाइक तथा खरोष्ठी लिपि में उत्कीर्ण हैं, जबकि सभी **स्तम्भ लेख** प्राकृत भाषा में हैं।
- शाहबाजगढ़ी तथा मानसेहरा के शिलालेख की लिपि खरोष्ठी है।
- तक्षशिला तथा लघमान के अभिलेख अरमाइक लिपि में उत्कीर्ण हैं। शर-ए-कुना अभिलेख द्विलिपिक है। यह अरमाइक तथा ग्रीक लिपियों में उत्कीर्ण है।
- सर्वप्रथम 1750 ई. में टील पैन्थर नामक विद्वान् ने अशोक की लिपि का पता लगाया था।
- 1837 ई. में जेम्स प्रिंसेप ने अशोक के शिलालेखों (ब्राह्मी लिपि) को पढ़ने में सफलता प्राप्त की।
- धौली तथा जौगढ़ के शिलालेख पृथक् कलिंग लेख कहलाते हैं। इसमें सभी मनुष्यों को अपनी सन्तान बताया गया है।
- कौशाम्बी तथा प्रयाग के स्तम्भ लेख में अशोक की रानी कारूवाकी के दान का उल्लेख है। इसलिए इन्हें रानी का लेख भी कहते हैं (कारूवाकी तीवर की माँ थी)। अभिलेखों में केवल इसी रानी का उल्लेख है।
- अशोक के भाब्रू शिलालेख में धम्म का उल्लेख मिलता है।
- अशोक के बनाए गए स्तम्भों के मुख्य भाग हैं
  — यष्टि — यष्टि के ऊपर कमल की आकृति
  — फलक (Abacus) — पशु आकृति।
- बसाढ़ के स्तम्भ के ऊपर सिंह, संकिसा के ऊपर हाथी, रामपुरवा पर बैल, लौटिया नन्दनगढ़ पर सिंह, तथा साँची और सारनाथ के स्तम्भों के ऊपर एक साथ चार सिंह की आकृति मण्डित की गई है।
- साँची, सारनाथ, तक्षशिला स्थित धर्मराजिका स्तूप अशोक ने बनवाया। **बराबर** की पहाड़ियों में उसने आजीवक संन्यासियों के लिए गुफाओं-सुदामा, कर्ण चोपड़ व विश्व झोंपड़ी का निर्माण करवाया। अशोक ने लगभग 84,000 स्तूपों का निर्माण करवाया।
- 14 शिलालेखों के अतिरिक्त अशोक ने 13 लघु शिलालेख, 7 स्तम्भ अभिलेख तथा कई अन्य अभिलेखों को उत्कीर्ण करवाया।
- अशोक के बाद कुणाल, दशरथ, सम्प्रति शालिशूक, देववर्मा तथा वृहद्रथ मौर्य शासक हुए। **वृहद्रथ** अन्तिम मौर्य शासक था। पुष्यमित्र शुंग ने वृहद्रथ की हत्या कर शुंग वंश की नींव रखी।

अशोक के चौदह शिलालेख

पहला शिलालेख	पशुबलि की निंदा की गई है।
दूसरा शिलालेख	अशोक ने मनुष्य एवं पशु दोनों की चिकित्सा-व्यवस्था का उल्लेख किया है। चोल, चेर, पाण्ड्य, ताम्रपर्णि, केरलपुत्त, सतियपुत्त राज्यों का उल्लेख है।
तीसरा शिलालेख	राजकीय अधिकारियों को यह आदेश दिया गया है कि वे हर पाँचवें वर्ष के उपरान्त दौरे पर जाएँ। इस शिलालेख में कुछ धार्मिक नियमों का भी उल्लेख किया गया है।
चौथा शिलालेख	भेरीघोष की जगह धम्मघोष की घोषणा की गई है।
पाँचवाँ शिलालेख	धर्म-महामात्रों की नियुक्ति के विषय में जानकारी मिलती है।
छठा शिलालेख	आत्म-नियन्त्रण की शिक्षा दी गई है। प्रजा सदैव राजा से मिल सकती है।
सातवाँ शिलालेख	सभी सम्प्रदायों के लिए सहिष्णुता की बात कही गई है।
आठवाँ शिलालेख	अशोक की धम्म यात्राओं का उल्लेख किया गया है।
नौवाँ शिलालेख	विभिन्न प्रकार के समारोहों की निन्दा, किन्तु सच्चे शिष्टाचार का उल्लेख है।
दसवाँ शिलालेख	ख्याति एवं गौरव की निन्दा
ग्यारहवाँ शिलालेख	धम्म की व्याख्या की गई है।
बारहवाँ शिलालेख	स्त्री महामात्रों की नियुक्ति एवं सभी प्रकार के विचारों के सम्मान की बात कही गई है।
तेरहवाँ शिलालेख	कलिंग युद्ध का वर्णन एवं अशोक के हृदय-परिवर्तन की बात कही गई है। इसी में पड़ोसी राजाओं का वर्णन है।
चौदहवाँ शिलालेख	अशोक ने जनता को धार्मिक जीवन बिताने के लिए प्रेरित किया।

मौर्य प्रशासन

- कौटिल्य ने राज्य के सप्तांग सिद्धान्त के सात अंग निर्दिष्ट किए हैं—राज्य, राजा, मन्त्री, मित्र, कर/कोष, सेना तथा दुर्ग।
- कौटिल्य के अनुसार शासक को परामर्श देने के लिए दो सभाएँ थीं— **मन्त्रिसभा** तथा **मन्त्रिपरिषद्।**
- मन्त्रिसभा में सदस्यों की संख्या 3 से 12 तक होती थी, जबकि मन्त्रिपरिषद् में सदस्यों की संख्या 12, 16 या 20 होती थी।
- मन्त्रिपरिषद् के सदस्यों के चुनाव में उनके चरित्र की भलीभाँति जाँच की जाती थी, जिसे उपधा परीक्षण कहा जाता था।
- मौर्य प्रशासन के शीर्षस्थ अधिकारियों को **तीर्थ** कहा जाता था। तीर्थों की संख्या 18 थी।
- विभिन्न विभागों के प्रमुख को 'अध्यक्ष' कहा जाता था। अर्थशास्त्र में 26 अध्यक्षों की चर्चा मिलती है।
- अध्यक्षों के अधीन युक्त तथा उपयुक्त नामक कर्मचारी होते थे। अशोक के समय मौर्य प्रान्तों की संख्या 5 थी। प्रान्तों का प्रशासक **कुमारामात्य** अथवा **आर्यपुत्र** कहलाता था।

मौर्य प्रान्त

प्रान्त	*राजधानी*	*प्रान्त*	*राजधानी*
उत्तरापथ	तक्षशिला	दक्षिणापथ	सुवर्णगिरि
अवन्ती	उज्जयिनी	प्राची (पूर्वी)	पाटलिपुत्र
कलिंग	तोसलि		

- कुमारामात्य की सहायता के लिए युक्त, राजुक, प्रादेशिक इत्यादि अधिकारी नियुक्त होते थे।

मौर्य प्रशासन का स्तरीय खण्ड

- साम्राज्य
- प्रान्त
- आहार या विषय
- स्थानीय- 800 ग्रामों का समूह
- द्रोणमुख- 400 ग्रामों का समूह
- खार्वटिक- 200 ग्रामों का समूह
- संग्रहण- 100 ग्रामों का समूह
- ग्राम- प्रशासन की सबसे छोटी इकाई
- **प्रादेशिक** मण्डल का अधिकारी था।
- **युक्त** राजस्व अधिकारी था।
- **स्थानिक** जिलों का अधिकारी तथा **गोप** एवं **ग्रामिक** ग्रामीण प्रशासन से जुड़े थे।
- मेगास्थनीज ने नगर प्रशासन का वर्णन **इण्डिका** में किया है। इसके अनुसार नगर का प्रशासन तीस सदस्यों का एक मण्डल करता था, जो 6 समितियों में विभक्त था। प्रत्येक समिति में 5 सदस्य होते थे।

नगरीय समिति *एवं* कार्य

समिति	*कार्य*
प्रथम	उद्योग शिल्पों का निरीक्षण
द्वितीय	विदेशियों की देख-रेख
तृतीय	जन्म-मरण का लेखा-जोखा
चतुर्थ	व्यापार/वाणिज्य
पंचम	निर्मित वस्तुओं के विक्रय का निरीक्षण
छठी	ब्रिकीकर वसूल करना

- नगरों में दो प्रकार की समितियाँ थीं—सैन्य तथा सामान्य प्रशासन।
- एग्रोनोमई मार्ग निर्माण का अधिकारी था।
- 'संस्था' तथा 'संचरा' (संचार) गुप्तचर-व्यवस्था के अंग थे।
- संस्था संगठित होकर कार्य करते थे, जबकि संचरा
- **स्ट्रैबो** ने गुप्तचरों को निरीक्षक तथा ओवरसियर्स कहा है। अर्थशास्त्र में इन्हें गूढ़ पुरुष कहा गया है।
- 'कण्टकशोधन' (फौजदारी) तथा 'धर्मस्थीय' (दीवानी) न्यायालय थे। कण्टकशोधन का अधिकारी प्रदेष्टा कहलाता था। **नगर व्यावहारिक** न्यायाधीश होते थे। राजुक जनपदीय न्यायालय के न्यायाधीश था। जमीन की पैमाइश भी देखते थे।
- राज्य की आय का मुख्य साधन भू-राजस्व था। यह कुल उपज का 1/6 भाग (हिस्सा) होता था। भूमिकर को **भाग** कहा जाता था। विष्टि एक प्रकार का बेगार कर था। बिना वर्षा के अच्छी खेती वाली भूमि अदेवमातृक थी, जबकि बलि एक धार्मिक कर था।
- व्यापार की देख-रेख करने वाला अधिकारी पण्याध्यक्ष कहलाता था। राजकीय भूमि की देखभाल करने वाला सीताध्यक्ष कहलाता था।
- उदकभाग मौर्यकाल में वसूल किया जाने वाला सिंचाई कर था।
- **एरियन** हमें बताता है कि भारतीय व्यापारी मुक्ता बेचने के लिए यूनान के बाजारों में जाते थे।
- **अशोक** ने तोसली, उज्जैन और तक्षशिला के अधिकारियों के चक्रवत स्थानान्तरण की परिपाटी चलाई।
- **वस्त्र उद्योग** मौर्य काल का महत्त्वपूर्ण उद्योग था, किन्तु वह राज्य द्वारा संचालित होता था।
- राजकीय टकसाल के अधिकारी को 'लक्षणाध्यक्ष' कहा जाता था। मुद्राओं के परीक्षण का अधिकारी रूपदर्शक था।
- मौर्य सेना छः भाग में विभाजित थी— नौसेना, यातायात, पैदल सेना, घुड़सवार सेना, रथ सेना तथा गज सेना।
- युद्धक्षेत्र में सेना का संचालन करने वाला नायक होता था। नवाध्यक्ष युद्धपोतों के अतिरिक्त व्यापारिक पोतों का अध्यक्ष होता था। अन्तपाल दुर्गों के अध्यक्ष होते थे।
- मौर्य काल में सर्वोच्च अधिकारियों को 48 हजार पण वार्षिक तथा सबसे निचले दर्जे के अधिकारियों को कुल मिलाकर 60 पण मिलते थे।
- समाज में वेश्यावृत्ति की प्रथा प्रचलित थी तथा इसे राजकीय संरक्षण प्राप्त था। स्वतन्त्र रूप से वेश्यावृत्ति करने वाली स्त्रियाँ रूपाजीवा कहलाती थीं।
- मौर्य काल में प्रवहण एक प्रकार के सामूहिक समारोह थे, जिनमें भोज्य और पेय पदार्थों का प्रचुरता से उपयोग किया जाता था।
- नगर में अनुशासन रखने तथा अपराधी मनोवृत्ति के दमन करने हेतु पुलिस व्यवस्था थी। इन्हें रक्षिण कहा जाता था।
- मौर्य राजप्रासाद के चारों ओर लकड़ी की दीवार थी, जिसमें 64 द्वार तथा 570 बुर्ज थे।
- बुलन्दीबाग से नगर के परकोटे तथा कुम्राहार से राजप्रासाद के अवशेष प्राप्त हुए हैं।

मौर्य साम्राज्य : पतन के कारण

- अयोग्य तथा निर्बल उत्तराधिकारी
- प्रशासन का अतिशय केन्द्रीकरण
- राष्ट्रीय चेतना का अभाव
- आर्थिक तथा सांस्कृतिक असमानताएँ
- प्रान्तीय शासकों का अत्याचार
- करों की अधिकता
- अशोक की अहिंसा की नीति

मौर्योत्तर काल

- मौर्य साम्राज्य के पतन के साथ राजनीतिक एकता नष्ट होने लगी। इस दौर में कई शासक वर्गों का उदय हुआ तथा देश के उत्तर-पश्चिमी सीमा पर फिर से विदेशी शासक वर्ग-यूनानी, शक, कुषाण इत्यादि का आक्रमण आरम्भ हो गया।
- मौर्योत्तर काल में कई विशिष्ट शासकों ने भारत के विभिन्न क्षेत्रों पर शासन किया, जिसमें पुष्यमित्र शुंग, खारवेल, गौतमीपुत्र शातकर्णी तथा कनिष्क प्रमुख थे।
- मौर्योत्तर काल में कला तथा संस्कृति का भी अत्यधिक विकास हुआ। मूर्तिकला की गान्धार, मथुरा तथा अमरावती शैली पनपी। संस्कृत साहित्यों की रचना भी हुई। स्मृति तथा पुराणों की रचनाएँ भी प्रारम्भ हुईं।

शुंग वंश (185-75 ई. पू.)

- पुष्यमित्र शुंग एक मौर्य सेनापति था, जिसने अन्तिम मौर्य शासक वृहद्रथ की हत्या कर 185 ई. पू. में शुंग वंश की स्थापना की। पुष्यमित्र शुंग ने पाटलिपुत्र के स्थान पर उज्जयिनी (विदिशा) को अपनी राजधानी बनाया।
- पुष्यमित्र ब्राह्मण धर्म का समर्थक था। उसने अपने पुरोहित पतंजलि की सहायता से दो बार **अश्वमेघ यज्ञ** किया।

- मंजूश्रीमूलकल्प तथा दिव्यावदान जैसे बौद्ध ग्रन्थों में उसे पाटलिपुत्र के कुक्कटाराम विहार, स्तूपों को नष्ट करने वाला बताया गया है।
- पुष्यमित्र शुंग का उत्तराधिकारी अग्निमित्र था। कालिदास की रचना **मालविकाग्निमित्रम्** अग्निमित्र शुंग के जीवन पर आधारित नाट्य रचना है। अग्निमित्र के पुत्र वसुमित्र ने इण्डो यूनानी शासक मिनाण्डर को पराजित किया।
- शुंग वंश का अन्तिम शासक देवभूति था, जिसकी हत्या कर उसके सेनापति वसुदेव ने कण्व वंश की स्थापना की।
- शुंग वंश के शासन काल में मनुस्मृति, विष्णु स्मृति तथा याज्ञवल्क्य स्मृति ग्रन्थों की रचना हुई। इसी समय पतंजलि ने **अष्टाध्यायी** पर टीका **महाभाष्यम** लिखी।
- भरहुत में बौद्ध स्तूप, साँची स्तूप का प्रवेश द्वार तथा बोधगया का स्तूप के चारों ओर पत्थर की वेदिका शुंग वंश के शासनकाल में बनाया गया था। इसी समय तक्षशिला के यवन राजदूत **हेलियोडोरस** ने बेसनगर में गरुड़ स्तम्भ का निर्माण करवाया था।
- मथुरा के मोर स्थान से संकर्षण, वासुदेव, प्रद्युम्न, शाम्ब तथा अनिरुद्ध की प्रतिमा स्थापित करने का उल्लेख मिलता है।

कण्व वंश (75-30 ई. पू.)

- 75 ई. पू. में वसुदेव ने कण्व वंश के प्रथम शासक के रूप में शासन प्रारम्भ किया। इस वंश के चार शासक-वसुदेव, भूमिमित्र, नारायण तथा सुसर्मन हुए। कण्व वंश के अन्तिम शासक सुसर्मन को सातवाहन शासक सिमुक ने पराजित किया।
- अन्तिम कण्व शासक सुसर्मन की हत्या 30 ई. पू. में सिमूक ने कर दी और आन्ध्र सातवाहन वंश की नींव रखी।

हिन्द–यवन

- सेल्युकस द्वारा स्थापित पश्चिमी तथा मध्य एशिया के विशाल साम्राज्य को ऐण्टिओकस I ने अक्षुण्ण रखा किन्तु ऐण्टिओकस II के समय में अनेक प्रान्त स्वतन्त्र हो गए।
- इन्हीं में से बैक्ट्रिया के शासक डेमेट्रियस ने भारत पर 190 ई.पू. में आक्रमण कर अफगानिस्तान, पंजाब, सिंध के बड़े भूभाग पर अधिकार कर शाकल को अपनी राजधानी बनाया। इसे ही हिन्द-यूनानी राज्य कहा जाने लगा।
- इन्हीं हिन्द-यूनानी शासकों में मिनाण्डर का नाम उल्लेखनीय है, जिसने नागसेन से बौद्ध धर्म की दीक्षा ली, जो **मिलिन्दपन्हो** ग्रंथ में संकलित है।
- भारत में सबसे पहले हिन्द-यूनानियों ने ही सोने के सिक्के जारी किए।

> *गार्गी संहिता*
>
> **गार्गी संहिता** एक ज्योतिष ग्रन्थ है, जिसकी रचना कात्यायन ने की थी। इस रचना में यवन आक्रमण का उल्लेख मिलता है। इसमें बताया गया है कि यवन आक्रान्ता साकेत, पंचाल तथा मथुरा को जीतते हुए कुसुम ध्वज (पाटलिपुत्र) तक पहुँच गए।

शक/पहलव

- **शक** मूलतः सीरदरया (Jaxartes) के उत्तर में निवास करने वाली एक खानाबदोश तथा बर्बर जाति थी। 140 ई.पू. में शकों ने बैक्ट्रिया तथा पार्थिया पर अधिकार कर लिया। धीरे-धीरे पश्चिमी प्रदेशों से यवनों को समाप्त कर तक्षशिला, मथुरा, महाराष्ट्र उज्जयिनी में शकों की भिन्न-भिन्न शाखाएँ स्थापित की गई।
- तक्षशिला का पहला शक शासक **मेउस** था। गान्धार तथा पंजाब का पश्चिमी हिस्सा उसके अधिकार में था।
- मेउस का उत्तराधिकारी **एजेज** था, जिसने सम्पूर्ण पंजाब पर शासन किया। शक शासन क्षत्रपों में विभाजित था। इसका एक क्षत्रप गुजरात में स्थित था।
- शकों की एक शाखा गुजरात में शासन कर रही थी, जिसमें रुद्रदामन एक प्रमुख शासक था। जूनागढ़ से प्राप्त 150 ई. का उसका अभिलेख संस्कृत भाषा में उत्कीर्ण पहला अभिलेख है, जिसमें सुदर्शन झील के पुनरुद्धार का वर्णन है।
- पहलवों का प्रसिद्ध शासक **गोन्दोफर्निस** था। पहलवों ने **तक्षशिला** को अपनी राजधानी बनाया था।
- गोन्दोफर्निस के शासन काल में सेंट थॉमस ईसाई धर्म का प्रचार करने भारत आया था।
- पहलवों की शक्ति को समाप्त कर **कुषाण वंश** ने पश्चिमोत्तर भारत पर शासन आरम्भ किया।

कुषाण वंश

- पहलव के बाद कुषाण भारत आये जो **यू-ची** कबीले से सम्बन्धित थे।
- **कुजुल कडफिसेस** ने 15 ई. में कुषाण वंश की स्थापना की। उसका उत्तराधिकारी **विम कडफिसेस** था।
- विम कडफिसेस उत्तर भारत के वृहद् क्षेत्र को कुषाणों के अन्तर्गत लाया। वह शैव था। उसने **महेश्वर** उपाधि धारण की। भारत में सर्वप्रथम सोने के सिक्के **विम कडफिसेस** ने चलाए।

- कनिष्क 78 ई. में भारत का शासक बना। वह बौद्ध धर्म के महायान सम्प्रदाय का अनुयायी था। उसने पुरुषपुर को अपनी राजधानी बनाया तथा राज्यारोहण के वर्ष से **शक संवत्** का आरम्भ किया।
- कनिष्क की प्रथम राजधानी पेशावर (पुरुषपुर) एवं दूसरी राजधानी मथुरा थी। कनिष्क ने कश्मीर को जीतकर वहाँ कनिष्कपुर नामक नगर बसाया।
- कनिष्क ने बौद्ध धर्म, संस्कृत भाषा तथा भारतीय कला संस्कृति को अत्यधिक प्रोत्साहित किया। उसके दरबार में नागार्जुन, चरक, अश्वघोष, वसुमित्र जैसे विद्वान् रहते थे। अन्य विद्वानों में पार्श्व, संघरक्ष, मातृचेट प्रमुख थे।
- कनिष्क के शासनकाल में चतुर्थ बौद्ध संगीति कश्मीर के कुण्डलवन में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता वसुमित्र ने की तथा उपाध्यक्ष अश्वघोष थे।
- कनिष्क ने महाराज, राजाधिराज तथा देवपुत्र की उपाधियाँ धारण की थीं।
- कनिष्क के बाद वशिष्क, हुविष्क, कनिष्क II तथा वासुदेव शासक हुए।
- कनिष्क के उत्तराधिकारी हुविष्क (106-138 ई.) के समय में कुषाण शक्ति का प्रमुख केन्द्र पेशावर से हटकर मथुरा बन गया था। वह वैष्णव था।
- कनिष्क के कुल का अन्तिम महान् शासक **वासुदेव** था। उसके सिक्कों पर **शिव** की आकृति मिली है, जिससे उसके यूनानी सम्पर्क से दूर होने की पुष्टि होती है।
- इस समय भारत से रोमन साम्राज्य को **निर्यात** की जाने वाली वस्तुओं में कालीमिर्च, रेशम, मलमल, सूती वस्त्र, रत्न आदि का उल्लेख मिलता है। बदले में रोम से भारत आने वाले सोने की मात्रा पर ग्रीक इतिहासकार प्लिनी ने दुःख व्यक्त किया है।
- पश्चिमी तट पर बैरीगाजा (भड़ौच) अथवा मरुकच्छ प्रमुख बन्दरगाह था।
- इसी काल में **पक्की ईंटों** का प्रयोग आरम्भ हुआ।
- कुषाण साम्राज्य में गान्धार तथा मथुरा कला को अत्यधिक संरक्षण मिला।
- मथुरा शैली में कनिष्क की सिररहित मूर्ति मिली है।
- कनिष्क के शासन काल में बौद्ध तथा बोधिसत्वों की प्रतिमाओं को पूजा जाने लगा। यह महायान सम्प्रदाय की विचारधारा के अनुसार हुआ।
- प्रसिद्ध पुस्तक **कामसूत्र** की रचना **वात्स्यायन** द्वारा इसी समय की गई।
- कुषाण वंश का अन्तिक शासक **वासुदेव** था।

कनिष्क द्वारा संरक्षित विद्वान्

- **अश्वघोष** वह उच्च कोटि का साहित्यकार था, जिसकी तुलना मिल्टन, गेटे, काण्ट तथा वाल्टेयर से की जाती है। वह उच्च कोटि का नाटककार तथा संगीतज्ञ भी था। वह बौद्ध दार्शनिक था, जिसने बुद्धचरित सौन्दरानन्द, सारिपुत्रप्रकरण, सूत्रालंकार जैसी प्रसिद्ध रचनाएँ कीं।
- **नागार्जुन** वह दार्शनिक तथा वैज्ञानिक था। उसने अपने ग्रन्थ माध्यमिक सूत्र में सापेक्षता के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। उसे भारतीय आइंस्टीन भी कहा गया है। नागार्जुन ने **शून्यवाद** का विचार दिया।
- **वसुमित्र** इसने चतुर्थ बौद्ध संगीति की अध्यक्षता की थी। उसका प्रसिद्ध ग्रन्थ **महाविभाषाशास्त्र** है, जो बौद्ध जातकों की टीका है। इसे बौद्ध धर्म का विश्व कोश कहते हैं।
- **चरक** 'चरक संहिता' के रचनाकार चरक को चिकित्साशास्त्र का जनक कहा जाता है। इस ग्रन्थ में रोग निवारण की औषधियों का वर्णन मिलता है।

सातवाहन वंश

- पहली शताब्दी ई. पू. में सातवाहनों ने दक्षिण भारत में स्वतन्त्र राज्य की स्थापना की।
- सातवाहनों की राजधानी प्रतिष्ठान या पैठन थी। इन्हें 'आन्ध्रभृत्य' भी कहा जाता था। वायु पुराण में 19 सातवाहन शासकों के शासन की चर्चा है।
- सातवाहन वंश का संस्थापक **सिमुक** था। शातकर्णी इस वंश का पहला शक्तिशाली शासक था। उसने राजसूय तथा अश्वमेघ यज्ञ किए। शातकर्णी ने **दक्षिणपथपति** की उपाधि भी ग्रहण की।
- हाल तथा **गौतमीपुत्र शातकर्णी** सातवाहन वंश के प्रमुख शासक थे। हाल प्राकृत भाषा का प्रसिद्ध कवि भी था। उसने **गाथासप्तशती** की रचना की।
- गौतमीपुत्र शातकर्णी ने शक तथा पार्थियनों को पराजित किया। उसने सातवाहन शक्ति को गुजरात तथा राजपूताना तक पहुँचाया। 130 ई. में उसकी मृत्यु हो गई।
- वासिष्ठीपुत्र पुलमावि तथा यज्ञ श्री शातकर्णी अन्तिम दो महान सातवाहन शासक थे। वासिष्ठीपुत्र पुलमावि ने अमरावती के बौद्ध स्तूप का पुनरुद्धार करवाया। यज्ञ श्रीशातकर्णी के सिक्कों पर **जलपोत** उत्कीर्ण है।

मौर्योत्तरकालीन साहित्य

पुस्तक	*रचनाकार*
गाथा सप्तशती	हाल
महाभाष्य	पतंजलि
चरक संहिता	चरक
नाट्यशास्त्र	भरतमुनि
कामसूत्र	वात्स्यायन
बुद्धचरित, सौन्दरानन्द	अश्वघोष

कलिंग (चेदि)

- कलिंग का प्रसिद्ध शासक **खारवेल** चेदि वंश का शासक था। उसने पाटलिपुत्र पर आक्रमण किया तथा वहाँ से महापद्मनन्द द्वारा लूटी गई जैन मूर्ति को वापस लाने में सफलता प्राप्त की।
- खारवेल ने खण्डगिरि पर्वत पर जैन सन्तों के निवास के लिए गुफाओं का निर्माण किया।
- वह जैन धर्म का अनुयायी था, किन्तु अन्य धर्मों के प्रति भी सहिष्णु था।

संगम काल

- संगम तमिल कवियों का संघ या मण्डल था। इन संघ या परिषदों का आयोजन पाण्ड्य शासकों के संरक्षण में किया गया था।
- संगम कवियों को राजकीय संरक्षण प्राप्त हुआ, जिस कारण विशाल साहित्य की रचना हुई।
- संगम काल में 473 कवियों द्वारा 2289 रचनाएँ की गईं थी।
- संगम काल की प्रसिद्ध रचना तमिल व्याकरण तोलकाप्पियम् है, जिसकी रचना तोलकाप्पियर ने की थी।
- संगम साहित्यों की रचना 300 ई. पू. से 300 ई. के बीच की गई। इसमें तीन संगमों का वर्णन है, जिन्हें पांड्य शासकों ने संरक्षण दिया था।

तमिल संगम आयोजन

संगम	*स्थान*	*अध्यक्ष*
प्रथम संगम	मदुरै	अगस्त्य ऋषि
द्वितीय संगम	कपाटपुरम (अलवै)	तोलकाप्पियर (*संस्थापक अध्यक्ष अगस्त्य ऋषि*)
तृतीय संगम	मदुरै	नक्कीरर

- कौटिल्य ने संगम काल के दक्षिण भारतीय राज्यों को **कुलसंघ** कहा था।
- तिरुक्काम्पुलियर चेर, चोल, पाण्ड्य तीनों राज्यों का संगम स्थल था।
- आदिग इमान नामक चेर शासक को दक्षिण में गन्ने की खेती प्रारम्भ करने का श्रेय प्राप्त है।

चोल वंश

- चोलों (पूर्वी तमिलनाडु क्षेत्र) का प्राचीनतम उल्लेख कात्यायन ने किया है, इनका प्रतीक चिह्न बाघ था।
- संगमकालीन चोल वंश में सबसे प्रसिद्ध शासक **करिकाल** था। वह संगीत (सात स्वरों) का ज्ञाता एवं वैदिक धर्म का अनुयायी था। वह 190 ई. के आस-पास गद्दी पर बैठा। उसके पास शक्तिशाली नौसेना थी।
- चोल वंश की राजधानी कावेरीपट्टनम थी। **पत्तुपात्तु** एक लम्बी कविता है, जिसमें कावेरीपट्टनम की चर्चा है।
- करिकाल ने **वेण्णि का युद्ध** जीता था। उसने उद्योग-धन्धों तथा कृषि को प्रोत्साहित किया।
- शिलप्पादिकारम् तथा पट्टिनपलै में **करिकाल** की चर्चा मिलती है।
- करिकाल ने **पट्टिनप्पालै** के रचनाकार को 16 लाख सोने की मुद्राएँ प्रदान की थीं।
- राज्य के सर्वोच्च न्यायालय को **मनरम** कहा जाता था। प्रतिनिधि परिषद् को पंचवरम कहते थे।
- युद्ध में मारे गए सैनिकों की स्मृति में वीरपट्ट लगाया जाता था।
- तोण्डी, मुशिरी तथा पुहार प्रसिद्ध व्यापारिक केन्द्र थे। यहाँ यूनानी तथा रोमन व्यापारियों की बस्तियों का उल्लेख मिलता है।
- **शिलप्पादिकारम** में कोवलन और कण्णगी की कथा नूपूर के चारों ओर घूमती है।
- **मणिमेखलै की** रचना बौद्ध व्यापारी सत्तनार ने की।
- जीवक चिन्तामणि की रचना जैन मुनि **तिरुत्तक्कदेवर** ने की।
- **उरैयूर** सूती वस्त्र उत्पादन का प्रमुख केन्द्र था।
- **मुशिरी** बन्दरगाह पर यवन लोग सोने से लदा जहाज लाते थे तथा बदले में काली मिर्च ले जाते थे।

> - चेर, चोल, पाण्ड्य राजवंशों के राजचिह्न क्रमशः धनुष, बाघ तथा मछली थे।
> - इन्द्र, यम, वरुण और सोम को चारों दिशाओं क्रमशः पूर्व, दक्षिण, पश्चिम और उत्तर का संरक्षक बताया गया है।
> - अरागरिटिक एक प्रकार का मलमल था, जिसे निर्यात किया जाता था।

पांड्य वंश

- मेगस्थनीज ने पांड्य वंश के शासन की चर्चा की है। उसने पांड्य शासन को **हेराक्लीज की पुत्री** का शासन बताया है। इसने पाण्डय क्षेत्र को माबर नाम दिया था।
- पांड्य शासक मुदुकुडुमी ने यज्ञशालाओं का निर्माण करवाया तथा 'पलशालै' (अनेक यज्ञशाला बनाने वाला) की उपाधि ग्रहण की।
- 'मदुरैकांजी' नाम की रचना में नेंडुजेलियन के कुशल प्रशासन की चर्चा मिलती है।
- पांड्यों की राजधानी **मदुरै** थी तथा **कोरकाई** तटीय राजधानी थी। इसका प्रतीक चिन्ह कार्प (एक प्रकार की मछली) था।
- नेंडुजेलियन प्रसिद्ध पांड्य शासक था, जिसने **तलैयालंगानम** का युद्ध जीता था। पत्तुपात्तु में नेंडुजेलियन के जीवन का विवरण मिलता है।
- पत्तुपात्तु में किलार तथा नक्कीरा जैसे तमिल कवियों की कविताएँ संगृहित हैं।

- पांड्य शासक नेडियोन ने समुद्र पूजा की प्रथा प्रारम्भ की थी।
- नल्लियक्कोडन को अन्तिम संगमकालीन पांड्य शासक माना जाता है।
- पेरुनरकिल्लि नामक एक अन्य चोल राजा का भी उल्लेख मिलता है। उसने राजसूय यज्ञ किया था।

चेर वंश

- चेर वंश का शासन केरल के क्षेत्र पर था। इस वंश का प्रतीक चिह्न **धनुष** था।
- चेरों की राजधानी वंजि या वंजिपुरम् थी, जिसे करूर के नाम से भी जाना जाता था।
- चेर वंश का सबसे प्रसिद्ध शासक शेनगुट्टवन था, जिसे **लाल चेर** भी कहा जाता था।
- चेरों की राजधानी करूर (वंजि) से बड़ी संख्या में रोमन सिक्के एवं रोमन सुराहियाँ प्राप्त हुई हैं।
- प्रथम चेर शासक उदियनजेरल के कुरुक्षेत्र के युद्ध में शामिल होने का उल्लेख मिलता है। उसने महाभारत के युद्ध में भाग लेने वाले वीरों को भोजन करवाया था।
- शेनगुट्टवन ने पत्तनी पूजा आरम्भ की। इसे **कण्णगी पूजा** भी कहा जाता है।
- नेदुजेराल अदन ने नौ-सैनिक शक्ति स्थापित की तथा **अधिराज** की उपाधि ग्रहण की।

संगम रचनाएँ

रचना	*रचनाकार*
तिरुक्कुरल	तिरुवल्लुवर
शिलप्पादिकारम्	इलंगो आदिगल
मणिमेखलै	सत्तनार
तोलकाप्पियम्	तोलकाप्पियर
जीवक चिन्तामणि	तिरुत्तक्कदेवर

क्विक डाइजेस्ट

- मुरुगन (सुब्रह्मण्यम) तमिलों का सर्वश्रेष्ठ देव था
- मरियम्मा (परशुराम की माता) चेचक से सम्बन्धित शीतला माता थी।
- किसान लोग मरुदम इन्द्र देव की पूजा करते थे। पुहार के वार्षिक उत्सव में इन्द्र की विशेष प्रकार की पूजा होती थी।
- ओवैयर तथा नच्चेलियर संगम युगीन दो प्रसिद्ध कवयित्रियाँ थीं।
- संगम साहित्य में कृषि में संलग्न लोगों को बेलालर तथा मजदूर कृषक वर्ग को वेलरि एवं व्यापारी वर्ग को वेनिगर कहा गया है।
- वैदिक संस्कृति को आगस्त्य ऋषि ने दक्षिण में पहुँचाया।

गुप्त साम्राज्य

- गुप्त साम्राज्य के शासन काल को प्राचीन भारतीय इतिहास का **स्वर्ण काल** कहा जाता है।
- गुप्त वंश के शासन का प्रारम्भ **श्री गुप्त** द्वारा किया गया था, किन्तु इस वंश का वास्तविक शासक चन्द्रगुप्त प्रथम था।

चन्द्रगुप्त I (319-335 ई.)

- गुप्त अभिलेखों से ज्ञात होता है कि चन्द्रगुप्त प्रथम ही गुप्त वंश का प्रथम स्वतन्त्र शासक था। उसने **महाराजाधिराज** की उपाधि ग्रहण की थी।
- चन्द्रगुप्त प्रथम ने **गुप्त सम्वत्** की स्थापना 319-320 ई. में की थी। गुप्त सम्वत् तथा शक सम्वत् के बीच 241 वर्षों का अन्तर था।
- चन्द्रगुप्त प्रथम का लिच्छवी राजकुमारी कुमार देवी से विवाह हुआ था।
- कुमार देवी से विवाह के बाद चन्द्रगुप्त प्रथम को वैशाली का राज्य प्राप्त हुआ।

समुद्रगुप्त (335-375 ई.)

- चन्द्रगुप्त प्रथम के पश्चात् उसका पुत्र समुद्रगुप्त शासक बना। वह लिच्छवी राजकुमारी कुमार देवी से उत्पन्न हुआ था। वह स्वयं को **लिच्छवी दौहित्र** कहने पर गर्व का अनुभव करता था।
- समुद्रगुप्त का शासन काल राजनीतिक एवं सांस्कृतिक दोनों ही दृष्टियों से गुप्त साम्राज्य के उत्कर्ष का काल माना जाता है।
- **हरिषेण** रचित प्रयाग प्रशस्ति से समुद्रगुप्त की विजयों की विस्तृत जानकारी मिलती है।
- समुद्रगुप्त ने दिग्विजय की योजना बनाई थी। प्रयाग-प्रशस्ति के अनुसार इस योजना का ध्येय 'धरणि-बन्ध' (भूमण्डल को बाँधना) था।
- समुद्रगुप्त ने सैन्य विजय के बाद एक अश्वमेघ यज्ञ भी किया था और **अश्वमेघकर्ता** की उपाधि धारण की।
- समुद्रगुप्त एक उच्च कोटि का कवि भी था। उसने 'कविराज' नाम से कई कविताएँ भी लिखीं। एक सिक्के पर उसे **वीणा** बजाते दिखाया गया है।
- श्रीलंका के शासक **मेघवर्मन** ने बोधगया में एक बौद्ध विहार के निर्माण की अनुमति पाने के लिए, अपना राजदूत समुद्रगुप्त के पास भेजा था।
- समुद्रगुप्त ने उत्तर भारत (आर्यावर्त) के नौ शासकों को पराजित किया। पराजित राजाओं में अच्युत, नागसेन तथा गणपतिनाग प्रमुख थे।

- **विन्सेंट स्मिथ** ने समुद्रगुप्त को भारत का नेपोलियन कहा है।
- समुद्रगुप्त ने महान् बौद्ध भिक्षु **वसुबन्धु** को संरक्षण दिया था।
- इलाहाबाद के स्तम्भ लेख में समुद्रगुप्त की **धर्म प्रचार बन्धु** उपाधि का उल्लेख मिलता है।

चन्द्रगुप्त II (विक्रमादित्य) (375-415 ई.)

- समुद्रगुप्त के बाद सम्भवतः रामगुप्त शासक हुआ, किन्तु वह एक दुर्बल शासक था। उसके बाद चन्द्रगुप्त II शासक बना।
- चन्द्रगुप्त II ने वैवाहिक सम्बन्धों और विजय दोनों प्रकार से गुप्त साम्राज्य का विस्तार किया था।
- चन्द्रगुप्त II के अन्य नाम देवराज तथा देवगुप्त भी थे। धाव नाम से भी उसका उल्लेख कई स्थानों पर हुआ है।
- चन्द्रगुप्त II के शासनकाल में उसकी प्रथम राजधानी **पाटलिपुत्र** और द्वितीय राजधानी **उज्जयिनी** थी, ये दोनों ही नगर गुप्तकालीन शिक्षा के प्रसिद्ध केन्द्र थे।
- चन्द्रगुप्त द्वितीय का काल ब्राह्मण धर्म के चरमोत्कर्ष का काल था।
- उसका प्रधान सचिव वीरसेन (शैव) तथा सेनापति अम्रकार्दव (बौद्ध) था। पाटलिपुत्र से फाह्यान ने वापसी यात्रा प्रारम्भ की तथा अपनी पूरी यात्रा के विवरण में कहीं भी सम्राट का नामोल्लेख नहीं किया। चन्द्रगुप्त II का काल साहित्य और कला का **स्वर्ण युग** कहा जाता है।
- चन्द्रगुप्त II ने शकों पर विजय के उपलक्ष्य में रजत मुद्राओं (silver coins) का प्रचलन करवाया था तथा **शकारि** उपाधि धारण की एवं व्याघ्र शैली के सिक्के चलाए।

> *मेहरौली लौह स्तम्भ*
>
> दिल्ली में मेहरौली में स्थापित कुतुबमीनार के प्रांगण में स्थित लौह-स्तम्भ पर 'चन्द्र' नामक शासक की चर्चा है। 'चन्द्र' तथा 'धाव' शासक सम्भवतः चन्द्रगुप्त II था, जिसकी चर्चा इस अभिलेख में हुई है।

- चन्द्रगुप्त II ने अपनी पुत्री **प्रभावती** का विवाह वाकाटक शासक **रुद्रसेन** II के साथ किया।
- चन्द्रगुप्त II अपने दरबार में विद्वानों एवं कलाकारों को आश्रय देता था। उसके दरबार में नौ रत्न थे— कालिदास, धनवन्तरि, क्षपणक, अमरसिंह, शंकु, वेताल भट्ट, घटकर्पर, वराहमिहिर और वररुचि।
- चन्द्रगुप्त II के शासन काल में चीनी यात्री **फाह्यान** (399-414 ई.) भारत यात्रा पर आया था। फाह्यान अपनी पूरी यात्रा विवरण में कहीं भी किसी सम्राट का उल्लेख नहीं करता है।

कुमारगुप्त (415-455 ई.)

- चन्द्रगुप्त II विक्रमादित्य के पश्चात् उसका पुत्र कुमारगुप्त I गुप्त साम्राज्य का शासक बना। कुमारगुप्त की माता का नाम ध्रुव देवी था।
- गुप्त शासकों में सर्वाधिक अभिलेख कुमारगुप्त के ही प्राप्त हुए हैं। उसके शासन काल में **हूणों का आक्रमण** हुआ था।
- कुमारगुप्त I महेन्द्रादित्य के नाम से भी जाना जाता था।
- कुमारगुप्त I स्वयं वैष्णव धर्मानुयायी था, किन्तु उसने धर्म-सहिष्णुता की नीति का पालन किया।
- कुमारगुप्त I ने अधिकाधिक संख्या में मयूर आकृति की रजत मुद्राएँ प्रचलित की थी तथा अश्वमेघ यज्ञ भी किया था।
- कुमारगुप्त I (415-455 ई.) के शासन काल में नालन्दा विश्वविद्यालय की स्थापना हुई थी। इस विश्वविद्यालय को ऑक्सफोर्ड ऑफ महायान बौद्ध कहा जाता है।

स्कन्दगुप्त (455-467 ई.)

- स्कन्दगुप्त (455-467 ई.) गुप्त वंश का अन्तिम प्रतापी शासक था।
- स्कन्दगुप्त ने 466 ई. में चीनी सांग सम्राट के दरबार में राजदूत भेजा था।
- स्कन्दगुप्त के उत्तराधिकारियों में बुद्ध गुप्त सबसे अधिक शक्तिशाली राजा था। वह **बौद्ध** था।
- स्कन्दगुप्त ने मौर्यों द्वारा निर्मित **सुदर्शन झील** का जीर्णोद्धार करवाया था। इसके पुनरुद्धार का कार्य सौराष्ट्र के गवर्नर पर्णदत्त के पुत्र चक्रपालित को सौंपा था।
- 455 ई. में स्कन्दगुप्त ने हूणों को पराजित किया। हूणों के आक्रमण से भारत की सुरक्षा करने का श्रेय स्कन्दगुप्त को है। उसने पुष्यमित्रों के विद्रोह को भी समाप्त किया। इसका उल्लेख उसके भीतरी स्तम्भ लेख में हुआ है।
- गुप्त वंश के शासक भानुगुप्त के समय सती प्रथा का प्रथम साक्ष्य 510 ई. के **एरण लेख** में मिलता है।
- गुप्त वंश का अन्तिम शासक **विष्णुगुप्त** था। 570 ई. में गुप्त साम्राज्य का पतन हो गया।

प्रशासन

- राजाओं ने 'परमेश्वर,' 'महाराजाधिराज', 'परमभट्टारक' आदि उपाधियाँ धारण की।
- 'कुमारामात्य' गुप्त प्रशासन के प्रमुख अधिकारी होते थे।
- गुप्तकाल से ही विकेन्द्रीकरण की प्रवृत्ति बढ़ने लगी थी।

- गरुड़ गुप्त वंश का राजकीय चिह्न था प्रयाग प्रशस्ति से पता चलता है कि गुप्तों की राजाज्ञाएँ गरुड़ मुद्रा में अंकित हुआ करती थीं।
- गुप्त साम्राज्य में ग्राम समूह की छोटी इकाई को पेठ कहते थे जिसका उल्लेख संक्षोभ के खोह अभिलेख में मिलता है।
- गुप्तों के कार्यकलाप का मुख्य प्रांगण मध्यदेश (उ.प्र. तथा बिहार) की उर्वरा भूमि थी। गुप्तों की आरम्भिक मुद्राएँ उत्तर प्रदेश में ही मिली हैं।
- केन्द्र में मुख्य विभाग सैन्य था। सन्धि विग्राहिक सेना का मुख्याधिकारी होता था।
- गुप्तवंशी राजाओं ने बड़ी संख्या में सोने के सिक्के जारी किए जिन्हें **दीनार** के नाम से जाना जाता था।
- चन्द्रगुप्त I के सिक्कों पर चन्द्रगुप्त व कुमार देवी का चित्र व नाम अंकित पाया गया है।
- राजकार्य में सम्राट को सहायता करने वाले मन्त्री और अमात्य होते थे। कामन्दक नीतिसार में मन्त्रियों और अमात्यों के बीच के अन्तर को स्पष्ट किया गया है।
- गुप्तों की शासन व्यवस्था पूर्णतया मौलिक नहीं थी। उसमें मौर्यों, सातवाहनों, शकों तथा कुषाणों के प्रशासन की विधियों का समावेश था।
- पुलिस विभाग के पदाधिकारियों में उपरिक, दशापराधिक, चौराद्धरणिक, दण्डपाशिक, अंगरक्षक आदि प्रमुख थे।
- पुलिस विभाग के साधारण कर्मचारियों को चाट एवं भाट कहा जाता था। दण्डपाशिक पुलिस विभाग का प्रधान होता था।

अर्थव्यवस्था

- गुप्तकाल में सिंचाई हेतु रहट या घंटी यंत्र का प्रयोग होता था।
- गुप्तकालीन स्वर्ण मुद्रा दीनार तथा चाँदी के सिक्के **रूप्यका** कहलाता था। सामान्य लोग खरीद बिक्री हेतु कौड़ी का प्रयोग करते थे।
- गुप्तकालीन अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार कृषि था। वस्त्र उद्योग इस काल का प्रमुख उद्योग था।
- गुप्तकार में सर्वाधिक व्यापार दक्षिण पूर्व एशिया से होता था। ताम्रलिप्ति, घंटशाला, पलूरा, भंडौच, कैम्बे आदि प्रमुख बन्दरगाह थे।

भूमि के प्रकार

क्षेत्र	कृषि करने योग्य भूमि
वास्तु	वास करने योग्य भूमि
खिल	ऐसी भूमि जो जोतने योग्य नहीं होती थी।
अप्रहत	ऐसी भूमि जो जंगली होती थी।
चरागाह	पशुओं के चारा योग्य भूमि

समाज

- स्त्रियों की दशा पहले से निम्न हो गई थी। इसी काल में सती-प्रथा की प्रथम घटना का उल्लेख मिलता है।
- जातियाँ उपजातियों में विभक्त हो गई थीं।
- शूद्रों की दशा में कुछ सुधार हुआ, किन्तु छुआछूत की कुप्रथा ने जड़ें जमानी शुरू कर दी थीं।
- याज्ञवल्क्य ने सर्वप्रथम स्त्रियों के सम्पत्ति सम्बन्धी अधिकारों की वकालत की थी।
- सर्वाधिक भूमि अनुदान गुप्तकाल में दिया गया।
- नारद तथा पराशर स्मृतियों में विधवा विवाह का समर्थन मिलता है। नारद स्मृति में 15 प्रकार के दासों का उल्लेख है।
- गुप्तकाल में बटाई पर खेती करने वाले किसान को त्रयधसीरिन या सीरिन कहते थे।
- गंगा और यमुना के मूर्ति रूप गुप्त काल की ही देन है।
- वेश्यावृति करने वाली महिला गणिका कहलाती थी।

धर्म

- बौद्ध धर्म विभिन्न सम्प्रदायों में विभाजित था। राजकीय संरक्षण नहीं मिलने के कारण प्रचार-प्रसार कमजोर पड़ रहा था।
- वर्तमान में प्रचलित हिन्दू धर्म के स्वरूप का निर्माण इसी युग में हुआ। भगवद्गीता की रचना इसी युग में हुई। गुप्त शासक प्रायः **वैष्णव** थे।
- इस समय मन्दिरों का निर्माण आरम्भ हो गया था।
- चन्द्रगुप्त द्वितीय तथा समुद्रगुप्त के सिक्कों पर विष्णु के वाहन **गरुड़** की प्रतिमा अंकित है।
- स्कन्दगुप्त का जूनागढ़ अभिलेख तथा बुद्धगुप्त का एरण स्तम्भलेख विष्णु की स्तुति से आरम्भ होता है।
- स्कन्दगुप्त के **बैल** के आकार वाले सिक्के उसकी शैव धर्म में आस्था के प्रमाण हैं।
- कुमारगुप्त प्रथम के सिक्कों पर **मयूर पर** आरूढ़ कार्तिकेय (स्कन्द) की प्रतिमा अंकित है।
- गुप्तकाल में अनेक प्रसिद्ध **बौद्ध** आचार्यों; जैसे—आर्यदेव, असंग, वसुबन्धु, मैत्रेयनाथ दिङ्नाग आदि का आविर्भाव हुआ।
- योगाचार दर्शन का गुप्तकाल में अत्यधिक विकास हुआ।

गुप्तकालीन प्रसिद्ध मन्दिर

मन्दिर	*स्थान*
विष्णु मन्दिर	तिगवा (जबलपुर, मध्य प्रदेश)
शिव मन्दिर	भूमरा (नागौद, मध्य प्रदेश)
पार्वती मन्दिर	नचना कुठार (मध्य प्रदेश)
दशावतार मन्दिर	देवगढ़ (ललितपुर, उत्तर प्रदेश)
शिव मन्दिर	खोह (नागौद, मध्य प्रदेश)
भितरगाँव मन्दिर (ईंट से निर्मित)	भितरगाँव (कानपुर, उत्तर प्रदेश)

कला

- गुप्त युग में विभिन्न कलाओं— मूर्तिकला, चित्रकला, वास्तुकला, संगीत तथा नाट्य कला के क्षेत्र में अत्यधिक उन्नति हुई थी।
- प्राचीन भारत में स्थापत्य एवं चित्रकला के क्षेत्र में विकास की चरम सीमा गुप्तकाल में ही प्राप्त होती है।
- अत्यधिक देवताओं की मूर्तियों का निर्माण हुआ। मूर्तियों में विष्णु, शिव, पार्वती, ब्रह्मा के अतिरिक्त बुद्ध तथा जैन तीर्थंकर की मूर्तियों का निर्माण भी हुआ।
- **मन्दिर निर्माण कला** का जन्म गुप्तकाल में ही हुआ। देवगढ़ का दशावतार मन्दिर भारतीय मन्दिर निर्माण में शिखर का सम्भवतः पहला उदाहरण है।
- सारनाथ की बुद्धमूर्ति, मथुरा की वर्धमान महावीर की मूर्ति, विदिशा की वराह अवतार की मूर्ति, झाँसी की शेषशायी विष्णु की मूर्ति, काशी की गोवर्धनधारी कृष्ण की मूर्ति आदि इस युग की मूर्तिकला के प्रमुख उदाहरण हैं।
- अजन्ता की 16 एवं 17 और 19 गुफा के चित्र एवं बाघ गुफा इसी समय चित्रित किए गए, जो चित्रकला के सर्वोत्तम उदाहरण हैं। यह महाराष्ट्र राज्य में अवस्थित हैं।
- वास्तुकला के अन्तर्गत विभिन्न मन्दिर, गुफा, चैत्य, विहार, स्तूप इत्यादि का निर्माण हुआ। इनके निर्माण में पत्थरों तथा पक्की ईंटों का प्रयोग किया गया।
- सारनाथ का धम्मेख स्तूप तथा राजगृह स्थित जरासंध की बैठक गुप्तकाल की देन है।
- गुप्तकार को कला, साहित्य व संस्कृति के अधिक विकास के कारण स्वर्ण काल कहा जाता है।

साहित्य

- संस्कृत गुप्त राजाओं की शासकीय भाषा थी।
- गुप्तकाल में साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में अत्यधिक उन्नति हुई। काशी, मथुरा, नासिक, पद्मावती, उज्जयिनी, अवरपुर, वल्लभी, पाटलिपुत्र तथा काँची आदि गुप्तकाल के प्रमुख शैक्षिक केन्द्र थे।
- **विष्णु शर्मा** द्वारा पंचतन्त्र और नारायण पण्डित द्वारा हितोपदेश की रचना की गई। नारद तथा बृहस्पति पुराण के साथ रामायण तथा महाभारत से धर्मशास्त्र इसी काल में रचे गए।
- भारवि ने किरातार्जुनीय, अमरसिंह ने **अमरकोष**, कामन्दक ने नीतिसार तथा चन्द्रगोमिन ने चन्द्र व्याकरण' इसी समय लिखा।
- हरिषेण, वीरसेन, कालिदास तथा विशाखदत्त आदि इस युग के प्रसिद्ध विद्वान् थे। बौद्ध विद्वानों में असंग, वसुबन्धु, दिङ्नाग तथा धर्मपाल, जैन विद्वानों में उपेशवती, सिद्धसेन तथा भद्रबाहु II इसी समय हुए थे।

कालिदास की रचनाएँ

महाकाव्य	*नाटक*
मेघदूतम्	विक्रमोर्वशीयम्
ऋतुसंहार (गीतकाव्य)	मालविकाग्निमित्रम्
रघुवंशम्	अभिज्ञानशाकुन्तलम्
नाटक	कुमारसम्भवम्

गुप्तकाल के रचनाकार

रचनाकार	*रचना*
विशाखदत्त	मुद्राराक्षस, देवी चन्द्रगुप्तम
शूद्रक	मृच्छकटिकम
दण्डी	दशकुमारचरित्
आर्यभट्ट	सूर्य सिद्धान्त
वराहमिहिर	वृहत्संहिता, लघुजातक, पंचसिद्धान्तिका
कामन्दक	नीतिशास्त्र
विष्णु शर्मा	पंचतंत्र

विज्ञान

- गुप्तयुग में गणित, पदार्थ विज्ञान, धातु विज्ञान, रसायन विज्ञान, ज्योतिष विज्ञान तथा चिकित्सा विज्ञान की बहुत उन्नति हुई। **दशमलव** तथा **शून्य** का अन्वेषण गुप्तकाल में ही हुआ।
- **आर्यभट्ट** इस युग के प्रख्यात गणितज्ञ एवं खगोलशास्त्री थे। इन्होंने आर्यभट्टीयम् नामक ग्रन्थ की रचना की, जिसमें अंकगणित, बीजगणित तथा रेखागणित की विवेचना की गई है। आर्यभट्ट ने **सूर्यसिद्धान्त** नामक ग्रन्थ में यह सिद्ध किया कि पृथ्वी सूर्य का चक्कर लगाती है।
- **वराहमिहिर** ने वृहतसंहिता एवं पंचसिद्धान्तिका नाम के खगोलशास्त्र के ग्रन्थों की रचना की। **ब्रह्मगुप्त** का 'ब्रह्म सिद्धान्त' भी खगोलशास्त्र का एक प्रसिद्ध ग्रन्थ है।
- भास्कराचार्य ने महाभाष्कर्य, लघुभाष्कर्य लिखा।
- **धनवन्तरि** तथा **सुश्रुत** इस युग के प्रख्यात वैद्य थे। 'नवनीतकम्' इस युग की प्रसिद्ध चिकित्सा पुस्तक है। हस्तायुर्वेद पशु चिकित्सा सम्बन्धी रचना है। प्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य धनवन्तरि ने 'रसचिकित्सा' नामक पुस्तक की रचना की तथा सिद्ध किया कि सोना, चाँदी, लोहा, ताँबा आदि धातुओं में रोग निवारण की शक्ति विद्यमान है।
- आर्यभट्ट प्रथम, वराहमिहिर, भास्कर प्रथम एवं ब्रह्मगुप्त प्रमुख गणितज्ञ थे।

वाकाटक राजवंश

- गुप्त साम्राज्य के समकालीन वाकाटक राजवंश **विदर्भ** में प्रभावशाली था।
- वाकाटक राजवंश की स्थापना **विन्ध्यशक्ति** ने 255 ई. में की। इस वंश का प्रसिद्ध शासक **प्रवरसेन** था। उसने चार अश्वमेघ यज्ञ किए तथा सम्राट की उपाधि ग्रहण की।
- वाकाटक शासक रुद्रसेन II का विवाह चन्द्रगुप्त II की पुत्री प्रभावती देवी से हुआ था।
- प्रवरसेन II ने 'सेतुबन्ध' नामक एक प्रसिद्ध ग्रन्थ की रचना की।

गुप्तोत्तर काल

गुप्त साम्राज्य के अन्त के बाद उत्तर भारत में कई छोटे शासकीय समुदाय अस्तित्व में आए। जिनमें मौखरि, मैत्रक तथा पुष्यभूति वंश प्रमुख थे।

हर्षवर्द्धन (पुष्यभूति वंश)

(606-647 ई.)

- थानेश्वर पुष्यभूति वंश के अधीन था, जबकि कन्नौज पर **मौखरि वंश** का शासन था। थानेश्वर के पुष्यभूति शासक हर्ष ने अपने सम्बन्धी ग्रहवर्मा की हत्या के बाद कन्नौज से शासन प्रारम्भ किया।
- हर्षवर्द्धन के शासन की जानकारी बाणभट्ट की रचना **हर्षचरित** से मिलती है।
- नालन्दा, मधुबन तथा बाँसखेड़ा अभिलेख से भी हर्षवर्द्धन के जीवन तथा शासन का पता चलता है।
- चीनी यात्री **ह्वेनसांग** हर्षवर्द्धन के शासनकाल में भारत की यात्रा पर आया था।
- पुलकेशिन II के एहोल अभिलेख (633-34 ई.) में हर्षवर्द्धन के नर्मदा तट पर चालुक्य शासक से पराजित होने का उल्लेख मिलता है।
- हर्षवर्द्धन ने विशाल सेना तैयार की थी, जिसमें 60 हजार हाथी तथा एक लाख घुड़सवार थे।

हर्षवर्द्धन की सेना के प्रधान

अवन्ती	युद्ध तथा सन्धि वार्ता का मन्त्री
सिंहनाद	सेनापति
कुन्तल	घुड़सवार सेना का प्रमुख
स्कन्दगुप्त	गज (हस्त) सेना का प्रधान

- हर्षवर्द्धन ने 641 ई. में चीनी शासक के दरबार में एक राजदूत भेजा था।
- राज्य की आय का मुख्य साधन भूमिकर था, जिसे **भाग** कहा जाता था। यह पैदावार का 1/6 भाग होता था।
- हर्ष ने **प्रयाग** (इलाहाबाद) में प्रत्येक पाँच वर्षों पर एक धार्मिक आयोजन (मोक्षपरिषद्) करने की व्यवस्था की। उसके शासनकाल में छः बार ऐसा उत्सव हुआ।
- हर्षवर्द्धन ने रत्नावली, प्रियदर्शिका तथा नागानन्द नामक नाटकों की रचना की।
- हर्षचरित तथा कादम्बरी के रचनाकार बाणभट्ट के अतिरिक्त मयूर, दिवाकर, जयसेन जैसे विद्वान् हर्षवर्द्धन के दरबार में रहते थे।
- हर्षवर्द्धन के समय **नालन्दा विश्वविद्यालय** का कुलपति **शीलभद्र** था।
- हर्षवर्द्धन के समय बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए कुमारजीव, परमार्थ, शुमाक तथा धर्मदेव चीन गए।
- शान्तरक्षित, पद्मसम्भव, कमलशील, स्थिरमति तथा बुद्धकीर्ति इस समय तिब्बत जाने वाले बौद्ध धर्म प्रचारक थे।
- मधुबन तथा बाँसखेड़ा अभिलेखों में हर्षवर्द्धन को **परम महेश्वर** कहा गया है। कुम्भ मेला का प्रारम्भ हर्ष ने ही किया था।
- हर्षवर्द्धन ने 643 ई. में कन्नौज में एक बौद्ध धर्म सम्मेलन आयोजित किया। इस सम्मेलन की अध्यक्षता असम के शासक भास्करवर्मन को सौंपी गई थी।
- हर्ष का समकालीन गौड़ नरेश शशांक था, जिसने हर्ष के भाई राज्यवर्द्धन की धोखे से हत्या कर दी थी। वह शैव था। ह्वेनसाँग के अनुसार इसने बोधगया के बिहार और बोधिवृक्ष को नष्ट कर दिया।
- हर्षवर्द्धन की मृत्यु के बाद कन्नौज पर यशोवर्मा का शासन हुआ। यशोवर्मा ने वाक्पति नामक प्रसिद्ध कवि को संरक्षण प्रदान किया।
- वाक्पति की **गौडवाहो** रचना में यशोवर्मा की विजयों का वर्णन है। यह प्राकृत भाषा की रचना है।
- यशोवर्मा ने 731 ई. में बुद्ध सेन (पूटासिन) को चीन के शासक के पास अपना राजदूत बनाकर भेजा।

महाग्रहार

नालन्दा विश्वविद्यालय शिक्षा का एक प्रसिद्ध केन्द्र था जहाँ बौद्ध धर्म के अतिरिक्त वेद, वेदांग तथा धर्मशास्त्रों से सम्बन्धित शिक्षा दी जाती थी। कुछ अभिलेखों में शिक्षा के इस विख्यात केन्द्र को 'महाग्रहार' कहा गया है।

पूर्वमध्यकाल
कश्मीर के राजवंश

- कल्हण की **राजतरंगिणी** (1150 ई.) में कश्मीर के प्राचीन इतिहास का वर्णन है।
- राजतरंगिणी की रचना महाभारत की शैली के आधार पर हुई है।
- दुर्लभवर्द्धन ने 627 ई. में **कार्कोट वंश** की स्थापना की थी।
- 713 ई. में कश्मीर का शासक चन्द्रपीड़ था, जिसने अरबों के आक्रमण का सामना किया।
- **ललितादित्य मुक्तापीड़** (लगभग 724-760 ई.) कार्कोट वंश का प्रसिद्ध शासक था। उसने कम्बोजों तथा तुर्कों को पराजित किया। राजतरंगिणी में ललितादित्य मुक्तापीड़ की विजयों का विवरण है। उसने मार्तण्ड का सूर्य मन्दिर निर्मित करवाया था।
- कार्कोट वंश के बाद उत्पलवंश तथा लोहार वंश का शासन कश्मीर पर हुआ।
- उत्पल वंश का संस्थापक अवन्तिवर्मन था, जबकि लोहार वंश का संस्थापक संग्राम राज था।
- अवन्तिवर्मन ने **अवन्तिनगर** बसाया तथा उसके अधिकारी सुय्य ने सिंचाई के लिए नहरें बनवाईं।
- 980 ई. में उत्पल वंश की रानी **दिद्दा** ने राज्य में शान्ति स्थापित की, किन्तु वह एक दुराचारिणी महिला थी। 1003 ई. में उसकी मृत्यु के बाद **संग्रामराज** शासक हुआ जिसने लोहार वंश की नींव डाली।
- इसी वंश में **हर्ष** राजा हुआ जिसका आश्रित कवि कल्हण था। जिसकी राजतरंगिणी का विवरण इस वंश के अन्तिम शासक जयसिंह (1128-1155 ई.) के साथ समाप्त हो जात है।
- 1339 ई. में शाहमीर ने कश्मीर में मुस्लिम शासन की स्थापना की।

बंगाल के वंश

पाल वंश

- 8वीं शताब्दी के मध्य (750-770 ई.) में बंगाल में पाल राजवंश की स्थापना बौद्ध धर्म के अनुयायी गोपाल ने की।
- मध्य भारत (कन्नौज) पर नियन्त्रण के लिए पाल शासकों का संघर्ष प्रतिहार तथा राष्ट्रकूट शासकों से हुआ।
- धर्मपाल के **खालीमपुर अभिलेख** के अनुसार बंगाल की जनता ने गोपाल नामक व्यक्ति को शासक बनाया, जिसने पाल वंश के शासन की नींव रखी।
- गोपाल ने ओदन्तपुरी में विहार बनाया।
- धर्मपाल ने प्रतिहार शासक वत्सराज को पराजित किया, किन्तु नागभट्ट II से पराजित हुआ।
- धर्मपाल ने **परमभट्टारक**, **महाराजाधिराज** तथा **परमेश्वर** जैसी उपाधियाँ ग्रहण कीं।
- उसके समय में विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना हुई, जो बौद्ध शिक्षा का एक प्रमुख केन्द्र था।
- **देवपाल** ने प्रतिहार शासक मिहिरभोज को पराजित किया। उसके शासनकाल में शैलेन्द्रशासक बालपुत्रदेव ने नालन्दा महाविहार को दान देने के लिए पाँच गाँवों की माँग की थी।
- अरब यात्री **सुलेमान** ने पाल वंश को प्रतिहार तथा राष्ट्रकूटों से अधिक शक्तिशाली बताया तथा उसने पाल साम्राज्य को 'रूहमा' कहा है।
- महिपाल प्रथम 988 ई. में शासक बना। उसके समय चोल शासक राजेन्द्र प्रथम ने बंगाल पर आक्रमण किया तथा इसे पराजित किया।
- पाल वंश के अन्तिम शासक रामपाल के शासन काल में कैवर्त जाति के लोगों ने विद्रोह किया था।

सेन वंश

- पालवंश की दुर्बलता का लाभ उठाकर **सामन्त सेन** ने बंगाल में सेन वंश की स्थापना की।
- बल्लाल सेन, सेन वंश का प्रबुद्ध शासक था। उसने दानसागर एवं अद्भुत सागर (खगोल विज्ञान पर) ग्रन्थ की रचना की।
- अद्भुत सागर की रचना को लक्ष्मनसेन ने पूरा किया।
- लक्ष्मणसेन (बल्लाल सेन का उत्तराधिकारी) के दरबार में गीतगोविन्द का लेखक जयदेव, पवनदूत का लेखक धोयी एवं ब्राह्मण सर्वस्व का रचयिता हलायुद्ध थे। हलायुद्ध लक्ष्मणसेन का न्यायाधीश एवं मुख्यमन्त्री था।
- लक्ष्मणसेन एक साम्राज्यवादी शासक था, जिसने कन्नौज के गहड़वाल शासक जयचन्द को पराजित किया।
- लक्ष्मणसेन को लेखों में **परम भागवत** की उपाधि प्रदान की गई है। यह बंगाल का अन्तिम हिन्दू शासक था।
- 1202 ई. में **बख्तियार खिलजी** ने लक्ष्मणसेन के शासनकाल में बंगाल पर आक्रमण किया।